RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 February, 2016

अंक - 8 (मासिक) वर्ष - 11 फरवरी, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

दिखा गया प्रतिभाओं को उन्नति का आकाश

सृजन सेतु

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का आयोजन

सेना मेडल से हुए
सम्मानित
मेजर आकाश तापडिया

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

नहीं रहीं
समाजसेवी
सरला लोहिया

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 February, 2016

अंक - 8 (मासिक) वर्ष - 11 फरवरी, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

दिखा गया प्रतिभाओं को उन्नति का आकाश

सृजन सेतु

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का आयोजन

सेना मेडल से हुए
सम्मानित
मेजर आकाश तापडिया

नहीं रहीं
समाजसेवी
सरला लोहिया

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 February, 2016

अंक - 8 (मासिक) वर्ष - 11 फरवरी, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

दिखा गया प्रतिभाओं को उन्नति का आकाश

सृजन सेतु

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का आयोजन

सेना मेडल से हुए
सम्मानित
मेजर आकाश तापडिया

नहीं रहीं
समाजसेवी
सरला लोहिया

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

श्री माहेश्वरी टाईम्स

का आगामी अंक होगा

भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी

उज्जयिनी में होने वाले

सिंहस्थ
कुंभ महापर्व उज्जैन

SIMHASTHA-2016
UJJAIN(M.P)

के नाम

मेले की विस्तृत व्यवस्थाओं

एवं माहेश्वरी समाज की सेवाओं पर केन्द्रित

इसके बाद आगामी अंक

माह अप्रैल-2016 में करेगी

श्री माहेश्वरी टाईम्स

'नारी शक्ति' को नमन

'महिला विशेषांक'

के साथ.

नारी शक्ति से जुड़ लेख। रचनाएँ।
प्रतिभा परिचय। विज्ञापन आमंत्रित हैं.

90, विद्यानगर, टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) - 456010
दूरभाष : 0734 2526561 2526761, मो. 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-8 ▸▸ फरवरी, 2016 ▸▸ वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
नन्दकिशोर लखोटिया (कोलकाता)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

'सृजन सेतु' में प्रतिभाओं ने फैलाए पंख

31

09

'सेना मेडल' से हुए सम्मानित
मेजर तापड़िया

54

नहीं रहीं समाजसेवी
श्रीमती सरलादेवी लोहिया

दान का सुख

प्रेरक प्रसंग

मथुरा में एक विशाल मंदिर का निर्माण होना था, जोर-शोर से चंदा एकत्र किया जाने लगा। कार्यकर्ताओं के निर्णय के अनुसार सबसे ज्यादा दान देने वाले दाता का नाम दान-पट्टिकाओं में सबसे ऊपर और मोटे अक्षरों में लिखा जाना था। शहर के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्तागण लाला बिठ्ठलदास के घर पहुँचे और उन्हें अधिक से अधिक चंदा देने के लिए उकसाने लगे। शहर में ऐसा और कोई नहीं था, जो उनसे ज्यादा चंदा देने का सामर्थ्य रखता हो अब तक की सबसे ज्यादा दानराशि की रसीद जमाकर्ताओं ने लालाजी के सामने रख दी। लाला जी ने पूछा-भाई! तुम मुझसे क्या चाहते हो? आंगतुकों में से एक ने कहा कि एक सेठ ने 11 लाख रुपये दिये हैं। आप कम से कम 12 लाख रुपये चंदा अवश्य दें, जिससे दान-पट्टिका में आपका नाम सबसे ऊपर व मोटे अक्षरों में लिखा जा सके। लालाजी ने जबाब दिया- "रुपया तो मैं दे दूँगां, पर शर्त यही है कि दान-पट्टिका में सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में नाम उन्हीं सज्जन का लिखा जाये, जिन्होंने अब तक सबसे ज्यादा रकम दी है। इसके बाद लाला जी ने 20 लाख रुपये देते हुए कहा कि दो रसीदें काट दीजिए, एक 10 लाख की मेरे नाम से और दूसरी 10 लाख की मेरी पत्नी के नाम से।

निष्कर्ष- पट्टिका पर सबसे ऊपर मोटे अक्षरों में नाम लिखवाने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया दान वास्तव में यश की कामना से दिया गया दान है, जो सकाम कर्म की श्रेणी में आता है और निष्काम भाव से दिया गया दान मन को जो सात्विक सुख और आनन्द देता है, उसका आकलन संभव नहीं हैं। अतः दान सदैव यश की कामना से ऊपर उठकर देना ही श्रेयस्कर व कल्याणकारी होता है।

- जयकिशन झंवर

तरूवर की छाया

सबसे पहले मुजफ्फर नगर के शर्मा बंधुओं ने जब फिल्मी परदे पर गुनगुनाया था, "जैसे सूरज की गरमी से जलते हुए तन को मिल जाए तरूवर की छाया, ऐसा ही सुख मेरे जीवन को मिला जब से तेरी शरण में आया....." तो इस एक भजन ने चार भाइयों की इस भजन मंडली को भक्ति संगीत का सिरमोर रातों रात बना दिया था। संयोग की बात है कि शर्मा बंधु अब मुजफ्फरनगर छोड़ कर उज्जैन में आ बसे हैं। यह भजन उनके हर कार्यक्रम की शुरूआत या समापन का अनिवार्य हिस्सा बन गया है। मैं शर्मा बंधुओं की सफलता की समीक्षा नहीं कर रहा, आपको उस भाव बिंदु तक ले जाना चाहता हूँ, जो इस भजन की जान है और बरबस ही श्रोता को परमार्थ के इस मुकाम तक ले जाती है, जहां उसकी सुखानुभूति को महसूस किया जा सकता हैं। भजनकार कहता है, हे राम, तेरे दर्शन का सुख ऐसा ही है, जैसे धूप में तपते पथिक को पेड़ की छाया मिल जाए।

उज्जैन माहेश्वरी समाज ने ऐसे ही तरूवर को खड़ा करने का संकल्प लिया और 7 फरवरी को इस तरूवर की जड़े रोंपने का काम पद्म श्री बंशीलाल राठी के करकमलों से होने जा रहा है। उज्जैन एक मात्र ऐसा तीर्थ रह गया था, जहां महेश धाम नहीं नहीं था, लेकिन जल्दी ही यह बनकर तैयार हो जाएगा तथा यहां आने वाले तीर्थ यात्रियों, समाज बंधुओं को गरिमामय आश्रय मिल सकेगा। इस यज्ञ में सहयोग की समिधा देने वालों को समझ लेना चाहिए कि इस पुनित कार्य का उन्हें ईश-दर्शन के समान फल मिलने में कोई संदेह नहीं है। श्री महेश धाम के शिलान्यास में पधारे समस्त अतिथियों का माहेश्वरी टाईम्स सादर अभिनंदन करती है।

बात उज्जैन की चली तो यह आपको पता ही है, उज्जैन में 22 अप्रैल से 21 मई तक सिंहस्थ कुंभ महापर्व का आयोजन होगा। इसमें देश-विदेश से 5 करोड़ यात्रियों के आने का अनुमान है। राज्य सरकार 3 हजार करोड़ से अधिक लागत से शहर को तैयार करने और साधु संतों के लिए सुविधाएं जुटाने में लगी है। श्री माहेश्वरी समाज भी इस मौके पर यात्रियों की निःशुल्क सेवा करेगा। इस अंक में सिंहस्थ तैयारी का संक्षिप्त परिचय दिया है लेकिन आगामी अंक सिंहस्थ विशेषांक होगा। इस अंक में इंदौर में संपन्न महिला संगठन के तीन दिनी अधिवेशन सृजन सेतु की लाइव रिपोर्टिंग आपके लिए प्रस्तुत है। अधिवेशन से मालवांचल में महिला संगठन को नई जीवंतता दी है तथा समाज की महिलाओं को जागृत किया है। सुखानुभूति का एक और पहलू मैजर तापड़िया को वीरता के लिये मिला सम्मान भी है। हम उन्हें इसके लिए हार्दिक बधाई बधाई देते हैं।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के चुनाव की चर्चाओं के बीच यह मुद्दा गरमा रहा है कि 108 साल पुरानी इस संस्था का अब तक रजिस्ट्रेशन नहीं है। इसके कई कारण और फायदे गिनाए जाते रहे हैं, लेकिन बदलते वक्त के साथ नए परिवेश में इस पर विचार करना जरूरी है। अब फायदा पंजीयन कराने में ज्यादा है। पंजीयन नहीं होने से जो नुकसान हो रहा है, वह फायदे से ज्यादा है। इस मुद्दे पर सभी लोग विचार करें और संस्था का पंजीयन कराने के अंतिम फैसले पर पहुँचे। संस्था की आचार संहिता भी जरूरी है, जो नए परिप्रेक्ष्य में बनना चाहिए। यह अंक हमेशा की तरह आपकी कसौटी पर खरा उतरेगा, इसी विश्वास के साथ।

जय महेश!

पुष्कर बाहेती

वर्तमान में बदलाव बहुत जरूरी

लक्ष्मणगढ़ (राजस्थान) में 2 नवम्बर 1962 को स्व. श्री सीताराम लखोटिया के यहां जन्में कलकत्ता निवासी श्री नंदकिशोर लखोटिया रियल इस्टेट व्यवसाय जगत के साथ ही समाजसेवा के क्षेत्र में भी एक जाना माना नाम है। वर्तमान में आप कलकत्ता प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। बी. कॉम. तक शिक्षित श्री लखोटिया अपने व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद गत 16 वर्षों से समाज को अपनी सक्रिय सेवा दे रहे हैं। वर्ष 2000 में आप युवा संगठन से सम्बद्ध हुए और उनके संयोजन में वहां युवा संगठन का ऐतिहासिक आयोजन हुआ। वर्ष 2004 में कलकत्ता में युवा संगठन के आयोजित कार्यक्रम ''आपणो उत्सव'' के दौरान आप मंत्री पद की जिम्मेदारी निभा रहे थे। समाज संगठन के अंतर्गत अभी तक युवा मंच हावड़ा अध्यक्ष, हावड़ा सभा मंत्री व अध्यक्ष तथा कलकत्ता प्रदेश के कार्यसमिति सदस्य रह चुके हैं। माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति स्थल लोहार्गल की भवन निर्माण समिति को अर्थ समिति सचिव के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। वर्तमान में लखोटिया कलकत्ता समाज के अध्यक्ष भी हैं। व्यावसायिक रूप से रीयल इस्टेट व्यवसायियों के कलकत्ता के संगठन को कोषाध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। लायंस क्लब हावड़ा, नागा बाबा आश्रम, वन बंधु परिषद आदि कई संस्थाओं से सम्बद्ध होकर भी आप महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा का नाम हर माहेश्वरी अत्यंत गर्व से लेता है। वास्तव में लेना भी चाहिये क्योंकि यह वह संगठन है, जिसने न सिर्फ समाज अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र को राह दिखाई है। महासभा द्वारा देश के स्वतंत्रता आंदोलन में तो अपना योगदान दिया ही गया, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी यह अपने समाज सुधारों से देश को भी मार्गदर्शित करता रहा है। महासभा के ही विधवा विवाह, बाल-विवाह निषेध जैसे कई समाज सुधार हैं, जो हमारे देश के शासन ने भी स्वीकार किये और उन्हें लागू किया। यही कारण है कि अ.भा. माहेश्वरी महासभा न सिर्फ माहेश्वरी समाज अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र के लिये भी गौरवशाली संगठन है। संगठन सभी को मार्ग दिखाता रहा है। आज बदलाव की अपेक्षा कर रहा है और यह नहीं हुआ तो अतीत हमें माफ नहीं करेगा।

अतः वर्तमान दौर में जब चुनाव की तैयारी हो रही है तो हमें हमारी सोच में भी अमूलचूल परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। क्योंकि ''आज हम सोच बदलेंगे-कल हमारा भविष्य बदलेगा'' आज महासभा के शीर्ष पदों पर पहुंचने के लिए सिर्फ एक प्रमुख गुण की आवश्यकता है, वह है पैसा। समाज के प्रति सम्पूर्ण, त्याग, अनुभव, बुद्धिमता जैसी बातों का कोई मोल नहीं। इसके कारण महासभा कुछ लोगों के हाथों की कठपुतली बन चुकी है। इसका नतीजा यह भी है कि आम व्यक्ति संगठन से दूर हो चला है। आप चुनाव, अधिवेशन, बैठकों पर पानी की तरह करोड़ों रुपया बहाते आ रहे हो पर नतीजों के नाम पर शून्य। समाज अब किसी व्यक्ति के भाषणों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि संगठन की योजनाओं से प्रभावित होता है। किसी भी सामाजिक समस्या में सुधार के लिए संगठन की बात कोई भी परिवार तभी मानेगा, जब उस पर समाज का प्रभाव होगा और वह तभी हो सकता है जब संगठन उस परिवार से जुड़ा हो। मेरा मानना है वर्तमान में हम वही पुरानी आदतों के अनुसार अपना स्थानीय क्षमता को छोड़कर पैसे वालों को ही खोज रहे हैं। यह मुश्किल तब और बढ़ जाती है जब पैसे वालों के पास पैसा नहीं मिलता। तब कार्यकर्ता के मन में द्वेष का जन्म होता है।

सर्वप्रथम तो यह प्रयास हो कि चुनाव की जगह सर्वसम्मति हो, जिससे समाज का करोड़ों रुपया व्यर्थ व्यय न हो। इसके साथ ऐसे लोगों को आगे लाएं, जिनकी धन की सम्पन्नता चाहे कम हो, लेकिन जिनके मन में समाज के लिये कुछ करने का जज्बा हो और इसके लिये ठोस विजन तथा पूर्ण समर्पण एवं जिम्मेदार हो। अब पार्टटाईम सेवा से काम नहीं चलेगा, हमें पूर्णकालिक पदाधिकारी तलाशने होंगे। बुद्धिजीवी वर्ग को जोड़े, जिससे युवा वर्ग संगठन में सक्रिय हो।

मैं कहना चाहता हूं कि पैसा सम्पन्न व्यक्ति को ही देखकर नहीं मिलता बल्कि समाज की योजनाओं को देखकर मिलता है। अच्छी योजना हो यदि ठोस ''विजन है, तो समाजहित में धन की कमी नहीं रहती। समाज में ऐसे कई भामाशाह हैं, जो समाज के लिये बड़ी से बड़ी राशि देने के लिये तैयार है। लेकिन ऐसे लोग बिना ''विजन'' के सम्पन्न लोगों को पैसा देने में कतराते हैं। कैसे ''विजन'' काम करता है, इसका उदाहरण हमारा कलकत्ता प्रदेश है। यहां हमने हावड़ा में रेलवे स्टेशन के पास 8.50 करोड़ रुपए की लागत से भव्य भवन बनाने की कार्ययोजना तैयार की। यह वह स्थान है जहां पर समाज के अधिकांश मध्य श्रेणी के लोग निवास करते हैं। कार्य तो कठिन था, पर फंड की कमी नहीं आई। भूमि क्रय की जा चुकी है और शीघ्र ही भवन भी सभी के सहयोग से तैयार हो जाएगा। समाज की जनगणना व समाज की मेट्रिमोनियम वेबसाइट पर भी काम चल रहा है। मेरा कहने का तात्पर्य यही है, सिर्फ इस भय में कि सम्पन्न व्यक्ति को न चुने कि धन की कमी हो जाऐगी। बल्कि विश्वास रखें कि योग्य नेतृत्व होगा तो धन की कमी नहीं होगी। विश्वास रखें और योग्य नेतृत्व चुनने का प्रयास करें। याद रखें यदि सही समय पर सही बदलाव नहीं किया तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

नंदकिशोर लखोटिया
अतिथि सम्पादक

श्री फलौदी माताजी

हेड़ा, धूपड़, जाजू, समदानी, खटोड़, तुलावटिया, कयाल, मालानी, लोसल्या, गाँधी और टुवाणी आदि खाँप की कुलदेवी फलौदी माता है।

माताजी का मंदिर राजस्थान के जोधपुर जिले से लगभग 105 किमी दूर मेड़ता रोड नामक छोटे से गाँव में स्थित है।मंदिर का निर्माण राजा नाहड़ राव परिवार द्वारा करवाया गया। उस समय फलौदी गाँव में फलौदी माता का एक कच्चा स्थान बना हुआ था। राजा ने उस कच्चे स्थान को एक छोटे मंदिर का रूप दे दिया जिसके पास ही, एक तालाब व एक बावड़ी भी खुदवाई जो आज भी मौजूद है।

अनूठा तौरण द्वार

विक्रम संवत् 1013 में मंदिर बनवाने के पश्चात शीघ्र ही उस मंदिर में माँ फलौदी ब्रह्माणीजी की प्रतिष्ठा विक्रम संवत् 1013 में कराई, उस वक्त प्रतिष्ठा के लिए रत्नावली (रूण) नगरी से भोजक केशवदासजी के पुत्र लंकेसरजी को लेकर यहाँ आए और यहाँ प्रतिष्ठा कराई तथा बाल भोग के लिए उस वक्त राजा नाहड़ राव ने 52 हजार बीघा जमीन माताजी के नाम अर्पण की, जिसका सम्पूर्ण अधिकार लंकेसरजी को सौंपा।जिस वक्त राजा ने मंदिर की प्रतिष्ठा कराई, उसी दौरान एक तोरण द्वार यादगार के रूप में मंदिर के बाहर बनवाया गया जो कि प्राचीन संस्कृति एवं कलात्मकता का एक अद्भुत नमूना था इसमें 9 चरणों में बँटा हुआ एक विशाल स्तम्भ दिखाई देता था। उसकी ऊँचाई उस वक्त 85 फुट थी। बाद में इस तोरण स्थान का उपयोग विशाल द्वीप स्तम्भ के रूप में किया जाने लगा। आसपास के इलाके के राजा, महाराजा अपने किलों (गढ़) के ऊपर खड़े होकर विशाल दूरबीनों की सहायता से नवरात्रि पर्व के समय माताजी की ज्योत के दर्शन करते थे जो इस तोरण के सबसे ऊपरी हिस्से पर दर्शन हेतु रखी जाती थी।

काले खां का सबक

विक्रम संवत् 1014 को भोजक केशवदासजी, किरतोजी, बलदेवजी व सुमेरजी आदि ने मिलकर वैशाख सुदी तीज सोमवार को कुलदेवी फलदायनी के नाम से फलौदी नाम का गाँव बसाया जो आज मेड़ता रोड कहलाता है। विक्रम संवत् 1633 में बादशाह अकबर की फौज फलौदी (मेड़ता रोड) से होकर गुजरी। फौज के सूबेदार काले खाँ की नजर दूर से ही मंदिर के पास बने कलात्मक व 85 फीट ऊँचे भव्य तोरण पर पड़ी। काले खाँ स्वयं मंदिर के अंदर गया तथा मंदिर जिन चार प्रमुख खम्भों पर खड़ा था उनको तुड़वाना शुरू किया। तीन खम्भे तोड़े जा चुके थे। तब काले खाँ ने माताजी की मूर्ति तोड़ने की नीयत से गर्भगृह में प्रवेश करना चाहा उसी समय माँ भवानी फलदायिनी स्वयं प्रकट होकर क्रोध से दहाड़ उठीं और उन्होंने काले खाँ को जहाँ खड़ा था, वहीं जमीन से चिपका दिया। काले खाँ अपनी पूरी ताकत लगाकर हार गया उसने निराश होकर माँ भवानी के चरणों में अपना शीश झुकाकर स्वयं को मुक्त करवाने हेतु प्रार्थना की। तब माताजी ने उसे लूटपाट व मारकाट बंद करवाने को कहा। जब काले खाँ के आदेश से लूटपाट बंद हुई तब तक तोरण द्वार का मात्र एक हिस्सा बचा रह गया जो आज भी अपनी जगह विद्यमान है और इसी तरह मंदिर के अन्दर भी एक ही स्तम्भ सुरक्षित रहा जो आज भी स्थित है। मंदिर प्रांगण में ही ठहरने के लिए 15 कमरे बने हुए हैं। भोजन प्रसाद की भी अच्छी व्यवस्था है।

नवरात्रि उत्सव

इस मन्दिर में नवरात्रि पर्व का अपना विशिष्ट स्थान है। वर्ष में दो बार यहाँ नवरात्रि पर्व चैत्र अमावस्या से प्रारम्भ होकर सप्तमी तक चलता है। द्वितीय नवरात्रि पर्व आसोज अमावस्या से लेकर सप्तमी तक चलता है। इस दौरान अमावस्या से लेकर छट तक किसी प्रकार का भोग व प्रसाद माताजी को नहीं चढ़ता। सप्तमी के दिन माताजी को भोग लगता है। इस मन्दिर में भारत के कोने-कोने से यात्री व भक्त आते हैं और माँ के दरबार में मन माँगी मुरादें पूरी पाते हैं। नवरात्रि पर्व के समय यह मन्दिर एक मेले का रूप ले लेता है। वर्तमान समय में कुछ उत्साही युवकों द्वारा सही मार्गदर्शन कराने से यात्रियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है तथा मन्दिर विकास कार्य भी तीव्र गति से प्रारंभ हुए हैं।,

कैसे पहुंचें

ग्राम मेड़ता रोड (फलौदी) जोधपुर से 105 किमी, बीकानेर से 162 किमी तथा अजमेर से लगभग 95 किमी दूर स्थित है। ट्रेन द्वारा जोधपुर, बीकानेर या अजमेर पहुँचकर यहाँ से बस, किराए या स्वयं के चौपहिये वाहन द्वारा यहाँ पहुँचा जा सकता है।

पत्र व्यवहार का पता - व्यवस्थापक, ब्राह्मणी माता मंदिर, मेड़ता रोड, नागौर, फोन-01591-276285

परिचय सम्मेलन ने लिया भव्य स्वरूप

▸▸वेबसाईट पर भी दिखा लाईव प्रसारण ▸▸विदेशों से भी आए प्रत्याशी

जोधपुर। अखिल भारतीय माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 2016 का आयोजन गत 2 व 3 जनवरी को जोधपुर में हुआ। इस बार इसका वेबसाईट पर भी लाईव प्रसारण हुआ।

उद्घाटन समारोह में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री संदीप काबरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डी.डी. लोहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। लायन्स इन्टरनेशनल के प्रान्तपाल बद्रीविशाल माहेश्वरी एवं एसपी (जीआरपी) ललित माहेश्वरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इसमें देश के 16 प्रांतों के 124 शहरों से माहेश्वरी समाज के विवाह योग्य 1210, जिनमें 620 प्रोफेशनल (युवतियाँ 330 व युवक 290) एवं 538 नॉन प्रोफेशनल (युवतियाँ 258 व युवक 280) एवं विशिष्ट 52 (युवतियाँ 30 व युवक 22) प्रत्याशियों का पंजीकरण किया गया। करीब 450 प्रत्याशियों ने परिचय सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, जिनमें सीए, सीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, एमबीए, आदि कोर्स कर विश्वस्तरीय मल्टी-नेशनल संस्थाओं में तथा अमेरिका, ब्रिटेन तथा सउदी अरब आदि देशों में कार्यरत उच्चशिक्षित प्रत्याशी भी शामिल थे। अभिभावकों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

प्रत्याशियों ने बेबाकी से परिचय देते हुए "जीवन साथी कैसा हो" इस बारे में विचार रखे। 3 जनवरी को सम्मेलन के दूसरे दिन नॉन प्रोफेशनल युवक-युवतियों व द्वितीय सत्र के दौरान विशिष्ट प्रत्याशियों हेतु आयोजन रखा गया था। परिचय सम्मेलन का लाईव प्रसारण estv.in.prpmss पर वेबकास्ट के माध्यम से विश्वभर में माहेश्वरी परिवारों ने देखा व उपयुक्त सुझाव भी दिये। आयोजकों की ओर से प्रतिभागी युवक-युवतियों हेतु काउन्सलिंग तथा ज्योतिष एवं कुण्डली मिलान आदि व्यवस्थाएँ भी की गई थीं।

ये बने सहयोगी

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष जे.एम. बूब ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने हेतु संयोजक जवाहर मून्दड़ा, मार्गदर्शक सुरेश राठी, डॉ. सूरज माहेश्वरी, सीताराम राठी, ओमप्रकाश भूतड़ा, मूलचन्द मून्दड़ा, एस.पी. लड्ढा, रमेश बाहेती, सीताराम राठी, ओमप्रकाश भूतड़ा, मूलचन्द मून्दड़ा, एस. पी. लड्ढा, रमेश बाहेती, योगेश बिड़ला, अशोक लोहिया, रतन माहेश्वरी, रीना राठी, गिरीश बंग, पवन बूब, उमा बिड़ला, आशा फोफलिया आदि ने सहयोग दिया। समारोह का संचालन चन्द्रा बूब ने किया।

कई स्पर्धाओं से हुआ वेलकम पोंगल

हैदराबाद। सिकन्दराबाद माहेश्वरी महिला मण्डल के तत्वावधान में एक प्रतिष्ठित होटल में वेलकम पोंगल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मण्डल अध्यक्ष रजनी राठी ने बताया कि इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रमों से सजी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष कलावती जाजू, मधु त्यागी व लीना बेन पटेल ने निर्णायक का दायित्व निभाया। सुनीता मंत्री ने निर्णायिकाओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में तारा मोदानी, तारा बंग, शोभना भट्टड़, सुनीता आगीवाल, किरण बजाज, राजू गाँधी, सीमा इन्नाणी, शशि सारड़ा, विजया बंग, अर्चना मालाणी, सन्तोष झँवर, उषा बल्दवा, गौरी चौकड़ा आदि ने सहयोग दिया।

सड़क सुरक्षा समिति का हुआ गठन

बूंदी। राजस्थान सरकार के निर्देश पर जिला परिवहन अधिकारी द्वारा ज़िला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति का गठन किया गया। इसमे अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य संजय लाठी को समिति अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार यह समिति सड़क दुर्घटनाओ में कमी लाने,जागरूकता के लिये ज़िले में कार्यक्रम करने, रोड सेफ्टी प्लान का पालन, वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमो का पालन कराने सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस नियुक्ति पर सभी स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन की स्थापना के सत्रह साल के कार्यकाल में प्रथम बार अविस्मरणीय कार्यक्रम "भागवत सप्ताह कथा" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नववर्ष 2016 की शुरूआत में 1 से 7 जनवरी तक श्री राधाकृष्ण मंदिर, थलतेज-अहमदाबाद के प्रांगण में, गौशाला व यज्ञशाला के सान्निध्य जैसे पवित्र माहौल में निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। संत श्री अर्जुनरामजी महाराज (जोधपुर वाले) ने अपनी सुमधुर वाणी द्वारा सभी श्रोताओं का मन मोह लिया। सखी संगठन की संरक्षक सदस्या इन्दिरा राठी ने अध्यक्ष निर्मला सोनी व मंत्री नीलम मालपानी का इस आयोजन के लिए सम्मान किया गया। कथा के सातवें दिन कथा समाप्ति के बाद हवन एवं महाप्रसाद (भोजन) का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 325 सदस्याओं व उनके परिवारजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। मकर संक्रांति के पर्व पर माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा अपंग मानव मंडल को फिलिप्स ब्रान्ड के दो सीडी प्लेयर भेंट किये, साथ ही अपंग मानव मंडल की सभी 110 कन्याओं को मुंमफली, तिल की चिक्की, जुराबें, क्रीम व वेसेलीन भी बाँटी गई।

अजमेरा हॉस्पिटल

स्त्री प्रसूति, निसंतानता, शिशु एवं नेत्र विभाग

यू.आई.टी. के पास, अजमेर रोड, सुभाष नगर, भीलवाड़ा (राज.)

फोन- 01482-265100, मो. 95495-98620, 96675-37990

डॉ. आशीष अजमेरा
M.B.B.S., M.S.
स्त्री-प्रसूति,
निसंतानता रोग विशेषज्ञ

डॉ. शीतल अजमेरा
M.B.B.S., D.N.B.,
F.V.R.S., F.A.E.H.
नेत्र एवं रेटिना विशेषज्ञ

डॉ. अतुल हेड़ा
M.B.B.S., MD
नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ

उपलब्ध सुविधाएँ

- प्रसव पूर्व जाँच व उपचार।
- नार्मल व सिजेरियन डिलेवरी की 24 घंटे आपातकालीन सेवाएँ।
- सफेद पानी, नलों में दर्द, अत्यधिक रक्त स्राव का उपचार।
- अनियमित महावारी का बिना ऑपरेशन के ईलाज।
- अण्डाशय में सूजन, रसोली की जाँच व ईलाज।
- शरीर का बाहर निकलने का ऑपरेशन से, बिना बच्चेदारी निकाले ईलाज।
- बच्चेदानी के मुँह के कैंसर की जाँच, ईलाज व टीका।
- नसबंदी करने व खुलवाने की सुविधा।

उपलब्ध सुविधाएँ

- नेत्र रोग व रेटिना का उपचार।
- शुगर व बीपी बढ़ने पर आँखों में असर की जाँच व ईलाज।
- पर्दे की जगह से हटने की जाँच व ईलाज।
- आँख में लोहे का कण, कचरा व घाव का ईलाज।
- बढ़ती उम्र के साथ होने वाली आँखों की बीमारी की जाँच व उपचार।
- बिगड़ा हुआ मोतियाबिन्द का उपचार।
- समय पूर्व जन्मे बच्चे की आँखों की जाँच व उपचार।
- लेजर द्वारा आँखों का इलाज।
- आँखों की इंजियोग्राफी।
- आँखों की बीमारियों की जाँच व ऑपरेशन।

फोटोथेरेपी E.N.T. वार्मर टीकाकरण भर्ती की सुविधा।
कॉटेज वार्ड की सुविधा। एम्बुलेंस की सुविधा।

ICU गहन चिकित्सा इकाई। मेडिकल स्टोर व लेबोरेट्री की सुविधा।
सभी प्रकार के जनरल ऑपरेशन की सुविधा।
बच्चों की समस्त बीमारियों की जाँच व ईलाज।

योग-प्राणायाम के सिखाये सूत्र

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला की प्रेरणा से गठित श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा श्री माहेश्वरी भवन एबी रोड पर योगासन एवं प्राणायाम विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शन देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के योग विभागाध्यक्ष डॉ के.के. शर्मा एवं उनके साथियों द्वारा दिया गया। उनका स्वागत ट्रस्ट अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, सचिव सीए भरत सारड़ा, संयोजक द्वय रामस्वरूप धूत एवं किशनगोपाल पुंगलिया ने किया। डॉ. शर्मा ने बताया कि मेरूदंड याने रीढ़ की हड्डी सीधी रखकर उठना-बैठना एवं उचित आसन में क्रिया करना योग एवं प्राणायाम की प्राथमिक आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की खाली जगह में कैल्शियम जमा होता है, जो आगे चलकर दर्द का कारण बनता है। शुद्ध वायु हमारे शरीर को उचित मात्रा में कैसे प्राप्त हो, इसके लिये प्राणायाम की विधि आपके सहयोगियों ने करके दिखाई। अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न कोषाध्यक्ष शिवभगवान परवाल ने प्रदान किये व आभार गिरधरलाल सारड़ा ने माना।

"वो जो सिद्धांत जाने बिना अभ्यास करता है, उस नाविक के समान है जो जहाज पर बिना पतवार और कम्पास के चढ़ जाता है और कभी नहीं जानता कि वह किधर जा सकता है"

भगवान महाकालेश्वर की नगरी में बनेगा भव्य 'श्री महेश धाम'

आगामी 7 फरवरी को समाज की शीर्ष हस्तियों के हाथों होगा निर्माण का शिलान्यास

उज्जैन। भगवान महाकालेश्वर की नगरी में भव्य व सर्वसुविधायुक्त समाज भवन का समाज का सपना साकार होने जा रहा है। आगामी 7 फरवरी को समाज की कई शीर्ष हस्तियों की उपस्थिति में अंकपात क्षेत्र में इसके निर्माण का शिलान्यास होगा और इसके साथ हो जाएगी, इस सपने को साकार करने की शुरुआत।

महेश भवन का निर्माण कर रही संस्था " महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट" के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी नेबताया कि उज्जैन देश के अत्यंत पावन तीर्थ स्थलों में से है। अतः समाज का लंबे समय से सपना था कि यहां एक भव्य व सर्वसुविधायुक्त महेश भवन का निर्माण हो, जिससे यहां आने वाले तीर्थयात्रियों को समाज की गरिमा के अनुरूप आवास की सुविधा प्राप्त हो सके। इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देने के लिए अंकपात क्षेत्र में अंकपात द्वार से आगे लगभग 4 बीघा भूमि क्रय की गई। इसके पश्चात समस्त वैधानिक औपचारिकताएं पूर्ण की गई। अब इस भूमि पर समाज के प्रबुद्ध दानदाताओं के सहयोग से भव्य व सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण किया जाऐगा। लक्ष्य यही है कि न सिर्फ समाज बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश में यह अपनी तरह का सबसे भव्य सामुदायिक भवन हो। हमें विश्वास है कि यह भवन देशभर से यहां तीर्थ-दर्शन का लाभ लेने आने वाले समाजजनों के लिये गर्व का विषय होगा।

शिखर पुरुषों के हाथों होगा शिलान्यास

कार्यक्रम संयोजक नवल माहेश्वरी ने बताया कि प्रस्तावित "श्री महेश भवन" का शिलान्यास आगामी 7 फरवरी, 2016 को एक गरिमामय कार्यक्रम के साथ होगा। कार्यक्रम में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति प्रख्यात समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा करेंगे। सम्माननीय अतिथि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू उपस्थित रहेंगे। सम्माननीय अतिथि के रूप में राजस्थान प्रदेश की पीएचई मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी, शिक्षा मंत्री म.प्र. शासन पारस जैन, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, पूर्व उपसभापति बनवारीलाल जाजू, राष्ट्रीय अर्थमंत्री रमेश बंग, संयुक्त मंत्री कमलकिशोर चांडक, म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष रंगनाथ न्याती, माहेश्वरी बोर्ड चेयरमेन रामावतार जाजू, पूर्व महामंत्री श्याम सोनी, महासभा के उपाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा, पूर्व सभापति रामनिवास राठी आदि उपस्थित रहेंगे।

मेजर तापड़िया को मिला 'सेना मेडल'

अपनी जान पर खेलकर किया आतंकवादियों को ढेर

नागपुर। इतिहास में अपनी वीरता के लिये जाने वाले माहेश्वरी समाज के सीने पर फिर वीरता के लिये मेडल लगा है। समाज को यह सम्मान दिलवाने वाले हैं, मेजर आकाश तापड़िया जो गणतंत्र दिवस पर सेना मेडल से सम्मानित हुए हैं। देश की रक्षा के लिए अपने अदम्य साहस का परिचय देने वाले मेजर आकश तापड़िया को बहादुरी के लिए सेना मेडल दिये जाने की घोषणा की गई है। मेजर आकाश के आरेंज सिटी के होने से देश के साथ-साथ पूरे शहर को उन पर गर्व है। उन्होंने देश में घुसने की फिराक में 4 आंतकियों में से 2 को अपनी जान पर खेलकर जगह पर ही ढेर किया था। राजपूत रेजिमेंट के मेजर आकाश पिछले दिनों सीमा पर तैनात थे। उन्होंने सुबह 4 बजे आतंकवादियों के सीमा पार करने की सूचना मिली। उन्होंने अपने सिपाहियों के साथ मिलकर पूरी सतर्कता से आतंकवादियों से आर-पार की लड़ाई की तैयारी की। शाम 4 बजे के बाद उनके यूनिट के सीईओ ने जैसे ही आतंकवादियों की लोकेशन की सूचना दी, वैसे ही उन्होंने अपना मोर्चा संभाल किया। एलओसी पर शाम 4 से 6 बजे तक दोनों तरफ से फायरिंग होती रही।

पूरी मुस्तैदी से मुकाबला करते हुए मेजर के बायें घुटने पर गोली लगकर आर-पार हो गई। आतकंवादियों ने अंधेरे में हैंड ग्रेनेड से हमला भी किया। पहले ही गोली से घायल मेजर के दाहिने हाथ में ग्रेनेड का सप्रिटर लग गया। वहीं उनके साथ का एक जवान भी कंधे में गोली लगने से घायल हो गया था। हमले में जवानों के मारे जाने की बात समझकर आतंकियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन उसी समय मेजर आकाश ने 4 में से 2 आतंकवादियों को मार गिराया। मेजर आरेंज सिटी के रामदासपेठ निवासी नागपुर नगर माहेश्वरी सभा के पूर्व अध्यक्ष अशोक तापड़िया व बीकानेरी पंचायत महिला समिति नागपुर की पूर्व अध्यक्ष शीला तापड़िया के सुपुत्र हैं।

नारी शक्ति का प्रतिभा सम्मान

जोधपुर। जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं का शैक्षणिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 2013 अक्टूबर से 2015 अक्टूबर तक सभी उच्चतर उपाधि प्राप्त प्रतिभावान महिलाओं व युवतियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष उमा बिड़ला ने बताया कि इसमें सीए , सीएस , आईसीडब्लूए, एमबीए, बी.फार्मा, बी. टेक, बीडीएस, एलएलबी, एमसीए, पीएच.डी, बीएएमएस सहित करीब 92 डिग्रीधारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अतिथि डॉ.मंजू लोहिया, नेहा बजाज, श्याम तापड़िया व समाजसेवी रामलाल वैद्य थे। अध्यक्षता समाज मंत्री दामोदर बंग ने की। मंत्री दामोदर बंग और राजस्थान की प्रथम माहेश्वरी महिला आरएएस मूमल बूब को शील्ड और मोमेंटो से सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजिका ज्योति बिड़ला ने कार्यक्रम का संचालन किया। कोषाध्यक्ष आशा फोफलिया, सचिव छाया राठी, अनिता कालाणी, शिवकन्या धूत, प्रभा वैद्य प्रेरणा मंत्री, कौशल्या धूत, राजू सोमाणी , श्रीकांता बूब, लीला राठी, स्नेहलता बूब, स्वाति जैसलमेरिया, अलका जोहरी, डॉ.फूलकौर मूंदड़ा सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

विशिष्ट वर्ग परिचय सम्मेलन का हुआ आयोजन

औरंगाबाद। सकल मारवाड़ी युवा मंच की ओर से विशिष्ट वर्ग परिचय सम्मेलन का आयोजन हुआ। उद्घाटन समाजसेवा केन्द्र के संयोजक स्वरूपचंद बरंठ के हाथों किया गया। प्रमुख अतिथि के रूप में राधाकृष्ण सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राधावल्लभ धूत, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष सुनील खाबिया, सकल मारवाड़ी समाज के कार्याध्यक्ष महावीर पाटनी, सुनंदा लाहोटी, युवा मंच के अध्यक्ष संजय मंत्री, कार्याध्यक्ष अनिल बाहेती, सचिव अमित काला, कार्याध्यक्ष नरेश मोर, आशीष कासलीवाल, विक्की खंडेलवाल, अनिल बाहेती, संतोष तिवारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विजय दरख, सीए उमेश शर्मा, महेश सोकिया, नीलेश पहाड़े, गोविन्द शर्मा, रवि भट्टड़, धर्मेन्द्र जांगीड़, आशीष अग्रवाल, आशीष भारूका, अमित भोमा, मयूर बंब आदि ने योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन सीए नंदकिशोर मालपानी ने किया।

"'इंसान' एक दुकान है
और 'जुबान'
उसका ताला...
ताला खुलता है,
तभी मालूम होता है
कि दुकान सोने की है
या कोयले की।"

आईसीएसआई प्रेसीडेंट बनी ममता बिन्नानी

नईदिल्ली। सीएस व फेलो मेम्बर ममता बिन्नानी दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेकेट्रीज ऑफ इंडिया की वर्ष 2016 के लिये प्रेसीडेंट चुनी गई। सुश्री बिन्नानी अपने क्षेत्र की विशेषज्ञ हैं और गत 19 वर्षों से कम्पनी सेक्रेटरी के रूप में प्रेक्टिस कर रही हैं। सुश्री बिन्नानी को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिये वर्ष 2010 में "भारत निर्माण अवार्ड" तथा "तेजस्विनी अवार्ड" से भी सम्मानित किया जा चुका है।

महिला संगठन का नववर्ष उत्सव मना

राजस्थानी महिला संगठन, इसामिया बाजार द्वारा नववर्ष उत्सव का आयोजन जगन्नाथ राजेंद्र मालाणी के निवास पर किया गया। अध्यक्ष सुमित्रा राठी एवं मंत्री सुधा लाहोटी ने बताया कि नववर्ष उत्सव के दौरान महिलाओं ने भजन व तम्बोला का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम का संचालन संगीता मालाणी ने किया। उत्सव के दौरान अध्यक्ष सुमित्रा राठी, कोषाध्यक्ष सुनीता राठी, सह कोषाध्यक्ष इंद्र भराड़िया, शोभा लोहाटी, सरला धूत, संगीता मालाणी, उमा तोतला, लक्ष्मी मालाणी, लीला भांगड़िया, भाग्यश्री भट्टड़, सुनीता तापड़िया, संगीता बियाणी, संगीता कलंत्री, हेमा राठी, शीतल बाहेती, रेखा काबरा, यशोदा करवा, प्रेम लोया, रेखा बंग, उर्मिला छापरवाल, अन्नपूर्णा सारड़ा, संगीता काबरा, अनिता राठी, सुशीला सारड़ा, मंजू सारड़ा, लता सारड़ा आदि ने हिस्सा लिया।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

उदयपुर। हेमंत बाला मानसिंह कोठारी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गत 20 दिसम्बर को माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें समाज के 51 युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जानकीलाल मूंदड़ा एवं जिला अध्यक्ष मोहनलाल मूंदड़ा ने उपस्थित रहकर रक्तदान करने वालों को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी ने आभार व्यक्त किया।

जाजू का किया अभिनंदन

अमरावती। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू का पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन की ओर से स्वागत अध्यक्ष अशोक कुमार सोनी एवं संगठन मंत्री बंकटलाल राठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जिला संगठन के कार्यों की प्रशंसा की तथा संगठन को यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

नारायण मंडल की हुई स्थापना

भंडारा। स्थानीय समाज की महिलाओं द्वारा "नारायण मंडल" की स्थापना की गई है। इसमें हर 15 दिन में सदस्याऐं एकत्रित होकर "सकारात्मकता" के लिये राम-राम की माला फेर कर शहर के लोगों में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का कार्य कर रही हैं। इसी के द्वारा नारायण रेकी की संस्थापना मुंबई की राजेश्वरी मोदी के सानिध्य में हुई। जे.एम. पटेल कॉलेज में "पाजिटीव एनर्जी" टॉक-शो का भव्य आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य ढोमने एवं समाज के रामविलास सारड़ा के सहयोग से कार्यक्रम को भारी प्रतिसाद मिला। इसके बाद "दीवाली मिलन" आयोजित किया गया। दिसंबर माह में भव्य आनंद मेले का आयोजन कर मंडल के लिये फंड जमा किया गया। इसके पश्चात् स्थानीय राम मंदिर में राम-जानकी विवाहोत्सव में झाँकी सजाकर भजन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रधान मंत्री के स्वच्छता अभियान से उत्साहित होकर प्रतिमादेवी काबरा के नेतृत्व में समाज तथा दूसरे समाज की महिलाओं ने मिलकर "ग्रीन माइन्ड" ग्रुप की स्थापना की, जो शहर में साफ-सफाई का कार्य संभाल रहा है।

बंग बने समाज प्रमुख

जोधपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा कार्यसमिति के वरिष्ठ सदस्य दामोदरलाल बंग को जोधपुर माहेश्वरी समाज का पुनः प्रमुख चुना गया है। उक्त जानकरी देते हुए पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री जुगलकिशोर सोमाणी ने बताया कि अभी हालही में देश का सर्वोत्तम माहेश्वरी जनपयोगी भवन बनवा कर श्री बंग ने कीर्तिमान स्थापित किया है ।

श्री माहेश्वरी टाईम्स व माहेश्वरी समाज करेगा निःशुल्क सेवा

सिंहस्थ महाकुम्भ में आने वाले समाजजनों को कोई असुविधा न हो इसके लिये समाज संगठन ने तैयारी की है? श्री माहेश्वरी टाईम्स भी इसमें एक मित्र की भूमिका निभाऐगी। म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा अध्यक्ष महेश तोतला व जिलाध्यक्ष ओ.पी. तोतला ने बताया कि मेला क्षेत्र के भूखी माता जोन में प्रदेश संगठन व जिला सभा को सेवा गतिविधियों व जिला सभा को सेवा गतिविधियों के लिये प्लाट क्र.202/ 1 आवंटित किया गया है। यहाँ संगठन के कार्यकर्ता 24 घंटे मौजूद रहेंगे और बाहर से आने वाले श्रृद्धालुओं को निःशुल्क आवास, भोजन व चाय-नाश्ता की सेवा प्रदान की जाऐगी। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मून्दड़ा ने बताया कि पंचायत को सेवा गतिविधियों के लिये भूखी माता जोन में ही प्लाट क्र. 202/2 आवंटित किया गया है साथ ही श्री माहेश्वरी भवन गोलामण्डी आदि स्थानों पर निःशुल्क आवास व भोजन की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के सम्पादक पुष्कर बाहेती ने बताया कि 'श्री माहेश्वरी टाईम्स भूखी माता जोन' में प्लाट क्र. 224/3 पर एक अत्याधुनिक सूचना केन्द्र स्थापित करेगी। इस सूचना केन्द्र के माध्यम से समाजजनों को मेला क्षेत्र, आवागमन सहित उनकी हर समस्या के लिये एक मित्र की तरह मार्गदर्शन दिया जाऐगा। इसकी सम्पूर्ण जानकारी आगामी अंक में दी जायेगी।

कैसे करें घरेलु उपचार से स्कीन केयर

भीलवाड़ा। नगर माहेश्वरी महिला मंडल की बैठक में ब्यूटीशियन खुश्बू भटनागर ने "स्कीन केयर" के घरेलु प्राथमिक टिप्स बतायें। उनके इन प्राथमिक घरेलु उपचार को सदस्याओं ने बहुत पसन्द किया । अध्यक्ष लीला राठी व सचिव भारती बाहेती ने श्रीमती भटनागर का उपरना पहना कर स्वागत किया। वीणा मोदी, सीमा कोगटा, रीना डाड, सोनल, शशी अजमेरा, संध्या आगीवाल, विनिता तोषनीवाल, अंजू सोमानी, अन्नु मोदी तथा सभी क्षेत्रीय सभाओं के अध्यक्ष व सचिव मौजूद थे।

स्कीन चेकअप शिविर का हुआ आयोजन

परभणी। गत दिसम्बर को मैत्री ग्रुप की ओर से "स्कीन चेक अप" केम्प डॉ. मोरे हॉस्पिटल में आयोजित हुआ। इसमें डॉ. गीतांजलि मोरे ने 70 महिलाओं की त्वचा की जाँच कर मार्गदर्शन दिया। जिला परभणी सभा अध्यक्ष ब्रिजगोपाल तोष्णीवाल के करकमलों से शिविर का उद्घाटन हुआ। अध्यक्ष सरोज गट्टाणी, शकुन बजाज, पूजा धूत, पायल दरक, नीता देशमुख, रीना ओझा, डॉली सोमाणी, पूजा कलमकर आदि का योगदान रहा।

"भूख से बड़ा मजहब
और रोटी से बड़ा
कोई ईश्वर हो
तो बता देना
मुझे भी धर्म बदलना है।"

नववर्ष के कलेण्डर का हुआ विमोचन

भीलवाड़ा। श्री महेश बचत एवं साख समिति के अध्यक्ष दिनेश काबरा ने बताया कि समिति द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन एवं वर्ष 2016 कलेण्डर का विमोचन कार्यक्रम रामेश्वर हरणी महादेव रोड भीलवाड़ा में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा महामंत्री अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा थे। अध्यक्षता लादूराम बांगड चेयरमेन कंचन ग्रुप, विशेष अतिथि विष्णु गोपाल सोमाणी संगठन मंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन-पुष्कर, सत्यनारायण डाड-उपाध्यक्ष अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन-पुष्कर, गोपाल राठी चेयरमेन संदीप हुण्डई, मदन अगाल पूर्व अध्यक्ष नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा, ओमप्रकाश काल्या पूर्व अध्यक्ष न.मा. सभा भीलवाड़ा, लक्ष्मीनारायण हेड़ा चेयरमेन सरला स्पीनर्स आदि द्वारा सन 2016 के कलेण्डर का विमोचन किया गया। समिति संयोजक शांतिलाल डाड ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रातः 9 बजे से विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें चेयररेस, कपल के लिए ब्रेड बटर चेयर रेस, बालकों व महिलाओं के लिए गुब्बारा फोड़ व हवाई यात्रा गेम, प्रपोज गेम, टेजर हंट हाऊजी आदि शामिल थे। समिति के मंत्री मुकेश काबरा ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हरीश पोरवाल, जगदीश ईनाणी, रामनिवास लड्ढा, चंद्रकांत बाहेती, आनंद बाहेती, राकेश सोमानी, भैरूलाल कचौलिया, धीरज काबरा, मनोज दरक, सुशील तोषनीवाल, रामेश्वर सोमानी, सुनील बांगड आदि का विशेष सहयोग रहा। प्राप्त जानकारी अनुसार इस आयोजन में कुछ गुटबंदी भी दिखाई दी। जिसके चलते गहमागहमी की स्थिति भी निर्मित हो गई थी। इसमें नगर सभा के पूर्व पदाधिकारियों को महत्व देते हुए वर्तमान की उपेक्षा के आरोप लगाये गये हैं।

नगर मंत्री की उपेक्षा की गई

भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज की कई संस्थाएँ गुटबाजी में रहकर धड़ों में बँटी हुई है। इसी क्रम में 'श्री महेश बचत एवं साख समिति' भी गुटबाजी से दूर नहीं है। इसका ताजा उदाहरण समिति के कार्यक्रम में देखने को मिला कि कार्ड में छपे अतिथियों के अलावा स्थानीय पूर्व पदाधिकारियों को मंच पर स्थान दिया गया जबकि नगर माहेश्वरी सभा के मंत्री को नजरअंदाज किया गया एवं जिस परिसर (रामेश्वरम्) में यह कार्यक्रम हुआ उसके लिए धन्यवाद तक भी नहीं दिया गया। इसके लिए समिति अध्यक्ष दिनेश काबरा से बात करने पर कहा कि वे हमारे परमानेंट डॉनर हैं साथ ही जो सहयोग करते हैं उनको मंच पर बैठाते हैं।

फॅन इन जंगल का आयोजन

होशंगाबाद। विगत दिनों होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सिगानामा में "फॅन इन जंगल" कार्यक्रम का आयोजन कर सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक चांडक, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य विवेक जावंधिया, जिला अध्यक्ष जगमोहन बाहेती, सचिव मनीष मोकाती, कार्यक्रम संयोजक राजन गोदानी, प्रदेश सांस्कृतिक मंत्री नंदकुमार चांडक सहित जिलेभर के युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। सामाजिक गतिविधियों पर उपस्थित पदाधिकारियों सहित युवाओं ने अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर सभी ने खो-खो, कबड्डी, फुटबाल, हाऊजी और अन्य मनोरंजक खेल खेलकर इस मौके का लुत्फ उठाया। भोजन उपरांत सभी लोग सतधारा होते हुए अपने-अपने गंतव्य स्थल की ओर रवाना हुए।

रामभक्त अमर बलिदानी कोठारी बन्धुओं को 'माहेश्वरी रत्न'

जागतिक माहेश्वरी महासभा (जेएमएम) द्वारा दिया जानेवाला माहेश्वरी समाज का सर्वोच्च पुरस्कार 'माहेश्वरी रत्न' वर्ष सन 2015 के लिये अयोध्या राम मंदिर आंदोलन के प्रथम शहीद, अमर बलिदानी राम कोठारी एवं शरद कोठारी बंधुओं को संयुक्त रूप से दिया जाएगा। कोठारी बंधु 'माहेश्वरी रत्न' पुरस्कार पाने वाले चौथे और पांचवे व्यक्ति हैं, उन्हें यह पुरस्कार मरणोपरांत मिला है। इससे पूर्व सन 2013 में यह पुरस्कार तिलक युग के भामाशाह सेठ स्व. श्री दामोदर राठी (मरणोपरांत) और न्यायमूर्ति रमेशचन्द्र लाहोटी (भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश) को और वर्ष 2014 में बिड़ला उद्योग के संस्थापक, स्वतंत्रता सेनानी स्व. श्री घनश्यामदास बिड़ला को मरणोपरांत दिया गया है।

श्रीमती बिरला का छात्रावास में आत्मीय अभिनंदन

इंदौर। एबी माहेश्वरी एज्युकेशन ट्रस्ट इंदौर द्वारा निर्मित हो रहे श्रीमती सीतादेवी जयनारायण जाजू माहेश्वरी छात्रावास में पद्मभूण राजश्री बिरला का स्वागत एवं छात्रावास अवलोकन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती बिरला के साथ रिजर्व बैंक के डिप्टी चेयरमेन सुभाष मूंदड़ा, रामरत्ना समूह आर.आर. केबल्स के रामेश्वरलाल काबरा, अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, पूर्व महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती, उपाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा, संयुक्त मंत्री वेद्यराज रमेशचंद्र माहेश्वरी, छात्रावास संयोजक रामनिवास मानधनी, श्याम काबरा मुंबई, मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश बाहेती सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट के चेयरमेन रामअवतार जाजू, ट्रस्टी प्रेमप्रकाश जाजू, कोषाध्यक्ष गोपाल न्याती, संयोजक रामेश्वरलाल असावा, निर्माण संयोजक किशन मूंदड़ा एवं कृष्णकुमार बिड़ला ने किया। रामअवतार जाजू ने स्वागत उद्‌बोधन दिया। छात्रावास की परिकल्पना एवं प्रगति की जानकारी सचिव भरत सारड़ा ने दी। निर्माण संयोजकों ने श्रीमती बिरला के सम्मुख निर्माणाधीन सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की एवं श्रीमती राजश्री के सुझावों पर अमल करने का आश्वासन दिया। श्रीमती बिरला ने छात्रावास प्रकल्प की भूरी-भूरी प्रशंसा की और कहा कि प्रतिभाओं को शैक्षणिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने में यह वरदान साबित होगा। इस अवसर पर रीद्धि-सिद्धि केटर्स समूह के विमल लालावत ने वार्डन निवास के लिये सहयोग प्रदान करने एवं गिरधर गोपाल बिहाणी ने ट्रस्टी बनने की स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर ट्रस्ट के अनेक ट्रस्टी एवं दानदाता जिनमें वी.डी. राठी, जगमोहन पलोड़, गिरधरलाल सारड़ा, मनोज बाहेती, आर.आर. बाल्दी, मुकेश कचोलिया, संजीव लड्ढा, गौरव बाहेती, अखिलेश राठी, लीलाधर माहेश्वरी, अशोक डागा, आनंद बांगड, नटवर तोषनीवाल आदि उपस्थित थे।

चश्मों का किया निःशुल्क वितरण

कलकत्ता। मानव सेवा संघ द्वारा गंगा सागर मेले में आये यात्रियों के लिए 14 जनवरी तक निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें 2500 से अधिक लोगों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया। इसमें 3 डॉक्टर व 3 सहायकों ने पूरे समय सेवा दी। शिविर का उद्‌घाटन संघ के अध्यक्ष जगदीशचन्द्र एन. मूँदड़ा ने किया। मुख्य अतिथि ख्यात समाजसेवी व उद्योगपति सुशील पारख थे। इनके सौजन्य से ही चश्मों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर संघ के महामंत्री कृष्णकुमार सर्राफ, हरिकिशन अग्रवाल, सागरमल अग्रवाल, अमित मूँदड़ा आदि उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

इन्दौर। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला अधिवेशन के अवसर पर गत 9 जनवरी 2016 को श्री महिला चेरिटेबल ट्रस्ट एवं इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ सोसायटी के डिप्टी चेयरमेन एवं महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी वाईस चेयरमेन रामअवतार जाजू एवं पश्चिमी म.प्र. प्रभारी भरत सारड़ा ने किया। अतिथि स्वागत महिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला काबरा, अधिवेशन की निदेशक गीता मूंदड़ा, सहसंयोजक सुमन सारड़ा एवं महिला ट्रस्ट की सचिव श्रीमती मालपानी ने किया। रक्तदान के लिये मेडीकेयर हास्पिटल की टीम ने सी.ई.ओ. श्यामसुन्दर मुंदड़ा के मार्गदर्शन में कार्य किया। इस अवसर पर अनेक महिलाओं व युवक-युवतियों ने रक्तदान किया।

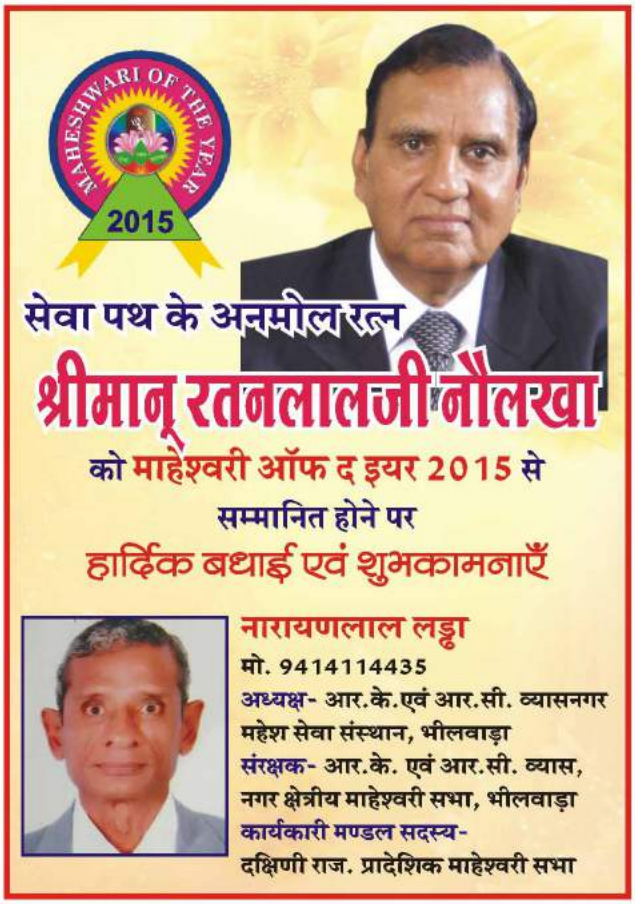

इन्दौर युवा संगठन को आईएसओ प्रमाण-पत्र

इन्दौर। माहेश्वरी समाज में इन्दौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन पहला आईएसओ प्रमाण-पत्र प्राप्त संगठन बन गया है। अखिल भारतवर्षीय युवा संगठन के अध्यक्ष कमल भूतड़ा एवं राष्ट्रीय महामंत्री राजकुमार काल्या आदि द्वारा होटल ग्राण्ड ओमिनी रेसीडेंसी, इन्दौर में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में प्रमाण-पत्र का लोकार्पण किया गया। इस दौरान अ.भा. पश्चिमांचल एवं इन्दौर जिला के कई वरिष्ठ और युवा साथी मौजूद थे। अतिथियों ने इस उपलब्धि पर इन्दौर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष रुपेश भूतड़ा का अभिवादन भी किया।

परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ में बढ़े महिलाओं की भागीदारी

जोधपुर। अखिल भारतवर्षीय परिवार परिवेदना समिति एवं इसके संचालक सदस्यों की बैठक जोधपुर माहेश्वरी समाज के परिसर में महासभा के संगठन मंत्री सन्दीप काबरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संयोजक हरिप्रकाश राठी ने परिवार परिवेदना समिति के इतिहास तथा देशभर में खुले 100 से अधिक प्रकोष्ठों के क्रियाकलापों का ब्यौरा देते हुए समिति के एक विशेष कार्यक्रम 'नवभोर' की ओर भी ध्यान दिलाया। बैठक में श्री काबरा ने समिति के क्रियाकलापों पर सन्तोष व्यक्त करते हुए धारा 498-ए के तहत दायर होने वाले झूठे मुकदमों पर भी चिन्ता जताई। उन्होंने कहा कि पंच परमेश्वर की भावना से परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ में कार्य किया जाये, समुचित काउंसलिंग की जाय तो अनेक समस्याओं का समाधान सम्भव है। इस पुनीत कार्य में उन्होंने महिलाओं की सहभागिता पर विशेष बल दिया। विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश लाहोटी ने कहा कि हम आशा बलवती करें, तो समाज अवश्य बदलेगा। धन्यवाद प्रस्ताव ओमप्रकाश फोफलिया ने दिया। बैठक में आशा फोफलिया, मधु समदानी, उमा बिड़ला, रामेश्वरी भूतड़ा, डॉ. नीलम मूँदड़ा, स्वाति जैसलमेरिया, नन्दकिशोर चाण्डक, भगवती नारायण राठी, शशिकुमार बिड़ला सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित थे।

|| जय महेश ||

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति द्वारा संचलित

वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और घर बैठे देखें 2500 रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E., MBA, C.A., Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.700 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.

• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

प्रादेशिक कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)

फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

* फर्जी वेबसाईटों से सावधान *

'फ्री रजिस्ट्रेशन, समाज हित में' इन बातोंद्वारा कुछ वेबसाईट अभिभावकों से पैसे ऐठ रहे है । किसी भी वेबसाईट का शुल्क भरने से पहले, उस में कितने-युवक युवतियों के बायो-डाटा उपलब्ध है इसकी तसल्ली करके ही शुल्क भरे ।

डायबिटीज की नि:शुल्क जांच व परामर्श

रतलाम। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन के तत्वावधान व अध्यक्ष चंदा-पूनम भंसाली के नेतृत्व में गत 3 जनवरी को अम्बे माता मंदिर परिसर शास्त्रीनगर में डायबिटीज शिविर का आयोजन किया गया। इसमें इंदौर के ख्यात डायबिटीज रोग विशेषज्ञ डॉ. करन साबू एवं सहयोगी चिकित्सकों द्वारा जांच कर मार्गदर्शन दिया गया। शिविर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मारुति शिक्षा अकादमी के संचालक अजय तिवारी की उपस्थिति, समाजसेवी पुष्पा पुजारी की अध्यक्षता तथा अशोक यादव के विशेष आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुलोचना लड्ढा ने किया। चंदा भंसाली ने आभार व्यक्त किया। 300 से अधिक रोगियों ने शिविर का लाभ लिया।

मकर संक्रांति का हुआ आयोजन

बरेली। माहेश्वरी महिला समिति बरेली द्वारा मारवाड़ीगंज स्थित मनोज साबू के निवास पर सुबह 10 बजे से मकर संक्रांति व मलमास के उपलक्ष में गरीबों को खिचड़ी का वितरण किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक यह कार्यक्रम अनवरत रूप से चलता रहा। इसमें सुशीला साबू, शशि साबू, प्रियंका साबू, कुमकुम काबरा, निधि काबरा, प्रभा मूना, मंजू बियानी, शांतिदेवी बियानी, रेखा झंवर आदि समस्त सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज साबू, सनत बियानी, अभिषेक काबरा, नितिन काबरा, प्रमोद मालपानी आदि का पूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन कुमकुम काबरा एवं मंजू बियाणी ने किया।

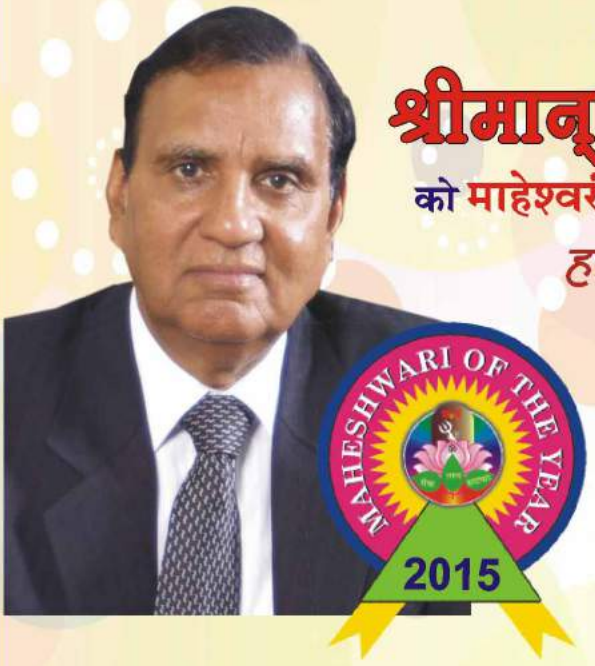

सेवा पथ के अनमोल रत्न

श्रीमान् रतनलाल जी नौलखा

को माहेश्वरी ऑफ द इयर 2015 से अलंकृत होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

जगदीश प्रसाद सोमानी
अध्यक्ष
9828233803

कृष्णगोपाल जाखेटिया
मंत्री
9729796822

कन्हैयालाल खटौड
रायपुर
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मो. 98284 74611

दीनदयाल मारु
शाहपुरा
उपाध्यक्ष
9461511511

रामराय सेठिया
बागोर
संगठनमंत्री
9414616746

विनयकुमार झंवर
मंडलगढ़
संयुक्त मंत्री
9414686446

जगदीशप्रसाद सोडानी
भीलवाड़ा
कार्यकारिणी सदस्य
94141 14711

भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा

समाज ने मनाया 34वाँ वार्षिकोत्सव

दुर्ग। माहेश्वरी समाज दुर्ग द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष 34वें वार्षिकोत्सव का आयोजन गत 20 से 27 दिसम्बर तक किया गया। प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि गणेशदास मूँदड़ा- भूतपूर्व महामंत्री, पूर्वांचल प्रादेशिक माहेश्वरी महासभा तथा विशिष्ट अतिथि राजेश शर्मा- नेता प्रतिपक्ष व पार्षद नगर पालिका निगम, दुर्ग ने किया। 27 दिसम्बर को समापन समारोह में स्नेह सम्मेलन व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्यामसुन्दर राठी- पूर्व अध्यक्ष विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा नागपुर तथा विशिष्ट अतिथि शिवरतन गाँधी- जिलाध्यक्ष नागपुर माहेश्वरी सभा थे। स्वागत भाषण अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी द्वारा गया। सचिवीय प्रतिवेदन माहेश्वरी महिला मण्डल की सरला भूतड़ा तथा श्री माहेश्वरी पंचायत, दुर्ग के सचिव राजकुमार केला द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन में 20 से 27 दिसम्बर, 2015 के बीच समाज के सभी संगठनों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिसमें खेलकूद, प्रान्तीय वेशभूषा एवं प्रान्तीय भोजन की थाली की प्रस्तुति, वाह-वाह क्या बात है, चक्रव्यूह, हाऊजी, गंधारी मेकअप, मंच संचालन, बाल नाटिका, हमजोली आदि प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। प्रतिभा सम्मान में उन छात्रों का सम्मान किया गया, जिन्होंने 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक तथा महाविद्यालयीन परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये। विशिष्ट योग्यता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। बुजुर्गों के सम्मान कार्यक्रम में समाज के तीन बुजुर्गों का सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम 'रिश्ता वही सोच नई' का मंचन भी किया गया। प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय विजेताओं का अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। आभार प्रदर्शन अशोक राठी ने किया। कार्यक्रम में सहसंयोजक मुकेश राठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी आभा राठी, उषा राठी तथा उनकी पूरी टीम का महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन संयोजक राजकुमार गाँधी द्वारा किया गया।

औद्योगिक मेले और फन फेयर का हुआ आयोजन

नड़ीयाद। माहेश्वरी स्टार फ्रेंडस ग्रुप द्वारा इप्को वाला ग्राउण्ड नड़ीयाद में औद्योगिक मेला लगाया गया। इसमें साड़ी, कुर्ती, डिजाइनर ज्वेलरी सहित करीब 50 स्टॉल लगाई गई। मनोरंजन के लिए गेम जोन एवं फूड काउंटर लगाए गये। माहेश्वरी युवा संगठन एवं समिति के कारोबारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को आमंत्रित किया गया। संचालन सोनल तोषनीवाल, पलक ईनानी, कृष्णा हेड़ा, मोनिका नवाल, कोमल हेड़ा, खुशबू हेड़ा, किरण मंडोवरा, ज्योति जागेटिया, सीमा जागेटिया एवं मोनिका हेड़ा ने किया।

राठी पुनः बने क्लॉथ मर्चेंट्स अध्यक्ष

जालना। माहेश्वरी विवाह समिति (महाराष्ट्र) के प्रदेश अध्यक्ष पद पर कार्यरत कान्तिलाल राठी जालना क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दूसरी बार चुने गये। पूर्व में अध्यक्ष रहते हुए आपने एसोसिएशन के भव्य विश्राम गृह का निर्माण किया था और कपड़े की दुकानों में काम कर रहे 1200 कर्मचारियों की अनेक समस्याएँ भी सुलझाई थीं।

चाण्डक को आउट स्टैण्डिंग अवार्ड

अकोला। जेसीआई इण्डिया का वार्षिक अधिवेशन गत दिनों सूरत में सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में अकोला के सनदी लेखाकार मनोज चाण्डक को सबसे महत्त्वपूर्ण आऊट स्टैण्डिंग परफॉरमेंस अवार्ड प्रदान किया गया। विगत वर्ष राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के तौर पर उन्होंने जिद, लगन व पारदर्शक कार्य कर अपनी छवि का निर्माण किया था।

महिला समिति ने किया गीता जयन्ती का आयोजन

पुरुलिया (प.बं.)। स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत विभिन्न पर्वों का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष नीरा मल्ल व सचिव रेणु मूँधड़ा ने बताया कि इसी शृंखला में गत 21 दिसम्बर को प्रतिवर्षानुसार गीता जयन्ती के अवसर पर हरिगीता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी सदस्याओं का पूर्ण सहयोग रहा।

"कुछ अलग करना हो
तो भीड़ से हट के चलिए
भीड़ साहस तो देती है,
मगर
पहचान छीन लेती है।"

संक्रान्ति पर्व पर संस्कार धारा की सांस्कृतिक प्रस्तुति

हैदराबाद। संस्कार धारा द्वारा संक्रान्ति पर्व के उपलक्ष में सांस्कृतिक प्रस्तुति गत 2 जनवरी को आईएमआई हॉल (कोठी) में दी गई। संस्थापिका कलावती जाजू ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ''कामकाजी महिलाएं दोहरी भूमिका निभाकर परिवार व अपने कार्य में कैसे तालमेल बैठाती हैं'' इस विषय पर केंद्रित था। इसमें 10 सास-बहू की जोड़ियों ने भाग लिया। निर्णायक डॉ. अहिल्या मिश्रा, डॉ. अनुराधा जाजू, डॉ. सरोज जैन द्वारा जोडियों से सवाल पूछे गये। कार्यकम की मुख्य अतिथि गीता देवी, कमला जाजू व श्वेता जाजू थी। संस्थापिका कलावती जाजू ने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। श्याम नावंदर ने मंडल की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में 205 महिलाएं उपस्थित थीं। अतिथियों का स्वागत संचालिका सुरेखा सारड़ा, प्रेमलता काकाणी, मौसमी भूतड़ा, किरण बंग, स्नेहल धूत, स्नेहा बंग, किरण सोनी, इंद्रा दरक आदि ने किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमशः कलावती दरक, रजनी राठी व रेणु सारड़ा रहीं। घेवर सजाओं प्रतियोगिता में प्रथम कविता अट्टल, द्वितीय अर्चना तोषनीवाल व तृतीय मोनिका राठी रहीं। सभी भाग लेने वालों का भी सम्मान किया गया।

श्री चारभुजा नाथ की असीम अनुकम्पा से हमारी लाडली,

सुश्री श्वेता लढ़ा

(सुपौत्री- स्व. श्रीमती जानकी देवी- स्व. श्री रामप्रसाद जी लढ़ा) (सुपुत्री- श्रीमती कैलाश देवी- सत्यनारायण लढ़ा) के **CA** बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाऐं।

श्वेता लढ़ा

शुभेच्छु : शंकरलाल- शान्ता देवी (दादा-दादी), गोविन्द प्रसाद- जसवन्ता देवी, गोपाललाल- कैलाश देवी, रमेशचन्द्र- प्रेम देवी (ताऊ-ताई), सुनील CA- कविता, अनिल- अचला, सुशील-माया (भैया-भाभी), विशाल, शिवानी (भाई-बहन), अमन, राघव, आदित्य, जीविका, शिवम (भतीजा), कंचन देवी- स्व. रामकुमार जी सोमानी, शान्ता- स्व. शंकर लाल जी कोगटा, गीतादेवी- राधेश्याम सोडाणी, कान्तादेवी- शान्तिलाल पोरवाल, रामकन्या- रामपाल बिड़ला, विमला देवी- चन्द्रप्रकाश पलोड़, प्रेमदेवी- रामगोपाल तोषनीवाल (भूआ-फूफा), सुनीता- पंकज सोमानी, रूचिका- नवीन नकलक, एकता- गौरव मालू, सिम्पल- अरविन्द कोठारी, गरिमा- संदीप सोमानी, रंजना- अभिषेक सोमानी (दीदी-जियाजी), ऐनी, नैनी, स्पर्श (नंदू) (भानजा-भानजी) एवं समस्त लढ़ा परिवार (मोड़ का निम्बाहेड़ा वाले), भीलवाड़ा मो.नं. - 094143-13614, 096023-13612

नर्मदा देवी- स्व. रामचन्द्र जी (नानी- नाना), बंसतीलाल- मंजू देवी, दिनेश- पुष्पा मंत्री (मामा-मामी), जसोदा- स्व. भगवतीलाल जी ईनाणी, इन्द्रा- बद्रीलाल जैथलिया (मौसी-मौसा) एवं समस्त मंत्री परिवार, गंगापुर- 07507828901, 09819343020

गट्टानी दम्पत्ति सम्मानित

उदयपुर। राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाखा द्वारा पेंशनर दिवस पर आयोजित जिला अधिवेशन के शुभ अवसर पर वरिष्ठ सेवा निवृत्त दम्पत्ति मुरलीधर गट्टानी एवं शकुंतला माहेश्वरी (गट्टानी) को पेंशनर भूषण अलंकरण से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी पेंशनर समाज के प्रचारमंत्री भी हैं तथा पेंशनर समाज द्वारा संचालित फिजियोथैरेपी सेंटर में स्वैच्छिक सेवाएं देते हैं।

झंवर को मानव सेवा सम्मान

भीलवाड़ा। अखिल भारतीय स्वतंत्र लेखक मंच मॉडल टाउन द्वारा महाकवि कालिदास की जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित महाकवि कालिदास महोत्सव में भीलवाड़ा के वरिष्ठ समाजसेवी रामस्वरूप झंवर को राष्ट्र व समाजहित में की जा रही अतिविशिष्ट सेवाओं के लिए 'मानव सेवा सम्मान 2011' से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री झंवर अंग्रेजी शिक्षाविद्, संरक्षक शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा, उपाध्यक्ष साहित्यांचल शाखा, उपप्रधान आर्य समाज शास्त्रीनगर, वरिष्ठ नागरिक मंच शाखा भीलवाड़ा के शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी, सामयिकी संस्था उपाध्यक्ष सहित अनेक धार्मिक साहित्यिक एवं सामाजिक संस्थाओं को सेवा दे रहे हैं।

डॉ. समदानी लाईजनिंग अधिकारी बने

उदयपुर। एमपीयूएटी के आयोजन एवं पर्यवेक्षण निदेशालय में नियुक्त तकनीकी सलाहकार के.एल. समदानी को विश्वविद्यालय का लाइजन अधिकारी नियुक्त किया गया है। श्री समदानी नगर विकास न्यास के ट्रस्टी रह चुके हैं।

> "समय बहाकर ले जाता है,
> नाम और निशान
> कोई रह जाता है 'हम' में
> कोई अहम में।"

श्री सुष्माद माता का वार्षिक महोत्सव

नासिक। संस्था काबरा परिवार कुलमाता सेवा समिति द्वारा परम्परानुसार इस वर्ष भी आगामी बसन्त पंचमी पर कुलदेवी श्री सुषमाद माता का वार्षिक महोत्सव आयोजित किया जायेगा। प्राप्त जानकारी अनुसार इसके अन्तर्गत 11 फरवरी शाम 4 बजे से दुर्गा सप्तशती पाठ व उसके पश्चात् माता की चौकी एवं भजन संध्या का आयोजन होगा। अगले दिन 12 फरवरी को बसन्त पंचमी पर प्रातः 8 से दोपहर 4 बजे तक हवन एवं महाप्रसादी का आयोजन होगा। हवन यजमान हेतु 3 हजार 501 रुपये तथा महाप्रसादी के लिए इच्छानुसार आर्थिक सहयोग दिया जा सकता है। उक्त जानकारी देते हुए माणकचंद काबरा मुम्बई, शरदचन्द्र काबरा- एरंडोल (महा.), पुरुषोत्तम काबरा- मालेगाँव (महा.), श्रीकान्त काबरा- येवला (महा.), प्रदीप काबरा- टेंभुर्णी (महा.) व कृष्णकान्त काबरा ने समस्त काबरा परिवारों से इस कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की। यात्रा के दौरान सम्पर्क कर आवास सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं।

"रिश्ता उस किताब की तरह होता है
जिसे लिखने में
सालों लग जाते हैं,
लेकिन इस किताब के
खत्म होने में
पलभर ही लगता है।"

बीकानेर जिला सभा की बैठक सम्पन्न

बीकानेर(राज.)। स्थानीय गोपीनाथ भवन में जिला माहेश्वरी महासभा की कार्यकारिणी की चतुर्थ बैठक रखी गई। महामंत्री नारायण दास दम्माणी ने विभिन्न स्थानो से आए माहेश्वरी बन्धुओं व पदाधिकारियों का स्वागत किया। जिला माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष रामेश्वरलाल भूतड़ा ने सभी अतिथियों का परिचय करवाया। महामंत्री नारायण दास दम्माणी ने संगठन के योगदानों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्रीगंगानगर निवासी पदम् श्री से सम्मानित श्यामसुन्दर माहेश्वरी का जिला माहेश्वरी सभा की ओर से पूर्व अध्यक्ष किशन दम्माणी व द्वारिका प्रसाद राठी द्वारा शॉल व श्रीफल से सम्मान किया गया। पूर्व जिला अध्यक्ष माहेश्वरी युवा संगठन बाबूलाल मोहता ने भी अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर पूर्व जिला सभा अध्यक्ष मोहनलालचांडक पूर्व शहर सभा अध्यक्ष किशन दम्माणी, जिला युवा संगठन अध्यक्ष- जुगलराठी, सुन्दर कुमार झंवर (नोखा), संजय करनाणी (श्रीडुंगरगढ), बजरंग सारड़ा, डी.पी. पचिसिया, बृज मोहन चांड़क, पवन राठी (मंत्री जिला माहेश्वरी युवा संगठन) आदि कई गणमान्य समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पवन राठी (मंत्री जिला माहेश्वरी युवा संगठन) द्वारा किया गया।

स्वयं सिद्धा महिला मण्डल विजयी

अमरावती। स्थानीय बड़नेरा रोड स्थित महेश भवन में गत 10 जनवरी को जिला स्तरीय माहेश्वरी नाट्य स्पर्धा सम्पन्न हुई। इसमें स्वयंसिद्धा माहेश्वरी महिला मण्डल रवि नगर द्वारा प्रस्तुत 'जल है तो कल है' नृत्य नाटिका को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। नाटक की पूरी संकल्पना अध्यक्ष संगीता राठी द्वारा लिखी गई। नाटक का सम्पूर्ण दिग्दर्शन करन शर्मा द्वारा किया गया।

करवा चौथ सरगी का हुआ सामूहिक आयोजन

कोलकाता। विधान नगर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा करवा चौथ सरगी का आयोजन किया गया। रेनू कासट ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। माला माहेश्वरी, कान्ता माहेश्वरी, संगीता माहेश्वरी, उषा पेड़ीवाल, अनुराधा मोहता, शिल्पा मोहता, कुमुद धनानी, प्रतिभा बियानी, संध्या अजमेरा व कविता मोहता ने "प्यार के विभिन्न रूप" को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया। लगभग 400 लोगों ने कार्यक्रम का आनन्द उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्याओं का भरपूर योगदान रहा।

महासभा दिल्ली में आयोजित करेगी अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला

कोलकाता। अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा दिल्ली में "राष्ट्र निर्माण में हमारा योगदान एवं भावी योजनाऐं" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। सभापति जोधराज लड्ढा तथा महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश-विदेश से तीन हजार ख्यातिनाम समाजजनों के भाग लेने की उम्मीद है, इनमें स्वतंत्रता सेनानी, भामाशाह, समाजसेवी, उद्योगपति, वित्तीय व प्रबंधक क्षेत्र के प्रमुख, प्रोफेशनल, शिक्षा, चिकित्सा, कृषि एवं सहकारी क्षेत्र के अग्रणी, गौसेवक, विकलांग, मूक-बधिर, पशु-पक्षी एवं निराश्रित लोगों के सेवक, साहित्यकार, लेखक, गायक, कलाकार, खेल-प्रेमी, पर्यावरणविद्, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा अलंकृत बंधु, न्यायाधीश, राजनेतागण, लोकसेवक, अधिकारीगण, महिला सशक्तिकरण के लिये समर्पित महिलाएं व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान की धनी प्रतिभाशाली युवाशक्ति आदि को आमंत्रित किया जाएगा।

वरिष्ठों ने की सोमनाथ-द्वारिका यात्रा

संगमनेर। महेश ज्येष्ठ नागरिक संघ द्वारा धार्मिक यात्रा का आयोजन किया जाता है। इसी के एक कडी के रूप में हाल ही में संगमनेर के 70 वरिष्ठ नागरिकों की द्वारिका-सोमनाथ ट्रिप संपन्न हुई। जिसमें 80 वर्ष उम्र के डी. बी. राठी (अध्यक्ष, इतिहास संशोधन मंडल) ने ट्रिप के सभी फोटोग्राफ खीचें। इस वर्ष सुभाष चांडक की अध्यक्षता में यह 6 दिन की यात्रा सम्पन्न हुई। इसमें संगमनेर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश कलंत्री, महेश फाऊंडेशन के अध्यक्ष तथा साप्ताहिक महेश वार्ता के संपादक अजय जाजू तथा युवा उद्योजक आशीष (रामू) जाजू आदि स्वयंसेवक के रूप में सम्मिलित हुऐ थे। माहेश्वरी पंच ट्रस्ट के सरपंच मदनलाल करवा, कार्याध्यक्ष निलेश जाजू, राणीप्रसाद मूंदडा, राजस्थान युवक मंडल के मनीष मणियार आदि समाजजनों की उपस्थिति में कार्याध्यक्ष निलेश जाजू ने सभी यात्रियो को गुलाब फूल भेंटकर विदा किया।

"कोई इतना अमीर नहीं होता कि वो अपना गुजरा हुआ कल खरीद सके
और कोई इतना गरीब नहीं होता कि वो अपना आने वाला कल न बदल सके।"

अ.भा. माहेश्वरी महासभा ने किया टावणी का सम्मान

मदनगंज-किशनगढ़। अ.भा माहेश्वरी महासभा की 27 वें सत्र की पंचम् कार्य समिति की बैठक गत 26 दिसम्बर को पत्रिका "अध्यात्म अमृत" के प्रधान संपादक तथा साहित्यकार कृष्णचंद्र टावणी को हिंदी पत्रकारिता की समर्पित सेवाओं, पर्यावरण के साथ-साथ समाज, देश व विश्व शांति के क्षेत्र में किये गये अनुपम एवं अनुकरणीय कार्य हेतु शाल ओढ़ाकर कर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ओमप्रकाश बिलड़ा सांसद, रामकुमार भूतड़ा महामंत्री, स्वागत अध्यक्ष एस.एन. चांडक, प्रदेशाध्यक्ष गोपाल काबरा उपस्थित थे।

मूकबधिर विद्यालय का आयुक्त ने किया निरीक्षण

अमरावती। विदर्भ में कर्णबधिरों के क्षेत्र में ख्यात नाम श्री बुलिदान राठी मूकबधिर विद्यालय का अमरावती महानगर पालिका आयुक्त चन्द्रकान्त गुडेवार ने भ्रमण किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव बंकटलाल राठी एवं नगरसेवक दिनेश बूब ने उनका स्वागत किया। सचिव द्वारा संस्था की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि इस विद्यालय में 200 निवासी मूकबधिर छात्र-छात्राओं हेतु अध्ययन, अध्यापन, पुनर्वसन व व्यवसाय शिक्षण के साथ प्लेसमेंट का भी कार्य किया जा रहा है। विद्यालय को अपंग सेवा पुरस्कार भी प्राप्त है। आयुक्त श्री गुडेवार ने इन बच्चों की समस्याओं की जानकारी ली और निराकरण हेतु आवश्यक सहायता देने का आश्वासन भी दिया।

बंग का किया अभिनंदन

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर द्वारा माहेश्वरी भवन, पाली बाजार में श्री माहेश्वरी समाज जोधपुर के मंत्री व श्री माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के पूर्व अध्यक्ष दामोदर बंग एवं उनके साथ आये अतिथियों का स्वागत किया गया। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के अध्यक्ष राजेन्द्र काबरा ने बताया कि सत्यनारायण झंवर, मंत्री रमेश चितलांग्या व रूद्रदेव झंवर, पूर्व विधायक-देवी शंकर भूतड़ा, हरिविलास झंवर, हरीश मून्दड़ा, रमेश चन्द्र भराड़िया, जुगल किशोर मणियार, संदीप मून्दड़ा आदि इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री बंग ने माहेश्वरी समाज के चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उनके साथ आये अध्यक्ष महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान जोधपुर व सचिव सत्यनारायण माहेश्वरी तथा प्रिंसिपल ए.के. माहेश्वरी ने समाज में शिक्षा के महत्व व वर्तमान में इसकी स्थिति पर प्रकाश डाला। मंत्री रमेश चितलांग्या ने आभार प्रकट किया।

स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह

इंदौर। प्रतिभाओं के सम्मान से समाज भी गौरवान्वित होता है और प्रतिभाओं को भी ऊर्जा मिलती है। उक्त विचार श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरूषोत्तम पसारी ने श्री माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में व्यक्त किए। मुख्य अतिथि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति रंगनाथ न्याती थे। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी विवाह प्रकोष्ठ के संस्थापक अध्यक्ष रामवल्लभ गुप्ता का शॉल-श्रीफल एवं अभिनंदन पत्र भेंटकर सम्मान किया गया। अभिनंदन पत्र का वाचन किशन मूंदड़ा ने किया। संगठन के अध्यक्ष ओमप्रकाश पसारी ने अतिथि भवन एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी भी दी। मुख्य अतिथि श्री न्याती ने इस अवसर पर वैष्णव विद्यापीठ के कुलाधिपति बनने पर श्री पसारी, बेडमिंटन में विक्रम पुरस्कार प्राप्त करने वाले गौरव मुछाल तथा शिक्षा एवं खेल जगत के क्षेत्र में प्रशंसनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन संगठन मंत्री राजेश सोमानी एवं सपना अशोक सोमानी ने किया। आभार युवा संगठन के अध्यक्ष राकेश लखोटिया ने माना।

संत के आशीर्वाद के साथ मनाई शादी की गोल्डन जुबली

जयपुर। इन्द्रप्रस्थ एवं हरियाणा पीठाधीश्वर श्री पुरूषोत्तमाचार्य जी महाराज ने जयपुर पधाकर माहेश्वरी समाज जयपुर के भू. पू. अध्यक्ष बालकिशन सोमानी एवं उनकी धर्मपत्नी रमाकान्ता सोमानी की 50वीं शादी की वर्षगांठ पर उन्हें शाल व माला पहनाकर आर्शीवाद प्रदान किया। इस अवसर पर परिवार के ज्येष्ठ पुत्र जगदीश, पंकज, वैभव उनकी पत्नी सुनीता व सुपुत्र उत्कर्ष, सहर्ष, अनुज, पुत्र पंकज व उनकी पत्नी शालू पुत्र राघव व छोटे पुत्र वैभव सोमानी व उनकी पत्नी सीमा व पुत्र माधव भी मौजूद थे। 5 दिसम्बर को भगवान श्री गोविन्द देवजी के मंदिर के प्रांगण में प्रसादी का आयोजन किया गया। गोविन्द देवजी मन्दिर के आचार्य अंजनी कुमार गोस्वामी व खोले के हनुमान जी मन्दिर के अध्यक्ष ने भी सोमानी दम्पत्ति को तिलक लगाकर व शाल ओढ़ाकर आर्शीवाद प्रदान किया। इस अवसर पर पूर्व महापौर मोहन लाल गुप्ता, ज्योति खण्डेलवाल, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरीयावास, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, भूतपूर्व अध्यक्ष सीताराम मालपानी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

> आप कितने भी
> परेशान क्यों न हों
> परंतु किसी अपने को
> परेशान देखकर
> यह जरूर कहें... चिंता मत करो
> "मैं हूं ना"
> ये तीन शब्द
> जीवन में ऊर्जा भर देंगे।

पर्यावरण संवर्धन के लिए श्रीमद् भागवत कथा

भीलवाड़ा। जय गंगा तीर्थ रक्षा एवं पर्यावरण संवर्धन विश्व शांति के लिए संगीतमय भागवत कथा यज्ञ का आयोजन जगदीश प्रसाद सोड़ानी द्वारा गंगा तीर्थ रक्षा विश्व शांति सद्भावना धाम (ट्रस्ट) भीलवाड़ा के बैनर तले सम्पन्न हुआ। श्री सोड़ानी ने बताया कि राष्ट्रीय संत डॉ. दुर्गेश आचार्य जी महाराज एवं श्री भागवत भूषणाचार्य महामाया प्रसाद शास्त्री के श्री मुख से 3 से 9 जनवरी तक कथा का आयोजन हुआ। कथा की शुरूआत भव्य शोभायात्रा से हुई। इसका आयोजन स्थानीय महेश छात्रावास में हुआ।

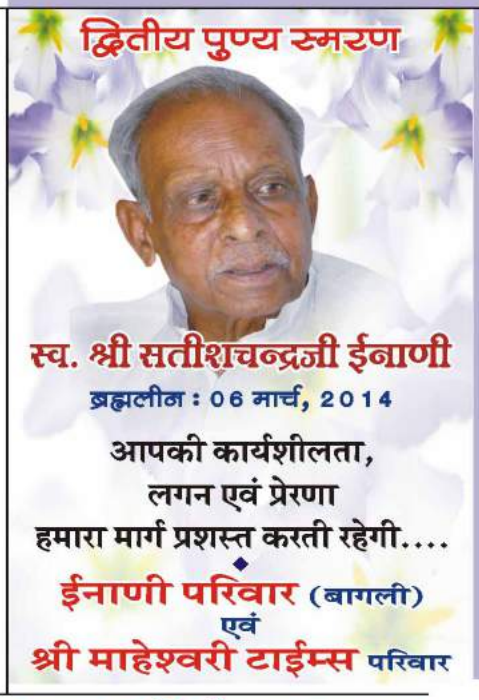

"बुराई को खुद में और अच्छाई को
दूसरों में तलाश करो,
यही आपकी सबसे बड़ी अच्छाई होगी।"

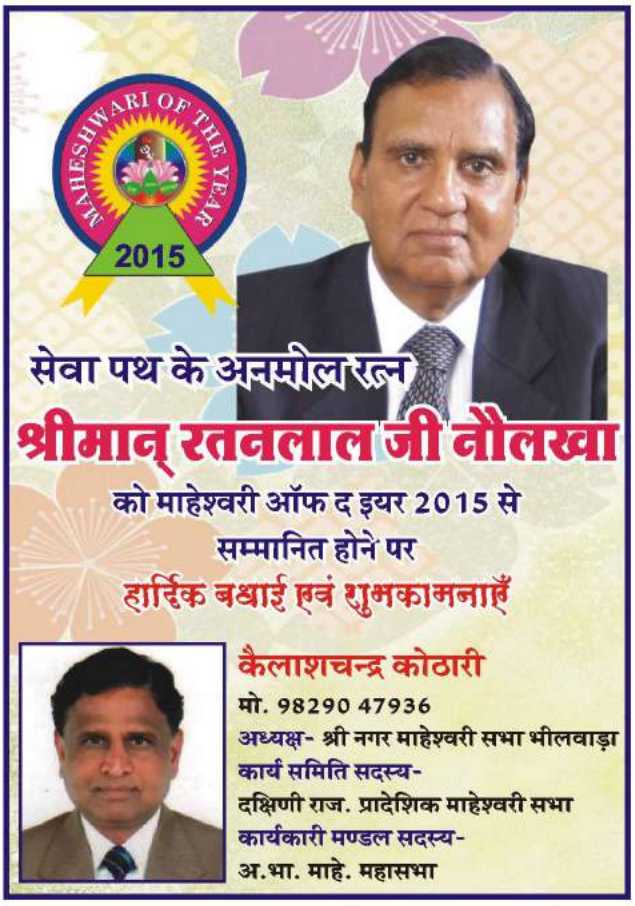

जनकल्याण ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

इंदौर। श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला की प्रेरणा से गठित श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट इंदौर के ट्रस्टियों, सहमतिदाताओं एवं विशेष आमंत्रितों की बैठक माहेश्वरी भवन ए.बी. रोड पर आयोजित की गई। बुलढाना अर्बन को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के एम.डी. सुहास झंवर, कृषिधन सीड्स लिमिटेड के डायरेक्टर मनीष करवां एवं माहेश्वरी बोर्ड के चेयरमेन रामअवतार जाजू अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियो, पदाधिकारियों प्रहलादराय माहेश्वरी, गिरधरगोपाल बिहाणी व सुनील साबू ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट के अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, सचिव सीए भरत सारड़ा, कोषाध्यक्ष शिवभगवान परवाल, संयोजक रामस्वरूप धूत, किशनगोपाल पुंगलिया एवं शैलेष बिसानी ने किया। श्री असावा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए बताया कि फरवरी प्रथम सप्ताह में ट्रस्ट के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए बनने वाले भवन के लिये क्रय अनुबंध की गई भूमि में से लगभग 55000वर्गफीट जमीन की रजिस्ट्री करवाने की तैयारी है। संयोजक श्री धूत ने आर्थिक प्रगति का वितरण दिया। सचिव भरत सारड़ा ने प्रस्तावित भवन की कार्य योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि एक लाख दस हजार वर्गफीट भूमि पर 100 कमरों व तीन हॉल का बड़ा भवन निर्मित करने की योजना है। 60 वंशानुगत ट्रस्टी व 80 आजीवन ट्रस्टी बनाएं जावेंगे। ट्रस्ट को आयकर की धारा 80 जी के तहत आयकर छूट का पत्र प्राप्त हो चुका है। इस अवसर पर अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुशीला काबरा, पूर्व अध्यक्ष गीता मूंदड़ा एवं जिला अध्यक्ष वीणा सोमानी का स्वागत भी किया गया।

बोन डेन्सिटी टेस्ट शिविर सम्पन्न

परभणी। मैत्री ग्रुप की ओर से बोन डेन्सिटी टेस्ट शिविर परभणी के जेथलिया हॉस्पिटल में आयोजित हुआ। शिविर में डॉ. प्रशांत जेथलिया (अस्थि रोग विशेषज्ञ) ने जांच कर हड्डियों में कितनी मात्रा में कैल्शियम की कमी है ये बताया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. विवेक नावंदर (म.न.पा. सदस्य) तथा उद्घाटक अश्विनर वाकाडेकर (महिला एवं बालकल्याण सभापति) थे। मैत्री ग्रुप की अध्यक्षा सरोज गट्टाणी, डॉ. शिल्पा जेथलिया, फुलवंता जेथलिया, नेहा दरक, जमुना शुक्ला, स्वाती दरक, शकुन बजाज, पूजा धूत, अनिता बजाज आदि की उपस्थिति थीं। इस शिविर में 150 महिलाओं ने सहभाग लेकर अपनी बोन डेंसिटी टेस्ट करवायी।

रंगारंग कार्यक्रमों से किया नववर्ष का स्वागत

सीकर। माहेश्वरी युवा मंच सीकर द्वारा नववर्ष का स्वागत स्थानीय माहेश्वरी भवन में Dazzling 2016 रंगारंग कार्यक्रम द्वारा किया गया। इसमे समाज के 150 से अधिक सदस्यों ने विभिन्न प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन गौरव सोमानी द्वारा किया गया। मंच अध्यक्ष दिनेश काबरा व सचिव सत्य सोमानी ने आभार व्यक्त किया।

सद्भावना पिकनिक का हुआ आयोजन

वाराणसी। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संगठन सदस्याओं के लिए एक वार्षिक सद्भावना पिकनिक ENTERTAINMENT 360° का आयोजन माहेश्वरी भवन के टैरेस पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों के लिए नेल आर्ट प्रतियोगिता, पासिंग द पार्सल, आकर्षक हाउजी, म्यूजिकल चेयर रेस तथा कई अन्य खेलों का आयोजन किया गया। दिनभर चले इस पिकनिक में सभी के लिए तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन और अल्पाहार की व्यवस्था रही। सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया। संगठन की अध्यक्ष वन्दना कोठारी ने संगठन की पदाधिकारियों को सत्र भर सहयोग प्रदान करने के लिए अध्यक्षीय पुरस्कार प्रदान किये। अतिथियों का स्वागत मंत्री इन्दू चाण्डक तथा आभार प्रदर्शन पूनम सोमानी द्वारा किया गया। इस आयोजन का संयोजन पूनम सोमानी और ममता मूंदड़ा ने किया।

खुशी को राष्ट्र स्तरीय स्पर्धा में प्रथम स्थान

जयपुर। खुशी जाखोटिया सुपुत्री नरेश एवं कविता जाखोटिया ने ब्रेनविटा अबेकस 5 जी नेशनल लेवल प्रतियोगिता में 5 लेवल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

मुलाहिज़ा फरमाइये

माला की तारीफ तो करते हैं सब
क्योंकि मोती सबको दिखाई देते हैं
काबिले-तारीफ तो धागा है जनाब
जिसने सबको जोड़ रखा है।

आज जिस्म में जान है, तो देखते नहीं हैं लोग।
जब रुह निकल जाएगी,
तो कफन हटा–हटाकर देखेंगे लोग।

फिर गलत फहमी में डाल दिया ना,
मुस्कुरा कर गुजर जाना जरुरी था क्या ?

▸▸ डॉ. नारायण तिवारी, एम.ए., एम.बी.बी.एस., पी.जी.डी., उज्जैन

आदर्श सामूहिक विवाह का आयोजन

राजसमंद। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा आगामी 10 मार्च को श्री चारभुजाजी स्थित अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष अर्जुनलाल चेचाणी व नवनीतलाल मंत्री ने बताया कि कार्यक्रम के संयोजक मदनलाल मालानी, प्रभारी हेमन्त लढ़ा तथा संरक्षक इन्द्रलाल छापरवाल होंगे। इसके लिए वर-पक्ष शुल्क 11 हजार व वधू-पक्ष 2100 रुपये 20 फरवरी तक नकद या बैंक ड्रॉफ्ट से जमाकर पंजीयन करवा सकते हैं। इसमें प्रतिपक्ष से अधिकतम 51 व्यक्ति शामिल हो सकेंगे। पंजीयन के लिए पंजीयन शुल्क के साथ पूर्ण भरा पंजीयन फार्म व जन्म दिनांक का सत्यापित प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।

"BIZCON" ने दिखाये युवा पीढ़ी को ''स्टार्टअप'' के सपने

देशभर से आये विशेषज्ञों ने बताये उद्योग स्थापना से लेकर विकास तक के सपने
सर्वश्रेष्ठ आईडिया को मिला 1 लाख का पुरस्कार

पुणे। माहेश्वरी समाज के उद्यमियों द्वारा परस्पर सहयोग के लिये गठित प्रतिष्ठित संगठन ''महेश इंडस्ट्रीयल ग्रुप (MIG) द्वारा अपने राष्ट्रीय आयोजन के अन्तर्गत माहेश्वरी उद्यमियों के राष्ट्रीय सम्मेलन "BIZCON" का पुणे में गत 19 दिसम्बर को आयोजन किया गया। इसमें समाज की कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति में समाज के उद्यमियों व नव उद्यमियों ने उद्योग विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ ''स्टार्टअप'' प्रोजेक्ट को पुरस्कृत भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि के रूप में उपस्थित आर.आर कॉबेल के अध्यक्ष गोपाल काबरा, विडियोकॉन के एमपी राजकुमार धूत, राजस्थान की केबिनेट मंत्री किरण माहेश्वरी, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के डिप्टीगवर्नर एस.एस. मून्दड़ा व महेश बैंक के चेयरमेन जुगल मालू तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे MIG चेयरमेन व "BIZCON" के संयोजक सुरेश लखोटिया ने किया। इस आयोजन में दुबई, यूएसए, चीन, सिंगापुर, हाँगकाँग आदि स्थानों से भी प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों से आये ''स्टार्टअप'' के 31 आयडिया प्रस्तुत किये गये। सभी ने इसमें अपनी सोच व अनुभव के आधार पर विकास की सम्भावनाऐं व्यक्त की। चयनकर्त्ताओं द्वारा इनमें से 5 का चयन कर इन्हें मंच पर प्रदर्शित किया गया। अंतिम रूप से सर्वश्रेष्ठ ''आयडिया'' को प्रायोजक ''महेश बैंक पुणे'' द्वारा 1 लाख रुपये के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। किट और डिनर के स्पॉन्सर एसबीआई द्वारा सभी आंगतुकों को होटल ''मेरिओट कोर्ट यार्ड'' में डिनर करवाया गया।

प्रायोजक ने दिया आर्थिक सहयोग

इस आयोजन में आर.आर. कॉबेल ने एसआर ग्रुप, गोल्डन टॅच, सिंगापुर आलोक ग्रुप, राम के. राठी ग्रुप पुणे तथा नकुल बाहेती ग्रुप इन्दौर के साथ ''प्लेटिनम स्पॉन्सर'' के रूप में अपना योगदान दिया। उल्लेखनीय है कि इस आर्थिक सहयोग के लिये सहयोग राशि 6 लाख रुपए में प्लेटिनम प्रायोजक, 4 लाख में किट प्रायोजक, 3.5 लाख में ईडीपी के लिये प्रायोजक, 3 लाख में सह-प्रायोजक, 50 हजार में डिजिटल मीडिया प्रायोजक व 30 हजार रुपये की सहयोग राशि वाले ''स्टेण्डी'' बन गये थे।

देश की अर्थव्यवस्था भी सकारात्मक

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर श्री मून्दड़ा ने वर्तमान अर्थव्यवस्था को अनुकूल बताते हुए कहा कि वर्तमान में मुद्रा स्फीति के नियंत्रण, बेहतर राजकोषीय प्रबंधन तथा नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था सही दिशा में चल रही है। वैसे इसे और भी अधिक गति दी जानी चाहिये। विनिर्माण का चरण पूर्ण हो चुका है। अब तो विकास मॉडल में वैश्विक घरेलू खपत और सेवा के लिये केन्द्र बनाना लक्ष्य बन चुका है। श्री धूत ने कहा कि राज्य और केन्द्र सरकार अब निवेश लाने पर केन्द्रीत होकर प्रयास कर रही हैं। इन प्रयासों के अन्तर्गत आगामी 15 महीनों में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंक फिर से विकास पथ पर अपनी वापसी करेंगी। राजस्थान की मंत्री श्रीमती माहेश्वरी ने महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में व्यवसाय के क्षेत्र में पदार्पण का आह्वान किया। उन्होंने माहेश्वरी उद्यमियों से राजस्थान की सीएसआर गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाने की अपील की।

सर्वश्रेष्ठ ''आईडिया'' को 1 लाख का पुरस्कार

इस आयोजन में देशभर से आये 31 उद्यमियों ने प्रदेशों में करने का प्रस्ताव रखा। सभी सदस्यों ने इसका समर्थन किया। गत दिनों ही सूरत में भी श्ष्ठ की स्थापना हुई है। यहाँ के अध्यक्ष श्याम राठी ने "BIZCON 2016" का आयोजन स्वीकार किया। अंततः "BIZCON 2016" के आयोजन की बैटन सूरत को सौंप दी गई है।

अब सूरत में होगा अगला आयोजन

इस आयोजन में शामिल सभी उद्यमी इसके महत्व से प्रभावित हुए बिना नहीं रहे। सुरेश लखोटिया ने "BIZCON" का आयोजन प्रतिवर्ष तथा अलग-अलग उद्यमी व विशेषज्ञ उपस्थित थे।

आनन्द मंत्री को पीएच.डी.

अमरावती। समाज सदस्य विजयकुमार मंत्री के सुपुत्र आनन्द मंत्री को हाल ही में महाराजा सयाजीराव विद्यापीठ बड़ौदा द्वारा पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। इसके लिए उन्होंने 'मधुमेह कारण निवारण दक्षता' विषय पर अपना शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया था। श्री मंत्री मनीपाल कॉलेज ऑफ फॉर्मसी, मनीपाल से एम.फिल कर ओमेजीन लाइफ फार्मेस्युटिकल कम्पनी में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर सेवारत हैं।

राठी को आदर्श समाजसेवक पुरस्कार

अमरावती। भ्रष्टाचार निर्मूलन जन आन्दोलन समिति महाराष्ट्र द्वारा विविध क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करने वाले महानुभावों को आदर्श समाजसेवक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनके अन्तर्गत जवाहर कर्मचारी पतसंस्था जामठी के संस्थापक अध्यक्ष, श्री बुलिदान राठी मूकबधिर विद्यालय अमरावती, आय.एम. जाजोदिया कॉलेज अमरावती, माहेश्वरी आधार समिति अमरावती के सचिव एवं अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन के संगठन मंत्री बंकटलाल राठी को अपंग सेवा में अविरत कार्य हेतु सम्मानित किया गया। श्री राठी इससे पूर्व भी अनेक पुरस्कारों से पुरस्कृत किये गये हैं।

पोंगल का किया वेलकम

सिकन्दराबाद। स्थानीय माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा गत जनवरी को संक्रांति का पर्व 'वेलकम पोंगल' मनाया गया। अध्यक्ष रजनी राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में चार विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताऐं रखी गई, जिसमें सब्जियों की रंगोली, मटर के व्यंजन, पतंग डोकोरेशन एवं धार्मिक पात्र का चरित्र एक मिनट में रखना शामिल था। इसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने हिस्सा लिया। सहयोग के लिए मंत्री सुनीता मंत्री ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इनडोर खेलकूद स्पर्धा का हुआ आयोजन

बीकानेर। जिला माहेश्वरी युवा संगठन व श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में साप्ताहिक जिलास्तरीय इनडोर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय डागा चौक स्थित महेश भवन में किया गया। मीडिया प्रभारी पवनकुमार राठी मंत्री बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन ने बताया कि उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि नोखा नगरपालिका के चैयरमैन नारायण झंवर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोखा निवासी बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष रामेश्वरलाल भूतड़ा ने की। विशेष अतिथि के रूप में सोहनलाली गट्टाणी (प्रदेश अध्यक्ष), जुगलराठी (अध्यक्ष-जिला माहेश्वरी युवा संगठन), बाबूलाल मोहता (पूर्व अध्यक्ष), श्रीराम सिंगी, मगनलाल चाण्डक (प्रीति क्लब), महेश चाण्डक (संरक्षक नवयुवक मण्डल) आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन किशन लोहिया ने किया। मुख्य आयोजक सुनील सारड़ा (अध्यक्ष युवा संगठन शहर इकाई) व चान्दरतन मुन्धड़ा (उपाध्यक्ष नवयुवक मंडल) ने बताया कि आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में स्थानीय बीकानेर के अलावा डूंगरगढ़, नोखा, नापासर आदि के 180 से अधिक प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया। इसमें मुख्य रूप से बैडमिण्टन, कैरम, टेबल-टेनिस (सिंगल्स, डबल्स) तथा चैस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

> अपने आपको सुधार लेने पर
> संसार की हर बुराई सुधार सकती है।

गमले में लगे पेड़ में आया 500 ग्राम का नीबू

कोटा। विज्ञान नगर निवासी सीए सुरेश सोमानी के मकान में गमले में लगे एक नीबू के पौधे पर हर साल 500 से 800 ग्राम वजन के दो से तीन नीबू लगते है। इन्हें देखकर उनके यहां आने-जाने वाला हर व्यक्ति चौंक जाता है। कोई इसे अमरूद समझता है तो कोई मौसम्बी। श्री सोमानी ने बताया कि स्वाद व रंग में यह अन्य नीबू जैसा ही है लेकिन इसका आकार बड़ा व पपीते के बराबर है। इसका नीबू सामान्य 10-15 नीबू के बराबर है। यह कलकत्ता से लाया गया है। जिसे मैंने कोटा की ही एक नर्सरी से खरीदा था।

बूब अध्यक्ष एवं राठी बने सचिव

डॉ. गणेश बूब

बंकटलाल राठी

अमरावती। अपंग सेवा के क्षेत्र में महाराष्ट्र सरकार से अपंग सेवा पुरस्कार प्राप्त ख्यात संस्था 'द डेफ एंड डम्ब रिलीफ एसोसिएशन' अमरावती के पंचवार्षिक चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इस चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष डॉ. गणेश बूब व सचिव बंकटलाल राठी को चुना गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष प्रकाशचन्द्र कोठारी, कोषाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण कासट व सहसचिव पुरुषोत्तम मूँदड़ा चुने गये।

तिल गाजर रैलिश

सामग्री। 100 ग्राम तिल, 500 ग्राम गाजर, नमक-मिर्च स्वादानुसार, 1 बड़ा चम्मच चिली सॉस, 1 बड़ा चम्मच सोया सॉस, 1 बड़ा चम्मच मस्टर्ड सॉस, 1 बड़ा चम्मच सिरका, 1 बड़ा चम्मच कसा अदरक।

विधि। तिल चटकने तक भूनें। गाजर को छिल कर गोल-गोल चिप्स बना लें। अब सारी सामग्री मिलाकर काँच के मर्तबान में भरकर 3 दिन धूप में रखें। पूरी-पराठा के साथ सर्व करें।

पूनम राठी
मो. 99700 57423

आन्ध्र महिला संगठन की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद। आ.प्रा. माहेश्वरी महिला संगठन की तृतीय कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष कलावती जाजू के नेतृत्व में विजयवाड़ा मारवाड़ी महिला संगठन द्वारा विजयवाड़ा में आयोजित की गयी। संगठन अध्यक्ष कलावती जाजू एवं मंत्री रेणु सारड़ा ने बताया कि बैठक दो सत्रों में आयोजित हुई। प्रदेश के उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सहमंत्री, निर्वतमान अध्यक्ष शकुन्तला नावंदर आदि मंचासीन थे। सभी का शाल द्वारा स्थानीय महिला मंडल द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला रिपोर्टिंग, पोस्टर व स्लोगन आदि प्रतियोगिताऐं भी रखी गईं। सभी जिलों ने इसमें हिस्सा लिया। खुला मंच में कई पारिवारिक एवं संगठन के बारे में प्रश्न रखे गये जिनका समाधान शैला कलंत्री, कमला मोहता एवं कलावती जाजू ने किया। दूसरे सत्र में उद्घाटनकर्ता के रूप में संगठन की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा (दक्षिणांचल) शैला कलंत्री तथा मुख्य अतिथि के रूप में नन्दकिशोर लोया व विशेष अतिथि के रूप में विट्ठलप्रसाद भट्टड़ उपस्थित थे। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकार व सुरक्षा के बारे में जानकारी देना था। महिला अधिकार व महिला सुरक्षा समिति की राष्ट्रीय संयोजिका कमला मोहता (नागपुर) व नूतन मानधना तथा कविता बल्दवा ने मुख्य वक्ता के रूप में सभी महिलाओं को जानकारी दी व प्रश्नों के उत्तर भी दिये।

ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम में बागड़ी का किया सम्मान

नागपुर। ट्रैफिक पोलिस व रोटरी द्वारा रोड सुरक्षा सप्ताह के तहत धरमपेठ मे स्कूल के बच्चो के लिये ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमे विभिन्न स्कूलों के चार सौ बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से डीसीपी भरत टांगडे, एसीपी राम पठारे, शहर के पूर्व पश्चिम, उत्तर, दक्षिण के सभी पीआई संजय पांडे, शुभदा शंखे व रोटरी डिस्ट्रीक्ट के असिस्टेंड गवर्नर मनोहर गोलहर, अध्यक्ष प्रशांत पिंपलवार, उपाध्यक्ष व मुख्य सलाहकार शरद बागडी, सचिव चंद्रशेखर लौटावार आदि उपस्थित थे। बच्चो को स्लाईड शो द्वारा फिल्म भी दिखायी गई। कार्यक्रम के अंत मे एसीपी व डीसीपी ने आभार प्रदर्शन करते हुए वरिष्ठ समाजसेवी व मुख्य सलाहकार शरद बागड़ी का सम्मान किया।

प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

इटारसी। विगत दिनों माहेश्वरी समाज द्वारा प्रादेशिक स्तर पर "वाद-विवाद", बेस्ट स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन सीहोर में रखा गया था। इसमें होशंगाबाद-हरदा जिले से समता-प्रहलाद बंग इटारसी को स्वच्छता अभियान पर बनाये गये पोस्टर के लिये प्रादेशिक स्तर पर प्रथम पुरस्कार दिया गया। उक्त जानकारी प्रहलाद बंग ने दी।

"इस संसार में प्यार करने लायक
दो ही वस्तुएं हैं,
एक दुःख और दूसरा श्रम...
दुःख के बिना हृदय
निर्मल नहीं होता
और श्रम के बिना
मनुष्य का विकास नहीं होता।"

रक्तदान शिविर का आयोजन

जोधपुर। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी साँवरिया और जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में गत 06 जनवरी 2016 को जोधपुर के रातानाडा क्षेत्र की नवनिर्मित माहेश्वरी बगीची में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महिला संगठन की अध्यक्ष पूर्णिमा काबरा ने बताया कि पूरे दिन के इस कार्यक्रम में रेलवे पुलिस अधीक्षक ललित माहेश्वरी, राधा माहेश्वरी, संभागीय आयुक्त रतन लाहोटी, समाजसेवी सुरेश राठी, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के संदीप काबरा , भाजपा नेता राजेंद्र बोराना, हरिप्रकाश राठी, कल्पना चांडक प्रमुख्य अतिथि थे। साँवरिया की अध्यक्ष व महिला संगठन की सचिव डॉ. नीलम मूंदड़ा ने बताया कि इस अवसर पर साँवरिया के संस्थापक कैलाश चंद्र लढ़ा के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाज के मंत्री दामोदार लाल बंग ने बताया कि कार्यक्रम में कुल 74 यूनिट रक्तदान हुआ। कार्यक्रम की संपूर्ण देखरेख व व्यवस्था का भार सुनील मूंदड़ा ने संभाला। प्रिया माहेश्वरी, जे एम बूब, डॉ प्रदीप गट्टानी, संजीवनी गट्टानी, रामानंद काबरा, गिरीश बंग, प्रकाश कालानी, ओम धूत, स्वाती मोदी, पुष्पा सारदा, उमा बिड़ला, सुनीता बिड़ला आदि ने सहयोग दिया।

अवैध खनन के खिलाफ दर्ज करवाया प्रकरण

भीलवाड़ा। रणथंभोर टाईगर रिजर्व में एसोसिएट सीमेन्ट लिमिटेड लाखेरी द्वारा पिछले 11 वर्षों से 1100 हैक्टेयर भूमि पर अवैध खनन किया जा रहा है। इस मामले को लेकर पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू द्वारा जनहित याचिका दायर की गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा मुख्य सचिव राज्य सरकार, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल तथा एसीसी सीमेन्ट लाखेरी को खान आवंटन से लेकर आज तक का राजस्व रिकॉर्ड तथा खान का स्थान इंगित करता हुआ नक्शा पेश करने के निर्देश दिये गये। उल्लेखनीय है कि ए.सी.सी. सीमेन्ट लाखेरी द्वारा अवैध खनन करने पर सरकार के सम्बन्धित विभागों द्वारा की गई पेनल्टी व जुर्माने व अन्य सहित राशि 50 करोड़ रुपया बकाया है जो भी विभागीय मिलीभगत के चलते जमा नहीं करवाई गई है। बावजूद इसके अवैध खनन भी जारी है।

महाविद्यालय में जल-मन्दिर लोकार्पित

राजसमंद। सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय महाविद्यालय में साफ एवं ठन्डे पानी की आवश्यकता को देखते हुए श्री महेश प्रगति संस्थान के सदस्य गोविन्द नारायण-विष्णु स्वरूप अजमेरा व भगवती प्रसाद बियाणी के सहयोग से जल मन्दिर का निर्माण कराकर व संत श्री ललित प्रभ जी व चन्द्र प्रभ जी के कर कमलों द्वारा लोकार्पण कराया गया। संस्थान के महासचिव लक्ष्मीलाल ईनानी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के उद्घाटन पर केदारमल न्याती हरिभगवान बंग, हरकचन्द मंत्री, निरंजन असावा, ओम प्रकाश मंत्री, भगवतीलाल, विद्याशंकर, पवन रांघड़, गोपाल बियानी, हरि झंवर, अरविन्द न्याती सहित कई समाजजन उपस्थित थे।

पोकरण में धर्मशाला का वास्तु पुजन

पोकरण (राज.)। स्थानीय माँ खिवंज मातेश्वरी मंदिर प्रांगण पोकरण (राज.) में भूतड़ा परिवार के आर्थिक सहयोग से धर्मशाला के प्रथम चरण में 19 कमरों एवं हाल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस अवसर पर आगामी 4 फरवरी से 9 फरवरी 2016 तक होम हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसके अन्तर्गत 9 फरवरी की रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ तथा 10 फरवरी को हवन पूर्णाहुति (समाप्ति) एवं महाप्रसादी का आयोजन किया जाऐगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रकाश भूतड़ा ने सभी भूतड़ा परिवारों से नम्र निवेदन किया कि माता के दर्शन एवं वास्तुपूजा में अवश्य सम्मिलित हों। जिन परिवारों को हवन पूजा में सम्मिलित होना है, वे श्री भूतड़ा तथा कमल किशोर भूतड़ा से सम्पर्क कर सकते हैं।

"गंगा में डुबकी लगाकर
तीर्थ किए हजार,
इनसे क्या होगा
अगर
बदले नहीं विचार।"

''स्वर्णिम जीवन'' का लोकार्पण

मदनगंज-किशनगंज। ज्ञानमंदिर के संस्थापक ''अध्यात्म अमृत'' पत्रिका के प्रधान संपादक कृष्णचंद टवाणी के अमृत महोत्सव के अवसर पर अभिनंदन ग्रंथ ''स्वर्णिम जीवन'' का प्रकाशन हुआ है। इसका लोकार्पण गत 25 दिसम्बर 2015 को माहेश्वरी भवन, मदनगंज-किशनगंज (राज.) में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष जोधराज लड्ढा महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष श्यामसुंदर बिरला, किशनगढ़ के विधायक भागीरथ चौधरी, नगर परिषद के चेयरमेन सीताराम साहू व रामावतार जाजू के द्वारा किया गया। इस अवसर पर गोविन्द माहेश्वरी निदेशक एल.एल.ई.एन. केरियर इंस्टीट्यूट कोटा, रामकुमार मानधना मुम्बई, सुनील मूंदड़ा अजमेर, मदनमोहन बिहानी मुम्बई, जयकृष्ण पटवारी जयपुर, शिवरतन मोहता जयपुर, डॉ. बी.एल बिहानी दिल्ली, मुकुट बिहारी मालपानी मदनगंज, अरूण लड्ढा कोलकाता, गोपालकृष्ण झंवर भीलवाड़ा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

गुजरात में हुआ ''स्वयं-सिद्धा'' का आयोजन

सूरत। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा द्वि-दिवसीय प्रादेशिक अधिवेशन ''स्वयं-सिद्धा'' का आयोजन 22-23 दिसम्बर को माहेश्वरी कुंज, द्वारिकाधाम में किया गया। उद्घाटन आचार्य कृष्णमणिजी महाराज के कर कमलों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि रामगोपाल माहेश्वरी (उद्योगपति एवं समाजसेवी जामनगर) तथा विशिष्ट अतिथि पुष्पलता परतानी संयुक्त सचिव मध्यांचल (अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन थी।) लाड़ सोमानी (उपाध्यक्ष मा.म.मं. जामनगर) और प्रमुख वक्ता रजिका कचरिया थीं। इस अवसर पर प्रान्तीय अध्यक्षा उर्मिला कलंत्री ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये उषा सोमानी, मंगल मर्दा, मन्जूश्री काबरा, वन्दना तापड़िया, सुशीला माहेश्वरी, चंदा काबरा, प्रतिभा मौलासरिया, कौशल्या लड्ढा, निर्मला हुरकट, कान्ता मोदानी आदि का विशेष सहयोग रहा। प्रांतीय सचिव उमा जाजू ने आभार व्यक्त किया।

3 दिवसीय गोवर्धन यात्रा का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। श्री महेश बचत एवं साख समिति द्वारा संयोजक शान्तिलाल डाड के नेतृत्व में सदस्यों की तीन दिवसीय गोवर्धन यात्रा का आयोजन दो बसों द्वारा किया गया। महेश छात्रावास के बाहर से सत्यनारायण डाड (उपाध्यक्ष अखिल भारतीय पुष्कर सेवा सदन), मदनलाल आगाल पूर्व अध्यक्ष नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा एवं दिनेश कुमार काबरा अध्यक्ष महेश बचत एवं साख समिति भीलवाड़ा द्वारा झण्डी दिखाकर यात्रा को रवाना किया गया। प्रभारी हरिश पोरवाल ने बताया कि इस यात्रा में गोवर्धन जी परिक्रमा, मथुरा, वृन्दावन, बरसाना आदि सभी पास के धार्मिक स्थानों के दर्शन किये गये।

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का हुआ आयोजन

देवास। डॉ. वैजयंती माहेश्वरी की स्मृति में उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर माहेश्वरी नर्सिंग होम देवास पर निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ इंदौर के समाजसेवी कमल नारायण भुराडिया एवं मोहनलाल परवाल परिवार द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात डॉ. प्रमोद, डॉ. पुनीत एवं डॉ. प्राची माहेश्वरी द्वारा 332 मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं दवाइयां वितरीत की गई। देवास के अलावा सोनकच्छ, जावर, भौरासा आदि ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीणों ने भी शिविर का लाभ लिया। परवाल परिवार देवास, रोटरी क्लब, डॉक्टर्स एसोएिसशन, भारत विकास परिषद, माहेश्वरी समाज आदि के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अशोक सोमानी ने किया तथा आभार डॉ. पुनीत माहेश्वरी ने माना। उक्त जानकारी अशोक सोमानी एवं संजय परवाल ने दी।

नववर्ष-2016 के कैलेण्डर का विमोचन

बैंगलोर। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी भवन में वर्ष 2016 के प्रकाशित कैलेण्डर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के.के. मालपानी, सभा अध्यक्ष बसंत सारड़ा, माहेश्वरी महिला मंडल की उपाध्यक्षा सुशीला बागड़ी, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमेन किशन राठी, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमेन गौरीशंकर सारड़ा, कार्यसमिति सदस्य नवल किशोर मालू, देवेन्द्र सोनी, नंदकिशोर दरक, भरत जाजू, विनित बियाणी, कैलाश काबरा सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। सचिव निर्मल कुमार तापड़िया ने बताया कि कैलेण्डर में हिन्दी तिथि, मारवाड़ी त्यौहार एवं छुट्टियों आदि की भी पूर्ण जानकारी दी गई है।

चाईनीज मांझे पर रोक की मांग

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने प्रदेश में पतंग उड़ाने के लिए चाईनीज लोहे से मिश्रित मांझे की कानूनी रोक के बावजूद धड़ल्ले से हो रही बिक्री व उपयोग पर नाराजगी व्यक्त की। श्री जाजू ने मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे को पत्र लिखकर प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को कड़ाई से रोक लगाने हेतु निर्देशित करते हुए धड़ल्ले से हो रही बिक्री को रोकने तथा चाईनीज मांझा बेचने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। श्री जाजू ने बताया कि पतंग उड़ाने के लिए लोहा मिश्रित चाईनीज मांझे के उपयोग से जयपुर सहित समूचे प्रदेश में लगभग 2000 बेजुबान पक्षियों तथा 3-4 व्यक्तियों की प्रतिवर्ष मौत हो जाती है। श्री जाजू ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों से धातु मिश्रित चाइनिज मांझे पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 144 के तहत कार्यवाही करने तथा इस आदेश का उलंघन करने वाले व्यक्ति पर धारा 188 के तहत कार्यवाही अमल में लाने की अपील की है।

स्वास्थ्य चेतना शिविर का हुआ आयोजन

राजसंमद। श्री महेश महिला प्रगति संस्थान के तत्वावधान में स्वास्थ्य चेतना शिविर का आयोजन अणुव्रत विश्व भारती परिसर में किया गया। शिविर का संचालन ख्यात योग गुरू देवेन्द्र अग्रवाल द्वारा किया गया। शिविर में आहार-विहार, आचार-विचार पर जानकारी दी गई। सभा में समाज की महिलाओं, युवतियों एवं वरिष्ठजनों की सराहनीय उपस्थिति थी। संस्था महासचिव लक्ष्मीलाल ईनानी द्वारा सभी का आभार प्रदर्शित किया गया।

"जिंदगी के लिये एक
बेहतरीन सोच
हर एक की सुनो...
और हर एक से सीखो।
क्योंकि हर कोई
सबकुछ नहीं जनता
लेकिन हर एक कुछ न कुछ
जरूर जानता है।"

सेवापथ के अनमोल रत्न

श्रीमान् रतनलालजी नौलखा

को

माहेश्वरी ऑफ द इयर 2015

से अलंकृत होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

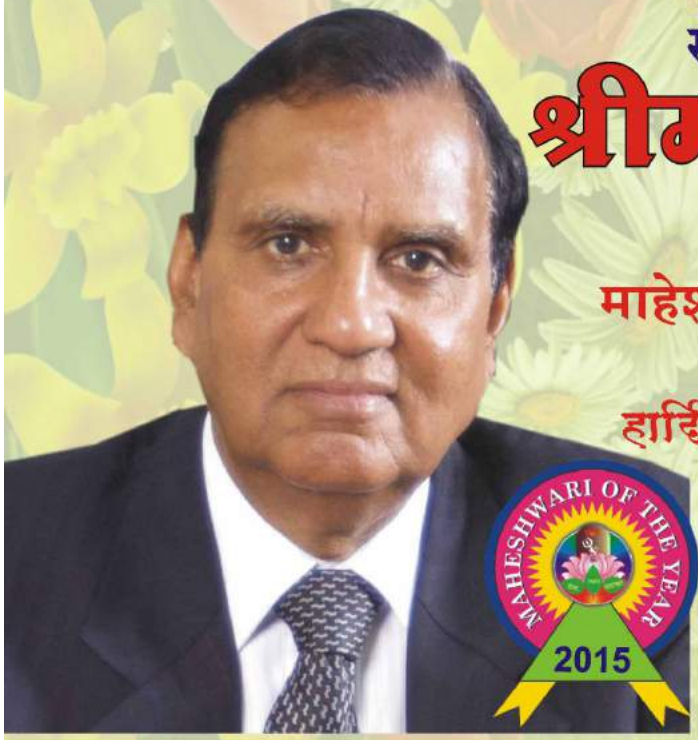

राधेश्याम सोमानी
अध्यक्ष
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94143-02606

देवकरण गग्गड़
कार्यसमिति सदस्य
अ.भा.मा.महासभा
मो. 89557-53509

राधेश्याम चेचाणी
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 98290 47693

राजेश तोषनीवाल
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94133 56902

प्रहलादराय लढ़ा
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94141 12129

बाबूलाल जाजू
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 98290 47200

अनिलकुमार बाँगड़
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 98290 45851

कैलाशचन्द्र मूँदड़ा
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 92140 45425

मुरलीमनोहर गट्टानी
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94602 02281

नन्दकिशोर झँवर
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 98290 45247

जगदीशप्रसाद कोगटा
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94133 55463

सत्यनारायण मूँदड़ा
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94141 12185

दिलीप तोषनीवाल
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 98290 67157

ओमप्रकाश बिड़ला
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94141 11748

गोपाल कृष्ण पटवारी
सदस्य, कार्यकारी मंडल
अ.भा.मा.महासभा
मो. 94146-77675

देवेन्द्र सोमानी
कार्यसमिति सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94140 29356

ओमप्रकाश गट्टानी
कार्यसमिति सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94141 15004

ओमप्रकाश गंदोड़िया
कार्यसमिति सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94142 71754

कन्हैयालाल लाठी
कार्यसमिति सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 98296 17776

महावीर समदानी
कार्यकारी मण्डल सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94142 62218

राधेश्याम सोमानी
कार्यकारी मण्डल सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 98290 34441

रमेशचन्द्र नामधरानी
कार्यकारी मण्डल सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 75979 75533

गोवर्धनलाल डाड
कार्यकारी मण्डल सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94141 12557

सत्यनारायण मण्डोवरा
कार्यकारी मण्डल सदस्य
दक्षिणी राज.प्रादे.माहे.सभा
मो. 94130 56070

गोपाल नरानीवाल
कोषाध्यक्ष
श्री नगर माहेश्वरी सभा
मो. 94141 15219

बी.एल. माहेश्वरी
अध्यक्ष
संजय कॉलोनी क्षे.माहे.सभा
मो. 94610 34950

प्रदीप शारदा
अध्यक्ष
पथिक नगर क्षे.माहे.सभा
मो. 94143 72042

राजेन्द्रकुमार जागेटिया
अध्यक्ष
तिलक नगर क्षे.माहे.सभा
मो. 96671 71146

अरविन्द राठी
अध्यक्ष
बसंत विहार क्षे.माहे.सभा
मो. 94141 10766

रामगोपाल राठी
भीलवाड़ा
मो. 94130 53385

गजानन्द बजाज
अध्यक्ष
मरुधरा माहेश्वरी संस्थान
मो. 98290 45208

गोपाल जागेटिया
मंत्री
बापू नगर क्षे.माहे.सभा
मो. 94141 10769

कैलाश कोठारी
मंत्री
प्रा.तह.सभा भीलवाड़ा
मो. 96020 96440

मुकेश सोमानी
अध्यक्ष
श्री शिगोली श्याम माहे.धर्मशाला
मो. 98284 94295

रामकुमार जागेटिया
अध्यक्ष
माहे.सहयोग संस्थान
मो. 94611 14810

राजेन्द्र तोषनीवाल
अध्यक्ष
शास्त्रीनगर माहे.यु.सं.
मो. 94605 76526

मनोज जागेटिया
सचिव
शास्त्रीनगर माहे.यु.सं.
मो. 98294 47392

उत्कर्ष को राष्ट्र स्तरीय पुरस्कार

सूरत। जेसीआय इण्डिया द्वारा स्थानीय सरसाना में सूरत इंटर-नेशनल एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। जेसीआय अमरावती गोल्डन की ओर से सीताराम राठी तथा राष्ट्रीय प्रशिक्षक संगीता राठी के सुपुत्र उत्कर्ष राठी ने फैंसी ड्रेस स्पर्धा में 3 से 7 वर्ष तक के बच्चों के ग्रुप में विजय हासिल की। यह स्पर्धा 29 दिसम्बर को सम्पन्न हुई थी। समस्त स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है।

आशुतोष बने सीए

गंगापुर(भीलवाड़ा)। समाज सदस्य शांतिलाल मंडोवरा के सुपौत्र एवं अरविंद मंडोवरा के सुपुत्र आशुतोष मंडोवरा ने सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

सीए टॉप-40 बने विशाल

अहमदाबाद। विशाल चितलाँग्या सुपुत्र बनवारी चितलाँग्या ने गत नवम्बर 2015 में आयोजित सीए फायनल परीक्षा में सम्पूर्ण भारतवर्ष में 40 वाँ स्थान प्राप्त किया। विशाल अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व मानद मंत्री जगदीश चितलाँग्या के भतीजे हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व विशाल ने CA IPCC 2012 में पूरे देश में 38 वाँ स्थान प्राप्त किया था। विशााल वेस्टर्न इंडिया चार्टेर्ड एकाउंटेण्ड स्टूडेंट एसोसियेशन की अहमदाबाद शाखा के महासचिव भी रह चुके हैं।

स्नेहा बनी सीए

कोटा। समाज सदस्य विष्णु बल्दवा की सुपुत्री स्नेहा बल्दुआ ने 22 वर्ष की उम्र में सीए की उपाधि प्राप्त की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

वंदना को जीपीएटी में 51वीं रेंक

वरंगल। समाज की प्रतिभा वंदना लाहोटी ने जीपीएटी सुपत्री नंदकुमार लाहोटी परीक्षा में संपूर्ण भारत में 51 वीं रेंक प्राप्त की। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

कन्या से बड़ा कोई दान नहीं...
बारस से बड़ी कोई तिथी नहीं,
गायत्री से बड़ा कोई मंत्र नहीं...
माता से बड़ी कोई देवी नहीं...
और पिता से बड़ा कोई देव नहीं।

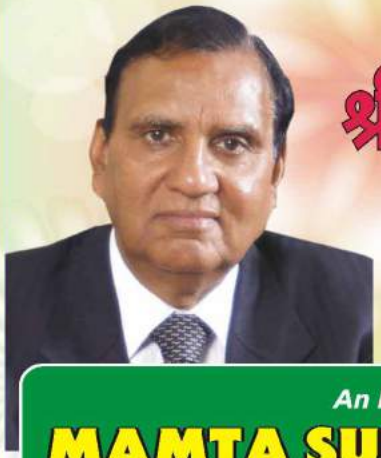

सेवा पथ के अनमोल रत्न

श्रीमान् रतनलाल जी नौलखा

को माहेश्वरी ऑफ द इयर 2015

से अलंकृत होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

An ISO 9001: 14000 & WHO GMP Certified Unit

MAMTA SURGICAL COTTON INDUSTRIES

Mfg. Of Absorbent Cotton Wool I.P.

(AN ISO 22000: 2005, WHO GMP, HALAL & HACCP CERTIFIED COMPANY)

Mamta Hygiene Products Pvt. Ltd.

A Government of India Recognized Star Export House

Industrial Area, GULABPURA 311021 (Raj.) INDIA
Tel + 91 1483 223133, 233775 www.mamtagroup.com

राठी परिवार (गुलाबपुरा)

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने किया महिला महाधिवेशन का आयोजन

विकास के साथ संस्कार पर भी रहा जोर

'सृजन सेतु'

में प्रतिभाओं ने फैलाए पंख

लगभग 30 वर्षों बाद पुनः देवी अहिल्या की नगरी इंदौर साक्षी बनी माहेश्वरी नारी की प्रतिभा की। देश-विदेश से आई 3 हजार से अधिक महिलाओं की एकता, हौंसले और प्रतिभा को जिसने भी देखा वह प्रशंसा किये बिना न रह सका।

इंदौर। गत 9 से 11 जनवरी 2016 तक इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा अ.भा. माहेश्वरी महिला महाधिवेशन का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश से 3 हजार से अधिक सदस्याऐं न सिर्फ शामिल हुईं, बल्कि उन्होंने अपनी प्रतिभा को भी खुलकर प्रदर्शित किया। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने भी अपने उद्‌बोधन से मार्गदर्शन दिया।

लगभग 30 वर्षों बाद इंदौर में हुए इस अ.भा. माहेश्वरी महिला महाधिवेशन का भव्य शुभारंभ स्थानीय ओमनी गार्डन में कार्यक्रम के प्रथम दिवस 9 जनवरी को दोपहर पश्चात हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.बी.आई. के डिप्टी गवर्नर सुभाष मूंदड़ा तथा विशिष्ट अतिथि पद्मभूषण राजश्री बिड़ला थीं। विशेष अतिथि के रूप में संगम ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमेन रामपाल सोनी तथा महापौर मालिनी गौड़ उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्षता सुशीला काबरा ने की। अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, महापौर मालिनी गौड़, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा, राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगड़ानी एवं कार्यक्रम निर्देशिका सौ. गीता मूंदड़ा तथा उपस्थित समस्त अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा दीपप्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला अध्यक्ष वीणा सोमानी एवं अध्यक्ष पुष्पा जाजू द्वारा स्वागत उद्‌बोधन किया गया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष सुशीला काबरा, महामंत्री कल्पना गगड़ानी, मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी, संयुक्त मंत्री पुष्पलता परतानी, प्रदेश अध्यक्ष निर्मला बाहेती, प्रदेश सचिव अरुणा बाहेती, प्रदेश अध्यक्ष महेश तोतला, जिला अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, लक्ष्मण माहेश्वरी, स्वागत मंत्री समता मूंदड़ा, संयोजकद्वय ललिता मालपानी एवं कमल राठी द्वारा किया गया।

किन्होंने क्या कहा ?

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष **सुशीला काबरा** ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ''सृजन सेतु'' महाकुंभ का उद्देश्य न सिर्फ महिलाओं की योग्यता व क्षमता का उपयोग समाजहित में करना है, बल्कि प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देकर राष्ट्रीय मंच प्रदान करना भी है। महिलाओं की सृजन शक्ति यानि रचनात्मकता को निखारना और दो पीढ़ियों के बीच एक सकारात्मक सेतु की रचना करना ही इस अधिवेशन का मकसद है। एक ओर हमारी अनुभवी पीढ़ी है जिनके पास अनुभव हैं, संस्कार हैं, परम्पराएं हैं, पारिवारिक मूल्य हैं और दूसरी ओर आज की युवा नारी हैं, जिनके पास ज्ञान है, विज्ञान, रफ्तार है, ऊर्जा है, उत्साह है, उमंग है। इन्हें एक प्लेटफार्म पर लाकर उनके विचारों, समस्याओं, चुनौतियों एवं अपेक्षाओं को समझकर उनके बीच एक सेतु की रचना करना ही इसका उद्देश्य है।

आर.बी.आई. के **डिप्टी गवर्नर सुभाष मूंदड़ा** ने सामाजिक संगठन का महत्व दर्शाया। उन्होंने एक रोचक कहानी का उदाहरण देते हुए समझाया कि जहां एकता व सामंजस्य है, वहीं स्वर्ग है और जहां अलगाव व स्वार्थ है, वहीं नर्क है। उन्होंने सफलता के 10 सूत्र बताते हुए कहा कि अपनी महत्वाकांक्षाएं बच्चों पर न डालें। बच्चों को हम बोनसाई बना रहे हैं, उनकी क्षमता को बढ़ने दीजिए। श्रद्धा व अंधश्रद्धा में फर्क करें व अंधश्रद्धा से बचें। महिलाएं अच्छी प्रबंधक हैं, अपने व्यवसाय में ही सहयोग करें।

संगम ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के चेयरमैन **रामपाल सोनी** ने संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं ने इतने सालों में कई विषयों, कई क्षेत्रों व कई समस्याओं को लेकर विभिन्न कार्यक्रम किये हैं, पर अधिवेशन की सार्थकता तभी है, जब वे अपने-अपने क्षेत्र, गांव व शहर जाकर यहां से ग्रहण किये हुए विचारों को फैलाएं, जागृति लाने का प्रयास करें। समय की मांग के अनुसार स्वयं में बदलाव लायें, अपनी क्षमता व टेलेंट को पहचानें। आने वाला समय टेलेंट का है, अतः उसका सदुपयोग करें।

श्रीमती राजश्री बिड़ला ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएं बदलाव को नहीं अपनाएंगी, तो पीछे रह जाएंगी। अतः बदलते परिवेश में परिवर्तन आवश्यक है। माहेश्वरी युवतियों को शिक्षा के साथ संस्कारों को भी जीवन में उतारना चाहिये। नारी ही परिवार को एक सूत्र में बांधकर रख सकती हैं। भारतीय नारी को आदिकाल से सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। परिवार, समाज एवं राष्ट्र उत्थान के कार्यों में महिलाएं प्रारंभ से ही अहम भूमिका निभाती आई हैं, आज भी शिक्षा, राजनीति, विज्ञान, खेल सभी क्षेत्रों में विश्व में भारत का नाम गौरवान्वित कर रही हैं, करती रहेंगी।

महामंत्री अ.भा. माहेश्वरी महासभा **रामकुमार भूतड़ा** ने अपने व्यक्तव्य में दर्शाया कि महिलाओं में अपार शक्ति व क्षमता है। समाज कई समस्याओं से गुजर रहा है और मातृशक्ति ही इनका समाधान भी कर सकती हैं। वर्तमान समस्याएं पारिवारिक विघटन, टूटते दाम्पत्य, लड़कियों की कमी सभी के बारे में नारी शक्ति ही सहयोग कर सकती है। वे ही घर स्वर्ग और नरक बना सकती है।

महापौर नगर निगम इंदौर **मालिनी गौड़** ने कहा कि हमारी संस्कृति के संवर्द्धन हेतु आप जो कार्य कर रही हैं, सराहनीय है। यहां समरसता देखने को मिल रही है। शिक्षा का महत्व दर्शाते हुए उन्होंने अपील की कि सभी 1-1 बच्चे को पढ़ाने का संकल्प लें, जिससे कोई शिक्षा से वंचित न रहे व 1-1 पौधा अवश्य लगाऐ, ताकि पर्यावरण को बचाया जा सके।

सृजन सेतु शब्द की व्याख्या करते हुए युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **कमल भूतड़ा** ने कहा कि यह अधिवेशन एक क्रियेटिव ब्रिज है, जिसके माध्यम से सभी कलाकारों की सृजनात्मकता एवं रचनात्मकता को समाज से जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। अधिवेशन की सफलता हेतु शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने सफलता का सूत्र दिया कि सिर्फ मां-बाप का दिल जीत लो, तो कामयाब हो जाओगे, वरना जीवन व्यर्थ है।

सम्मान के साथ विमोचन के आयाम

इसी अवसर पर विशिष्ट सेवाओं के लिए सूरजदेवी लड्ढा कोलकाता, सूरजदेवी बाहेती चैन्नई, सरस्वती रांदड़ चित्तौड़गढ़, शकुंतला मोहता चैन्नई, राधादेवी सोनी भीलवाड़ा, मंजू माहेश्वरी हैदराबाद, उषा झंवर लखनऊ, अनिता जावंधिया बनखेड़ी, मंगला बांगड उज्जैन, नीमल बेड़िया इंदौर, स्नेहप्रभा मूंदड़ा मुंबई, रश्मि मानधन्या मुंबई, रोहित सोमानी इंदौर इत्यादि का स्वागत व सम्मान किया गया। उद्घाटन समारोह के तहत "सृजन सेतु- 2016" महिला अधिवेशन की स्मारिका का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। अंचल की सभी उपाध्यक्ष सरला काबरा, आशा माहेश्वरी, ज्योति राठी, मंजू बांगड़, शैला कलंत्री तथा संपादक विनिता जाजू, पुष्पा बाहेती, सहसंपादक किरण लखोटिया, शोभा भूतड़ा आदि ने स्मारिका का कार्यभार संभाला था।

'परिणय सन्देश' का हुआ विमोचन

'विवाह प्रबन्ध सहयोग समिति' द्वारा 1500 बायोडाटा का संकलन कर प्रकाशित विवाह योग्य युवक-युवतियों की परिचय-पुस्तिका को "परिणय सन्देश" का भी विमोचन हुआ। संयोजिका शर्मिला राठी ने इस कार्य को बड़ी बखूबी से संभाला। कार्यक्रम का संचालन श्वेता सारड़ा ने किया एवं आभार स्वागत मंत्री समता मूंदड़ा व जिला सचिव प्रमिला भूतड़ा ने माना। उल्लेखनीय है कि श्रीमती राठी वेबसाइट www.maheshwari.org के माध्यम से भी सतत् सेवी देती रही हैं।

माहेश्वरी नारी का शक्तिप्रदर्शन कर गई शोभायात्रा

अगले दिन 10 जनवरी को प्रातः माहेश्वरी महिलाओं ने भव्य शोभायात्रा के द्वारा अपना शक्ति प्रदर्शन किया। इतिहास को आईना दिखाती महान ऐतिहासिक वीरांगनाएं, अहिल्याबाई, लक्ष्मीबाई, जीजाबाई, पन्नाधाय, राजनीति एवं व्यवसाय की प्रतिमूर्ति महिलायें, माहेश्वरी समाज की शिक्षा सजगता एवं शालीनता दर्शाती डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी, वकील, पायलेट, प्रोफेसर, सांसद महिलाओं का भव्य प्रदर्शन एवं 27 प्रदेश की महिलाएं परम्परागत पहनावे के साथ माहेश्वरी समाज की प्राचीनता एवं परम्परा के साथ आधुनिकता को स्वीकार कर आगे बढ़ते रहने की माहेश्वरी संस्कृति का सहज सुंदर एवं शालीनता से प्रदर्शन कर रही थी। जिसका गवाह इन्दौर शहर बना। शोभायात्रा का शुभारंभ समाजसेवी बी.डी. राठी, मंजूला मुछाल ने हरी झंडी दिखाकर राष्ट्रीय अध्यक्षा सुशीला काबरा, कार्यक्रम निर्देशिका गीता मूंदड़ा, महामंत्री कल्पना गगड़ानी एवं सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ किया। शोभायात्रा प्रभारी शैला कलंत्री एवं आशा माहेश्वरी ने अनुशासित रूप से शोभायात्रा को आगे प्रस्थान करवाया। पुष्प वर्षा, पुष्पहार, अल्पाहार, कोल्ड्रिंक, सूखे मेवे के साथ जगह-जगह भव्य सत्कार आर.एल. माहेश्वरी, प्रकाश सोडानी, हुकुमचंद राठी, निर्मल बागड़ी एवं बी.ड़ी राठी परिवार द्वारा किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगड़ानी ने इस भव्य शोभायात्रा में इंदौर नगरी व देश की ऐतिहासिक महिलाओं के जीवन पर प्रकाश डालते हुए शोभायात्रा का अति सुंदर संचालन किया।

नाटिकाओं के माध्यम से जिंदगी का सफरनामा

कार्यक्रम घर एक मंदिर में सफरनामा जिंदगी का विषय के अंतर्गत नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई। एक अनूठी नृत्य नाटिका पांचों अंचलों के सभी प्रदेशों की भागीदारी, तालमेल व नृत्य, नाटक, संवाद आदि विधाओं के भावपूर्ण प्रदर्शन से 'सृजन-सेतु' की भूमिका में महिला संगठन के 27 प्रदेशों की लगभग 100 सदस्यों ने नृत्य एवं संगीत के माध्यम से नाटक को अति सुंदर प्रदर्शन से सजाया। इस नाटिका में जीवन की विभिन्न अवस्थाओं बाल्यावस्था, किशोरावस्था, युवावस्था, अधेड़ावस्था तथा वृद्धावस्था को बारीकी से अत्यंत संवेदनशीलता के साथ दर्शाया गया। उपरोक्त विषयों पर सुंदर नाटिका की प्रस्तुति कर महिलाओं ने दर्शकों का मन जीत लिया। इस कार्यक्रम की प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मध्यांचल ज्योति राठी थीं।

प्रोफेशनल सेमिनार ने दिये सफलता के सूत्र

न्यायमूर्ति श्री आर.सी. लाहोटी ने व्यवसाय जगत में नारी की सफलता का कारण उनमें जन्मजात प्रबंधक का गुण होना बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय नारी कभी अबला नहीं रही बल्कि सबला ही है। यही कारण है कि उसे त्रिदेवी के रूप में जन्मदाता, पालनकर्ता व विनाशक अर्थात दंड देने वाली के रूप में पूजा जाता है। अतः उसे सशक्तिकरण के नाम पर पुरुष बनने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि वह नारी होकर जो कर सकती है, वह पुरुष बनकर नहीं। उन्होंने आधुनिक परिप्रेक्ष्य में महिलाओं से अपने व्यवसायिक तथा पारिवारिक दायित्वों में सामंजस्य रखने की अपील की। इसके लिये उन्होंने सफलता के 10 सूत्र भी दिये।

जयपुर के ख्यात अर्थशास्त्री व अधिवक्ता संजय झंवर ने "रिश्ते" विषय पर दिये अपने उद्‌बोधन में "रिश्तों" व "प्रोफेशनल" शब्द का शाब्दिक आधुनिक दौर में अर्थ बताया। उन्होंने कहा कि प्रोफेशनल शब्द का शाब्दिक अर्थ ही है अपने कार्य को अत्यंत व्यवस्थित व सुचारु रूप से करना। इसी तरह "रिश्ते" शब्द का ही व्यापक रूप "नेटवर्किंग" है। जिसके पास जो विशेषता है, उसका सभी मिलकर व्यवसायिक उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इसी से ऑनलाईन व्यवसाय करने वाली कम्पनियाँ सफल हो रही हैं।

चर्चा सत्र रहा प्रोफेशनल सेमिनार का द्वितीय सत्र

डॉक्टर्स, सी.एस., सी.एस. ग्रुप का अलग-अलग परिचय एवं टेबल चर्चा हुई। डॉ प्रीति माहेश्वरी, डॉ रश्मि जाजू, सी.ए. मृणालिनी बियाणी, सी.ए. इशानी माहेश्वरी ने प्रमुखता से सभी व्यवस्थाऐं सम्भाली सेमिनार को अंजाम दिय। प्रोफेशनल सेमिनार की गतिविधियाँ उद्‌घाटन के बाद दिनभर जारी रही। पहला ग्रुप सी.ए. ग्रुप मृणालिनी बियाणी, रचना माहेश्वरी, डॉ शशि गांधी, डॉ. रश्मि जाजू, डॉ. प्रीति माहेश्वरी, डॉ प्रीति लड्ढा का रहा। प्रोफेशनल सेमिनार के अंतर्गत टाक शो की संचालनकर्ता पंकज सोनी व नम्रता बियाणी थीं। ट्रांसपोर्टेशन वंदना लड्ढा, फाइनेंशल मेनेजर, अनिता न्याती, डॉ कोपल माहेश्वरी, डॉ आकांक्षा दम्माणी इत्यादि ने 4 ग्रुप में चार राउंड टेबल पर समूह चर्चा की। सूत्रधार पंकज सोनी व नम्रता बियाणी थी। इसमें प्रश्न किये गये जैसे सी.एस. के लिए प्रेक्टिस कैसे करें? ऑडिट क्या है? अगर किसी का सी.ए. क्लियर नहीं हो, तो क्या करना चाहिए? कामकाजी महिलाओं को अपना स्वास्थ्य कैसा रखना चाहिये? मध्यप्रदेश शासन की योजनाएं, बालक मेडिकल सीट कम हैं, तो प्रतिभावान छात्रों को क्या करना चाहिए? लेजर क्या है? नया बिजनेस शुरू किया है, लेकिन फंड नहीं है? युवा उद्यमी ऑनलाइन प्रोडक्ट बेचना चाहती हैं, कैसे? आदि। इन प्रश्नों का विशेषज्ञों ने उत्तर भी दिया।

घर को मंदिर बनाना हमारे हाथों में

कार्यक्रम "घर एक मंदिर" में प्रमुख अतिथि **विपीन माहेश्वरी** (एडीजी इंदौर) विशम्भरलाल काबरा, मनोरमा लड्ढा, रत्नीदेवी काबरा तथा पुष्पा मूंदड़ा ने अपने विचार रखे। उद्योगपति श्री काबरा ने कहा कि मंदिर हमारे धार्मिक विचारों से जुड़ा होता है। हम मंदिर में दर्शन करने जाते हैं, तो हमारी भावना शुद्ध हो जाती है। वैसे ही समाज में शुद्ध भावना अगर हो जाए तो समाज व घर एक मंदिर की तरह हो जाते हैं। एडीजी श्री माहेश्वरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की परिस्थिति को देखते हुए घर एक मंदिर नहीं रह पा रहा है। रोज मैं पुलिस में होते हुए देखता हूँ आये दिन पारिवारिक अपराधों की रिपोर्ट आती रहती है। घर एक मंदिर की सार्थकता अति आवश्यक है। इसके लिये सर्वप्रथम बच्चों को संस्कार दें। हम बच्चों से बोलते हैं झूठ नहीं बोलना, लेकिन जब फ्रेंड या कोई घर में आते हैं, तब हम ही उन्हें यह कहते हैं, बोल दो पापा घर पर नहीं हैं। आज हमारे अंदर जो कुरीतियाँ बढ़ गई हैं इससे हमारे घर में विघटन बढ़गया है। श्रीमती मूंदड़ा ने कहा कि जैसे ही हम गांव में प्रवेश करते हैं हमें घर एक मंदिर लगता है। मंदिर तो वहीं होता है, जहां सभी आदमी शांति से मिलते हैं। उड़ीसा के घर में यह प्रथा है कि घर में अगर तुलसी का पौधा लगाना है, तो वहां पहले उन्हें शराब छोड़ना होगी। श्रीमती काबरा ने कहा कि जिस घर में आदर, प्रेम व स्नेह है। रात्रि का भोजन सब साथ करते हैं, वही घर मंदिर होता है।

महिलाओं ने दिखाई उत्कृष्ट बौद्धिक प्रतिभा

ब्रेन हंट का आयोजन तीन राउंड में सम्पन्न हुआ। प्रथम राउंड में 50 प्रश्नों का लिखित राउंड सरिता मूंदड़ा एवं सहयोगी कार्यकर्ताओं ने कराया। इसमें से पाँचों अंचलों से सात-सात महिलाओं का चयन किया गया। चयनित 35 महिलाओं को कुछ पहेलियाँ देकर कार्यक्रम स्थल के विभिन्न स्थानों से उत्तर ढूंढने वाला ट्रेजर हंट महामंत्री कल्पना गगड़ानी द्वारा रोचक ढंग से खिलाया गया। शेष 15 महिलाओं का फाइल राउंड

मुख्य मंच पर आडियो, वीडियो राउंड सहित पांच राउंड में ब्रेन हंट में सम्पन्न हुआ। इसके सूत्रधार उजास एनर्जी के ज्वाइंट एमडी अनुराग मूंदड़ा, इंदौर थे। विनित काबरा , पूजा पसारी व सरिता मूंदड़ा ने क्विज की विभिन्न व्यवस्थाएं संभाली।

सोश्यल मीडिया के उपयोग पर वाद-विवाद

वाद-विवाद प्रतियोगिता का ज्वलंत विषय था "सोशल मीडिया मानव जीवन के लिए वरदान है।" इस विषय पर रोचक बिग फाइट हुआ, जिससे सदन में भी उपस्थित महिलाओं के "ज्ञान चक्षु" खुल गये। इस स्पर्धा के सम्मानीय अतिथि श्याम सोनी (पूर्व महामंत्री महासभा), अशोक डागा, गोविंद मालू व सरला काबरा ने भी उपरोक्त ज्वलंत विषय पर समीक्षा कर अपने विचार रखे। श्री सोनी ने निर्विवाद रूप से महिलाओं की योग्यता को स्वीकारते हुए युवाओं से भी अपनी योग्यता बढ़ाने की अपील की। अतिथियों का स्वागत तनुजा न्याती ने किया। कार्यक्रम का संचालन कांता गगरानी राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ने किया।

इन्होंने फहराया प्रतियोगिताओं में परचम

पोस्टर प्रतियोगिता- विषय "संस्कार हमारे आओ संवारे गांव हमारें" में प्रथम अदिति भांगडिया-महाबलेश्वर (महाराष्ट्र), द्वितीय खुशबू जवांधिया होशंगाबाद (मध्यप्रदेश) व तृतीय शांति धूत अजमेर मध्य राजस्थान रहीं। विषय "वैल्पिक ऊर्जा के स्त्रोत" में प्रथम पुष्पलता मालानी-अहमदाबाद (गुजरात), द्वितीय शोभा बंग-धमतरी (छ.ग.) व तृतीय शीतल न्याती (पश्चिम मप्र) रहीं।

स्लोगन प्रतियोगिता- विषय "प्रदर्शन आडंबर, फिजलखर्ची" में प्रथम सोनल बाहेती इंदौर (पश्चिम म.प्र.), द्वितीय सुनीता बियाणी श्रीगंगानगर (बीकानेर संभाग) व तृतीय सीमा भट्टड-कोलकाता रहीं। विषय "संवारों संस्कार, संभालों परिवार" में प्रथम अनिता धूत नवगांव (आसाम), द्वितीय सुनीता बिहाणी श्रीगंगानगर (बीकानेर) व तृतीय रंजना झंवर सीहोर (म.प्र.) रहीं।

कोलाज प्रतियोगिता- इसमें प्रथम आसाम प्रदेश, द्वितीय कोलकाता प्रदेश व तृतीय विदर्भ प्रदेश रहा।

कार सजाओ प्रतियोगिता- आंचलिक में प्रथम मध्यांचल, द्वितीय उत्तरांचल, तृतीय दक्षिणांचल सह पूर्वांचल तथा प्रोत्साहन पुरस्कार का विजेता पश्चिमांचल रहा।

देशभक्ति गीत प्रतियोगिता- इसमें प्रथम पूर्वी मध्यप्रदेश, द्वितीय मध्य उत्तरप्रदेश, तृतीय कर्नाटक प्रदेश, चतुर्थ विदर्भ व पंचम छत्तीसगढ़ प्रदेश रहा। प्रोत्साहन पुरस्कार महाराष्ट्र प्रदेश व दिल्ली को संयुक्त रूप से मिला।

ब्रेन हंट- इस क्वीज कान्टेस्ट में प्रथम पश्चिमांचल, द्वितीय उत्तरांचल तथा तृतीय मध्यांचल रहा।

फ्यूजन डांस प्रतियोगिता- इसमें प्रथम दक्षिणांचल, द्वितीय मध्यांचल व तृतीय पश्चिमांचल रहा। प्रोत्साहन पुरस्कार पूर्वांचल व उत्तरांचल को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ।

वाद-विवाद प्रतियोगिता- इसमें पक्ष में प्रथम मनीषा बाहेती (भोपाल), द्वितीय सुनीता रांदड़ (अजमेर) व प्रोफेसर रचना बजाज (इन्दौर) तथा तृतीय वर्षा डागा (कोलकाता) रहीं। प्रोत्साहन पुरस्कार सुनीता चरखा (जलगाँव) व अनिता धूत (आसाम) को प्राप्त हुए। विपक्ष में प्रथम कविता दीवान (मथुरा), द्वितीय सुनीता बियाणी (गंगानगर) व तृतीय छाया राठी (जोधपुर) रहीं। प्रोत्साहन पुरस्कार चेतना जाखेटिया (भीलवाड़ा) व सुमन जाजू (बहादुरगढ़) को प्रदान किये गये।

आयोजन की भव्यता पर एक नजर

60,0000 स्क्वेयर फीट के वृहद पांडाल में समाज की विभूतियों से सजा मंच और सामने बैठी देश के कोने-कोने से आई सदस्याएं। पांडाल की बांयी ओर अस्थायी पंजीयन व पूछताछ कार्यालय था जहां नवागतों के स्वागत एवं चर्चा में सदस्याऐं व्यस्त थी। कई स्टॉल्स सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशकों को आवंटित किये गये। इन्हीं के सामाने महिला चेरिटेबल ट्रस्ट, इंदौर द्वारा मेडिकेयर हॉस्पिटल के सौजन्य से ब्लड डोनेशन कैंप व बोन डेन्सिटी परीक्षण शिविर लगाकर सेवा कार्य किया गया। समीप ही करीब 80 स्टाल सज-धजकर तैयार थे, जिनमें अधिकांश का संचालन महिला उद्यमियों द्वारा किया जा रहा था। बीच के पेसेज में दुल्हन की तरह सजी पांच कारें सबके आकर्षण का केंद्र बनी। पांचों अंचलों ने अलग-अलग विषयों की अभिव्यक्ति कलात्मक एवं संदेशात्मक रूप से इन कारों को माध्यम बनाकर कल्पना को आकार दिया। सामने की दीवार स्लोगन, पोस्टर एवं कोलार्ज द्वारा प्रादेशिक गतिविधियों का दिग्दर्शन करा रही थी। वहीं एक ओर राष्ट्रीय कार्यक्रमों के फ्लेक्स, महाधिवेशन की पूर्व तैयारियों का दिग्दर्शन कराते दिखाई दिये। विशाल सभागृह में कर्णसुख एवं नयन सुख था तो ओमनी रेसीडेंसी में बना भोजन पांडाल क्षुधा-शांति का पर्याय बना जिसकी प्रशंसा हर जुबां पर थी। इसी के साथ प्रथम बार प्रोफेशनल सेमिनार समाज की प्रबुद्ध डॉक्टर, सीए, सीएस, महिला उद्यमी एवं फैशन डिजाइनर बहनों के सम्मिलन का साधन बना। वे सभी खुश थी कि संगठन ने उनको महत्व देकर एक-दूजे के लिये चिंतन करने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

समापन में भी संस्कारों की गूंज

अंतिम दिवस को अधिवेशन का समापन समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू तथा विशेष अतिथि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री संदीप काबरा थे। श्री जाजू ने अपने उद्‌बोधन में संगठन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन में बहुत बड़ी शक्ति है। इससे हर व्यक्ति का छोटा से छोटा गुण भी सामुहिक रूप से सर्वश्रेष्ठ बन जाता। माहेश्वरी समाज कितना सशक्त है, इसका सबूत महेश नवमी पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुभकामना संदेश देना भी है। हमारे समाज की महिलाऐं बधाई की पात्र हैं, क्योंकि महिला संगठन नारी सशक्तिकरण सहित जिन एजेंडो पर लंबे समय से कार्य कर रहा है, ये ही मोदी जी द्वारा देश के लिये निर्धारित किये गये हैं। संगठन मंत्री श्री काबरा ने कहा कि भारतीय नारी अबला नहीं बल्कि सबला है। यही कारण है कि यहां शक्ति के स्वरूप के रूप में देवी की पूजा होती है, न कि देवता की। उन्होंने विश्व स्तर पर भारतीय नारी की तुलना करते हुए कहा कि भारत ही नारी को उसके अधिकार देने में सबसे अग्रणी रहा है। उन्होंने संस्कार संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि वही जाति-समाज बचता है, जिसने सृजन, भोजन व संस्कारों को बचाकर रखा है। अतिथियों का आभार राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील काबरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीमती काबरा के सुपुत्र दिनेश काबरा ने इस आयोजन को लेकर स्वरचित कविता भी सुनाई, जिसकी सभी ने सराहना की। इस आयोजन में सहयोग के लिये अन्य कार्यकर्ताओं के साथ श्रीमती काबरा के तीनों पुत्रों का भी सपरिवार सम्मान किया गया।

कब, कहाँ और कैसे सम्पन्न हुआ 'सृजन सेतु'

गत 9 से 11 जनवरी तक देवी अहिल्या की नगरी इन्दौर में अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला महाधिवेशन आयोजक इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के लिये बहुत बड़ी चुनौती था। इसकी मेजबानी इन्दौर ने 30 वर्ष बाद की थी। आईये जानें संयोजिकाओं की नजर से कैसे निभाई संगठन ने यह चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी?

श्रीमती कमल राठी व ललिता मालपानी, इन्दौर

इस सत्र का घोष वाक्य, श्रेष्ठ जीवन का आधार शिक्षा, सुरक्षा व संस्कार को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मून्दड़ा के दिशा-निर्देशन में इन्दौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने इस महायज्ञ की बागडोर अध्यक्ष वीणा सोमानी व सचिव प्रमिला भूतड़ा ने अपने करकमलों में सम्हाली। 40 वर्षो से सक्रिय महिला संगठन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर बेशक महिलाओं ने कामयाबी की नई ऊंचाईयां हासिल की है, अपने हौंसले को नई उड़ान दी हैं। इन्हें और आगे बढ़ाने, बुलंदियों तक पहुँचाने का प्रयास है, 'सृजन सेतु'। कुछ नया करने का संकल्प, प्रदेशों, जिलों के बीच विभिन्न प्रतियोगिता के माध्यम से जुड़ने का अवसर, युवा पीढ़ी, उद्यमी, व्यवसायी, डॉक्टर्स, विभिन्न कार्यालयों में कार्यरत हमारी युवा साथी व हमारी धरोहर को समाज से जोड़ने का सेतु है, यह। सृजन सेतु का आयोजन जो कि 9,10,11 जनवरी 2016 को ओमनी रेसीडेंसी, ओमनी ग्रांड में निर्विघ्न, सकुशल सम्पन्न हुआ।

जैसा कि हमारी परम्परा है काम निर्विघ्न सम्पन्न हो सभी सखी सहेलियां विघ्न विनाशक गणेश जी को मनाने खजराना गणपति मंदिर में अर्जी लगाने पहुंची। काम की रूपरेखा एवं बैठकर योजना बनाने हेतु दूसरा कदम था कार्यालय का उद्घाटन जो कि हमारी पार्षद बहन लता लड्ढा एवं स्वागत अध्यक्षा पुष्पा जाजू एवं मंत्री समता मून्दड़ा द्वारा सम्पन्न हुआ। अखिल भारतवर्ष से आई बहनों की मेहमान-नवाजी करनी थी। अतः व्यवस्था सुचारू रूप से सम्पन्न हो इस हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर कार्य का विभाजन किया गया।

समन्वय समिति द्वारा समय-समय पर सलाह देकर कार्य को गति प्रदान की गई। किसी भी आयोजन मे अर्थसंग्रह अत्यंत महत्वपूर्ण है,उसका जिम्मा उठाया सरस्वती सारड़ा ने। जैसे ही राज्यों में परिपत्र, मीडिया द्वारा सूचना पहुंचने लगी उनका पंजीयन "पंजीयन समिति" द्वारा प्रारम्भ हो गया। मेहमानों को ठहराने एवं आने-जाने का जिम्मा लिया, आवास व्यवस्था के सदस्यों ने। इन्दौर शहर में पहुंचने के बाद अपने गन्तव्य तक पहुंचाने का भार था, यातायात समिति गठित की गई। इतना वृहद आयोजन सब तक खबर पहुंच सके इस हेतु प्रचार-प्रसार समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर स्मारिका छापने हेतु अलग-अलग समिति का गठन किया गया। कुछ बहनों ने भोजन व्यवस्था में रूचि दिखाकर वहां का कार्यभार संभाला। औद्योगिक मेले की व्यवस्था मेला समिति सम्हाल रही थी। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का दायित्व सांस्कृतिक समिति के पास था। हेल्प डेस्क पूछताछ का जवाब देने में व्यस्त थी, तो विभिन्न प्रतियोगिताओं को सहयोग देने में दूसरी बहनों की टीम लगी थी। आज के युग में कम्प्यूटर का अपना महत्व है। कुछ हमारे युवा साथी वेबसाइट, कम्प्यूटर में अपना कमाल दिखा रहे थे। वहीं स्वास्थ्य समिति आगन्तुकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही थी। आयोजन की मुख्य प्रस्तुति शोभायात्रा अनूठा एवं अद्भुत आयोजन था, सभी समाज बंधु अपना सहयोग प्रदान कर रहे थे। प्रथम बार आयोजित प्रोफेशनल सेमिनार को डॉक्टर्स, सी.ए., उद्यमी व फैशन डिजाइनर बहनों के अथक प्रयास से सफल बना सके। जब अनेक हाथों का संयोग, उनकी सलाह,

उनके विचार उसे सम्पन्न करते हैं, तो अंजाम आप सबने देखा ही।

आयोजन की भव्यता एवं विस्तृत रूप को एवं आगन्तुक महानुभावों का इन्दौर शहर में आतिथ्य हो सके इस हेतु होटल अप्सरा में प्रेस कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। जैसा कि आप सब जानते हैं, समाचार पत्र, न्यूज चैनल के माध्यम से सारी गतिविधियों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई गई। करीब 2 महीनों से तैयारी करते इंतजार की घड़िया समाप्त हुई, 9 जनवरी का उत्साहित भौर आगमन। दूर से आने वाले समय को ध्यान में रखते हुए 8 जनवरी को पधार गए और सभी समितियां अपने-अपने कार्यों को अंजाम देने में तत्परता से लग गई। मेले की व्यवस्था 8 की शाम एवं 9 की भौर से सभी स्टाल सजने लगे, ताकि व्यापार के प्रचार-प्रसार के साथ विभिन्न राज्यों की बहनों के साथ समन्वयन कर व्यापार विस्तारित कर सकें। औद्योगिक मेले के कुछ क्षण बाद 'स्वास्थ्य शिविर' वाले अपने निरीक्षण परीक्षण में व्यस्त हो गए ताकि अधिक से अधिक बहनें इसका लाभ उठा सकें।

अवसर था कि तीन दिवसीय आयोजन के औपचारिक उद्घाटन का। हमारे सम्मानीय अतिथियों का इन्दौर आगमन, हृदय में अपार प्रसन्नता,उत्साह के साथ आयोजन स्थल पर उनका स्वागत। उनका उद्बोधन, मार्गदर्शन, कुछ बहनें संचार व्यवस्था का उपयोग कर उनके वचनों को मोबाइल, कैमरे में कैद करके अपने परिवारजन जो वहां उपस्थित नहीं थे, उन्हें सुनाने को आतुर थीं। स्वयं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती काबरा का स्वागत उद्बोधन आत्मीयता एवं प्रसन्नता से परिपूर्ण था। श्रीमती राजश्री बिड़ला व सुभाष मून्दड़ा इन्दौर आगमन एवं स्वागत से प्रसन्न थे। इस समय एक तरफ हमारी बेटियां अपना व्यापार व्यवसाय का परचम किस तरह फैलाए एवं अपनी एक नई पहचान कैसे बनाऐं इसके लिये विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त कर रही थीं। वहीं दूसरी तरफ राउन्ड टेबल कांफ्रेंस में लघु उद्यमी एवं फैशन डिजाइनर्स किस तरह एक-दूसरे की मदद कर सकें, इस पर परिचर्चा करने में व्यस्त थे। शाम होते ही मंच पुनः सज गया, महिला शक्ति की अद्भुत कला के प्रदर्शन के लिए। फ्यूजन के रूप में शास्त्रीय, लोक, पाश्चात्य और बालीवुड नृत्यों का मिला-जुला रूप, प्रस्तुति देखते ही बन रही थी। हमारे अपने हमारी बहनें, इसी कला की पारखी आँखे झपकने को तैयार नहीं (न ही जज निर्णय कर सके कि कौन श्रेष्ठ, कौन निम्न,सब एक से एक उम्दा प्रस्तुति)। फैशन शो के माध्यम से हमारी माहेश्वरी फैशन डिजाईनर बहनों द्वारा वस्त्रों की उम्दा प्रस्तुति दी गई। उनकी कला, उनका वस्त्रों पर किया हुआ डिजाइन। तालियों की गड़गड़ाहट से आयोजन स्थल गूंजता रहा।

पांचों अंचल द्वारा कार सजाओं प्रतियोगिता के द्वारा सामाजिक, राष्ट्रीय, पारिवारिक संदेश प्रस्तुत किया गया। कोलार्ज के द्वारा सभी प्रदेश अपने कार्यकाल में हुई गतिविधि, उनकी जानकारी व भावी योजनाओं को प्रस्तुत कर रहे थे। स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता द्वारा हमारी समस्याएं बेटी बचाओं, सफाई, प्लास्टिक का उन्मूलन, बीमारियों से बचाव आदि ज्वंलत समस्याएं प्रस्तुत की गई। वहीं स्लोगन के माध्यम से सीमित शब्दों द्वारा दिल छू देने वाले संदेशों को प्रस्तुत किया गया। 10 जनवरी की भौर महिला सशक्तिकरण का उदाहरण बनी। देवी अहिल्या की नगरी मालवांचल में नारी शक्ति को बुलन्द करते हुए 20 राज्यों से पधारी महिलाएं अग्रिम पंक्ति में भारतीय पुलिस अधिकारी किरण बेदी, लक्ष्मीबाई बनी घोड़े पर सवार, तो अहिल्याबाई, जीजाबाई बन पालकी में विराजमान, राजनीतिक प्रदर्शन करते हुए जीप में इंदिरा गांधी, तो सरोजनी नायडू, तो कहीं कल्पना चावला, सुनिता विलियम, तो कोई पायलट बन कर हवाई जहाज उड़ाने को तैयार। शोभायात्रा मेघदूत से निकलकर विभिन्न मार्गो पर होते हुए ओमनी रेसीडेंसी पहुंची। शोभायात्रा देखने को दर्शक घरों से निकलकर स्वागत करने को आतुर, साथ ही हमारी युवा पीढ़ी भी अपना उत्साह प्रकट करने वहां उपस्थित थीं। समाचार-पत्र मीडिया द्वारा भी इस शोभायात्रा को बहुत सराहा गया।

इसी दिन प्रोफेशनल सेमिनार में युवा वर्ग को समाज से जोड़ने के प्रयास में सम्पूर्ण भारत से डाक्टर, सीए, महिला उद्यमियों एवं फैशन डिजाइनरों ने उपस्थिति दर्ज कराई। डिजाइनर अपना कलेक्शन लेकर पूना,

बनारस, मुंबई से पधारीं। हमारी बहनों की डिजाइन, कलाकृति देखकर दर्शक मुग्ध थे। उस पर न्यायाधीश आर.सी.लाहोटी साहब एवं संजय झंवर का मार्गदर्शन एवं पूर्व अध्यक्षा गीता मून्दड़ा का निर्देशन, पंकज सोनी एवं नम्रता बियाणी के संयोजन ने आयोजन को संपूर्णता प्रदान की। दूसरी तरफ साकार हाल में ब्रेन हंट द्वारा भीतर की रचनात्मक शक्ति को प्रकट करने के उद्देश्य से सभी अंचल उसमें बढ़-चढ़कर भाग ले रहे थे। इस दिन का तीसरा आयोजन था ट्रेजर हन्ट, समय पर उचित निर्णय लेकर ज्ञान की अभिव्यक्ति करते हुए अपने-अपने लक्ष्य को खोजने का भरपूर प्रयास करते हुए अपनी शीर्षता की ओर बढ़ने में व्यस्त। गीत प्रतियोगिता की समाप्ति के साथ ही टॉक शो के आयोजन ने बहनों की जिज्ञासा का समाधान किया। प्रभारी डॉक्टर्स ने स्वास्थ्य, तो सीए द्वारा महिला उद्यमियों को व्यापार में आने वाली परेशानियों का समाधान बताया गया। वहीं उपस्थित विशेषज्ञ इस राह को सुगम बनाने हेतु अपने अनुभव से निर्देशन प्रदान कर रहे थे।

इस दिन की रात्रि का मुख्य आयोजन था- "घर एक मंदिर-सफरनामा जिंदगी का।" पाँचों अंचल के 27 प्रदेशों की लगभग 100 बहनों द्वारा जीवन की विभिन्न अवस्थाएं, बचपन से लेकर बुढ़ापे तक की अवस्थाएं, उनमें आने वाली परेशानियां, बदलता परिवेश व सामंजस्य को नृत्य-नाटक एवं आपसी संवाद द्वारा प्रस्तुत किया गया। इनकी तारीफ करने में शब्द कम पड़ते हैं-विभिन्न प्रदेश अपने-अपने अचंल में समाहित होकर प्रस्तुत थे। 11 जनवरी को भौर के साथ बहनों की बौद्धिकता के विकास की प्रस्तुति ब्रेन हंट में क्विज के द्वारा प्रस्तुत की गई। कल्पना गगड़ानी एवं अनुराग मून्दड़ा द्वारा बहुत ही सुन्दर ढंग से प्रश्नों के माध्यम से अपने-अपने अंचल,अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने में प्रयासरत बहुत ही सुन्दर आयोजन। दूसरी तरफ फैशन विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तित्व को किस तरह निखारा जाए, कार्यक्षमता में वृद्धि, तनाव से मुक्ति आदि विषयों पर परिचर्चा चली रही। "सोशल मीडिया मानव जीवन के लिए वरदान है" इस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता। इसमें विपक्ष में मीडिया के दुष्प्रभाव, रिश्तों का बिगड़ा रूप, पारिवारिक असामंजस्य, टूटते रिश्ते, बिखरते सपने पर महिलाओं ने मुद्दा उठाकर उनसे जागृत होने की अपील की। वहीं पक्ष में महिलाओं ने उत्तरोत्तर व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि, घंटों का काम मिनटों में होने की दुहाई दी। तीन दिवसीय गतिविधियाँ अब समापन की ओर अग्रसर थी।समालोचन के लिए हाजिर थे भाजपा उपाध्यक्ष श्याम जाजू, माहेश्वरी पत्रिका के चेयरमेन रामावतार जाजू व संगठन मंत्री महासभा संदीप काबरा। सभी अतिथियों द्वारा इस आयोजन को सराहा गया।

इस भव्य आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से जुड़े कार्यकर्ता के साथ उनके पीछे उनके सहयोगी व उनके परिवार भी धन्यवाद के अधिकारी हैं। राष्ट्रीय स्तर का आयोजन सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में आयोजन की रूपरेखा के साथ अपने-अपने क्षेत्र की महिलाओं के साथ पिछले 2-3 महीनों से कार्यरत रहे। उनका प्रयास आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण रहा। पांडाल व्यवस्था में साबूजी छोटी बड़ी सुविधाएं प्रदान करने में व्यस्त कि कहीं बहनों को किसी तरह की परेशानी न हो। वहीं भोजन विभाग में लालावतजी की टीम सुबह 6 बजे हो या रात के 12 बजे गरमा गरम भोजन परोसने में रहीं तत्पर।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का इंदौर में आयोजित महिला महाअधिवेशन ''सृजन सेतु'' संगठन के दशम सत्र का सबसे बड़ा व प्रतिष्ठापूर्ण आयोजन था। वहीं यह इस सत्र की अध्यक्ष सुशीला काबरा के लिये बहुत बड़ी चुनौती भी था। यह चुनौती किस तरह सभी के सामूहिक प्रयासों से आसान हो गई, आईयें जाने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा की जुबानी सभी से मिले सहयोग की कहानी।

सभी के सहयोग से यादगार बना 'सृजन सेतु'

समाज के उत्थान एवं महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु कई कार्यक्रम विगत वर्षों से आयोजित किये जा रहे हैं। इस दशम सभा में दस समितियाँ बनाकर ''अभ्युदयम् ओजसम्'' किशोरी विकास शिविर, अर्ध्यम् महिला सुरक्षा एवं संस्कार आह्वानम् पूर्वांचल सम्मेलन आदि कार्यक्रम राष्ट्रीय पदाधिकारियों, समिति संयोजकों एवं प्रादेशिक संगठनों के सहयोग से सुचारु से सम्पन्न हुए।

आज की शिक्षित युवा-नारी महत्वाकांक्षी एवं निर्णय क्षमता रखने वाली हो गई है। सिर्फ घर की सजावट या बच्चों के स्कूल ही तय नहीं करती है, वह कार कौन सी लेना है या किस बैंक में खाता खोलना है या म्यूचल फंड सरकारी लेना है या प्रायवेट सभी में दखल एवं निर्णय लेने की क्षमता रखने लगी हैं। अतः संस्कारों एवं ऊसूलों में बंधे रहकर जीवन शैली की गरिमा बनाये रखकर कैसे कार्पोरेट कल्चर को अपनाया जा सकता है। इन्हीं सब विषयों पर चर्चा करने हेतु सामाजिक मंच के तहत इस अधिवेशन के माध्यम से एक सेतु का सृजन किया गया, जिसने ''सृजन सेतु 16'' के अंतर्गत अनुभवी एवं भावी पीढ़ी को जोड़कर सार्थकता प्रदान की।

सन् 2013 में राष्ट्रीय महिला संगठन का पदभार ग्रहण करते ही, अपने गृह नगर इंदौर में महिलाओं का एक वृहद् सम्मेलन आयोजित करने की रूपरेखा मानस पटल पर अंकित हुई। विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से यह विचार इंदौर के समाजजनों तक प्रस्तारित किया एवं इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष वीणा सोमानी एवं सचिव प्रमिला भूतड़ा ने आतिथ्य भार ग्रहण कर इसे मूर्त रूप देने में पूर्ण सहमति व सहभागिता दर्शाई। इंदौर की समस्त सामाजिक संस्थाओं ने सहर्ष सहयोग प्रदान करने के आश्वासन दिये। विभिन्न योजनाएं बनाई गई, कार्यक्रम तय किये गये, कार्यकर्ता जुड़ते गये, कारवां बढ़ता गया, जिसके विराट-स्वरूप के प्रत्यक्षदर्शी हैं आप सभी। गीता मूंदड़ा द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई एवं संयोजक द्वय ललिता मालपानी एवं कमल राठी को जिम्मेदारी सौंपी गई, राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगरानी की कल्पना व शोभा न्याती की शोभाश्री संवारने में रत हो गई एवं अपनी कल्पनाओं से कार्यक्रम को सजाने-संवारने में व्यस्त हो गईं। पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय सभी क्षेत्रों को विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से छुआ गया, जोड़ा गया एवं उनमें व्याप्त समस्याओं के समाधान हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। जीवन की जन्म से लेकर सुहानी संध्या तक की घटनाओं को दर्शाया गया ''सफरनामा जिंदगी का'' में। देशभक्ति के तराने गाकर राष्ट्रीयता की भावना को जगाया गया, स्वास्थ्य के प्रति जागरुक होने एवं ब्लड डोनेशन के माध्यम से मानवता को जगाया गया। समस्त समस्याओं को कम शब्दों में बड़ा भाव प्रदर्शित कर बहनों ने अपनी बौद्धिकता दर्शाई, तो ग्राम विकास में कलात्मकता भी दर्शाई। ''कार सजाओ'' में कला एवं बुद्धि दोनों का था सम्मिश्रण, प्रादेशिक कोलार्ज में प्रदेशों ने अपनी गतिविधियाँ दर्शाई। औद्योगिक मेले के माध्यम से बहनों को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनने हेतु एक प्लेटफार्म दिया एवं फैशन डिजाइनरों द्वारा निर्मित वस्त्रों को प्रदर्शित किया। फैशन शो के माध्यम से मंच प्रदान कर प्रोफेशनल सेमिनार में समाज की डॉक्टर, सी.ए., उद्यमी व फैशन डिजाइनरों को जोड़ने का प्रयास था, यह सृजन सेतु। ''सोशल मीडिया मानव जीवन के लिये वरदान है या अभिशाप'' में बहनों ने जो प्रतिभा एवं क्षमता दर्शाई, लोगों ने दांतों तले अंगुली दबाई। शोभायात्रा के माध्यम से कल, आज और कल की नारी शक्ति का जीवंत प्रदर्शन एवं नारों के माध्यम से अभिव्यक्ति दोनों इंदौरवासियों के मन में एक अमिट छाप छोड़ गई, नारी शक्ति।

यह सब सफल व सार्थक हुआ राष्ट्र के पदाधिकारियों एवं दानदाताओं के सहयोग से तथा इंदौर के समस्त कार्यकर्ताओं, दानदाताओं, प्रतियोगियों, कलाकारों एवं संपूर्ण भारत व इंदौर से पधारे अतिथिगणों एवं दर्शकों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मिले सहयोग तथा सहयोगकर्ता बने मीडिया व फोटोपिया, प्रचार-प्रसार व प्रकाशन सहयोगियों से और इन सबके साथ सुस्वाद गर्मागरम भोजन परोसने वाले ललावतजी एवं उनकी टीम से। जिनके लिये अतिथि बार-बार इंदौर के भोजन की तारीफ करके गये। अतः इन सभी का राष्ट्रीय संगठन की ओर से धन्यवाद एवं आभार ये सभी बधाई के पात्र हैं, जाने अनजाने हुई त्रुटियों या कमियों के लिये हम क्षमाप्रार्थी हैं।

उज्जैन के आगामी 22 अप्रैल से 21 मई तक लगने वाले 'सिंहस्थ महापर्व' में इस बार श्रद्धालु एक अनूठी अनुभूति करेंगे। यह होगी श्रीहनुमान चालीसा से ध्यान के द्वारा धर्म-आस्था और शांति की अनूठी अनुभूति। इसके लिये जीवन प्रबंधन गुरु पं. विजयशंकर मेहता के सान्निध्य में सिंहस्थ के भूखी माता जोन में लगने जा रहा है, शिविर ''हनुमत धाम''। आइये देखें क्या रहेगा, इसमें आपके लिये खास।

सिंहस्थ महापर्व के दौरान

धर्म-आस्था और शान्ति की अनुभूति करवाएगा

हनुमतधाम

सिंहस्थ के दौरान हनुमतधाम में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में प्रमुख होगी मेडिटेशन विथ हनुमान चालीसा यानि हनुमान चालीसा से ध्यान का कोर्स। जीवन में सफलता के साथ शांति प्राप्त करने का यह अचूक मंत्र है। वैसे पूज्य गुरु पं. मेहता द्वारा मेडिटेशन का आग्रह कई वर्षों से किया जा रहा है। लाखों भक्त इससे लाभान्वित भी हुए हैं लेकिन सिंहस्थ के दौरान इसे हनुमान चालीसा के साथ जोड़ते हुए व्यवस्थित कोर्स के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कराया जाएगा। योग विधि की दृष्टि से यह विश्व की अनूठी अवधारणा होगी। मनुष्य के शरीर में सात चक्र होते हैं और हर एक का अपना स्वभाव और पंक्ति मंत्र है। कुछ चौपाइयां ऐसी भी हैं जिन्हें किसी चक्र विशेष से जोड़ते हुए जपा जाए तो अद्‌भुत परिणाम मिलेंगे। हनुमान चालीसा की प्रत्येक चौपाई को यदि हमारी आती-जाती सांस से जोड़ दिया जाए तो मेडिटेशन आसानी से हो जाता है। इसी पूरी आध्यात्मिक क्रिया के लिए श्री हनुमान चालीसा से मेडिटेशन का विशेष कोर्स तैयार किया गया है, जिसका लाभ सिंहस्थ के दौरान उठाया जा सकता है। इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है।

आप भी कर सकते हैं हनुमान चालीसा से ध्यान

हनुमतधाम में पूरे एक माह के लिए अस्थाई मंदिर का निर्माण कर उसमें स्थापित हनुमानजी की पारदर्शी प्रतिमा के माध्यम से मानव शरीर के सात चक्रों में ऊर्जा किस प्रकार ऊपर-नीचे होती है, यह समझाया जाएगा। निश्चित रूप से करोड़ो लोग प्रतिमा के दर्शन कर हनुमानजी की भक्ति के प्रति नई समझ लेकर जाऐंगे। इसी मंदिर के साथ एक मेडिटेशन सेंटर स्थापित होगा जहां 'मेडिटेशन विथ हनुमान चालीसा' का अनूठा कोर्स कराया जाएगा। कोर्स की अवधि 24 मिनट रहेगी, जो मनुष्य को पूरे 24 घंटे के लिए ऊर्जावान बनाए रखेगी। कोर्स को लेकर महिला-पुरूष, बच्चे-बूढ़े जैसी कोई बाध्यता नहीं होगी। इसके अलावा व्यावसायिक संस्थानों से जुड़े लोग व विद्यार्थी भी इसका लाभ ले सकते हैं। जो भी इस कोर्स के सहभागी होगे उन्हें एक डॉकेट दिया जाएगा। जिसमें ऐसी सामग्री होगी जिसके माध्यम में नियमित ध्यान की क्रिया आसानी से सीखी व की जा सकती है।

सिंहस्थ Simhastha UJJAIN 2016

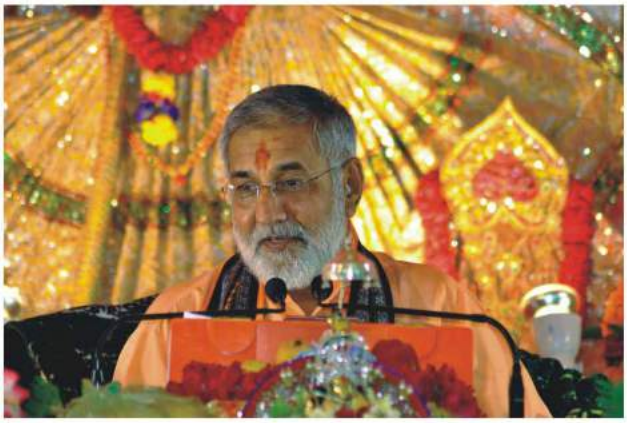

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

- श्री हनुमान चालीसा से ध्यान 23-24 अप्रैल
- नारी शक्ति और हनुमानजी 30 अप्रैल 01 मई
- युवाओं के रोल मॉडल हनुमानजी-07-08 मई

इसके अलावा व्यावसायिक संस्थाओं से जुड़े प्रबंधकों के लिए विशेष एक दिवसीय कार्यशालाएं भी होगी।

श्रृद्धालुओं की मेहमाननवाजी की भी पूर्ण तैयारी

हनुमत धाम में पधारने वाले सभी श्रृद्धालु जीवन प्रबंधन समूह के खास मेहमान होंगे। आपकी मेजबानी का अवसर प्रबंधन समूह का सौभाग्य होगा। इसलिए पूरा प्रयास होगा कि जब भगवान महाकाल की नगरी में इस पुनीत प्रयोजन से आएं तो आपको किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसलिए यहां आपके आवास-भोजन आदि की विशेष सुविधाएं जुटाई जाएंगी। स्थान सीमित होने से इन व्यवस्थाओं का लाभ पूर्व से आरक्षण (पहले आओ-पहले पाओ) के आधार पर उठा पाना संभव होगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन, बुकिंग आदि की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सुविधा के बदले श्रृद्धालुओं से प्राप्त होने वाली दान राशि का उपयोग विभिन्न जनोपयोगी गतिविधियों में किया जाएगा। इस संबंध में समन्वयक योगेश कर्नावट 09165500001 व कुश मेहता 09111128008 से संपर्क कर एंडवांस बुकिंग करवाई जा सकती है।

धर्म-आध्यात्म के रंग से रंगा रहेगा हनुमत धाम

- पूरे 30 दिन पूज्य गुरूजी के कथा-प्रवचन
- हनुमान चालीसा के साथ ध्यान व योग सत्र
- युवा पीढ़ी एवं प्रोफेशनल्स के लिए विशेष वर्कशॉप
- अंतरराष्ट्रीय स्तर के वक्ताओं की सहभागिता में सेमिनार
- मानव शरीर की संरचना के सात चक्र एवं एनर्जी लेवल का विभूषण

कथाएं

सिंहस्थ अवधि में पूज्य गुरूजी पं. विजयशंकर मेहता अलग-अलग सत्रों में विभिन्न कथाओं के माध्यम से जीवन प्रबंधन के सूत्रों की व्याख्या करेंगे। मुख्य रूप से तीन कथाएं होंगी-

- शिवपुराण 25 से 29 अप्रैल
- श्रीमद् भागवत 02 से 06 मई
- रामकथा 09 से 13 मई

दान राशि से बने पुण्य के सहभागी...

- **11,00,000/- (रुपए ग्यारह लाख)**
  100 से 125 लोगों के लिए आवास और भोजन की सुविधा तथा हनुमत धाम में होने वाली तीन कथाओं की मुख्य यजमानी।
  21 बार अन्न क्षेत्र में भंडारा आपकी ओर से।
  पांच सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- **5,11000/- (रुपए पांच लाख ग्यारह हजार)**
  50 से 60 व्यक्तियों के लिए आवास और भोजन की सुविधा।
  हनुमत धाम में होने वाली कोई एक कथा के मुख्य यजमान।
  11 बार अन्न क्षेत्र में भंडारा आपकी ओर से।
  तीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- **2,51000/- (रुपए दो लाख इक्यावन हजार)**
  25 से 30 व्यक्तियों के लिए आवास और भोजन की सुविधा।
  हनुमत धाम में होने वाली कोई एक कथा के मुख्य यजमान।
  7 बार अन्न क्षेत्र में भंडारा आपकी ओर स।
  दो सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- **1,11000/- (रुपए एक लाख ग्यारह हजार)**
  10 व्यक्तियों के लिए आवास और भोजन की सुविधा।
  कोई एक कथा की एक दिवसीय यजमानी।
  5 बार अन्न क्षेत्र में भंडारा आपकी ओर से।
  एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

कैसे हो सकते हैं शामिल

इस कोर्स की अंतरराष्ट्रीय शुरूआत 22 अप्रैल को होगी। सवा करोड़ लोग विभिन्न तकनीकी साधनों से जैस-वेबसाईट, यूट्यूब, ई-मेल, वाट्सअप के माध्यम से एक ही समय पर इस कोर्स को करेंगे। इस हेतु वेबसाईट www.hamarehanuman.com पर ऑन-लाईन बुकिंग करवा सकते हैं। कोर्स में शामिल होने के लिए एडवांस बुकिंग द्वारा 22 अप्रैल से 20 मई 2016 के मध्य की तिथि या जितने दिन ठहरना चाहें, आरक्षित करवा सकते हैं। कोर्स के लिए शुल्क 100 रुपए प्रति व्यक्ति रखा गया है। चूंकि व्यवस्था स्तरीय होगी, इसलिए स्थान की उपलब्धता भी सीमित हो सकती है। इस स्थिति में पहले आओ-पहले पाओ' का नियम लागू होगा।

जीवन प्रबंधन समूह
Life Management Group

ग्लोबल मेडीटेशन-डे का होगा आयोजन

"हनुमान धाम" अपने विशिष्ट आयोजनों से श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसके अन्तर्गत ही 25 अप्रैल को होगा "ग्लोबल मेडीटेशन-डे" का आयोजन। इस अवसर पर कई ख्यात हस्तियाँ उपस्थित रहेंगी। इसमें विशेष रूप से ध्यान का अभ्यास करवाया जायेगा।

ऐसी रहेगी आवास व्यवस्था...

शाही महाराजा टेंट्स

सुविधाएँ- बरामदा 5'×10' शयनकक्ष 10'×20'
अटेच्ड लेट-बॉथ 5'×10' एवं कारपेट फ्लोरिंग एसी के साथ
किराया- रुपये 10,000/- (दस हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज)
क्षमता- कुल 4 भक्त (2 डबल बेड)

स्वीस टेंट्स

सुविधाएँ- बरामदा 7'×4' शयनकक्ष 14'×14'
अटेच्ड लेट-बॉथ 7'×4' एवं कारपेट फ्लोरिंग एसी/कूलर के साथ
किराया एसी के साथ रुपये 8,000/-
(आठ हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज)
किराया कूलर के साथ रुपये 6,000/-
(छह हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज)
क्षमता कुल 4 भक्त (2 डबल बेड)

निजी कॉटेज

सुविधाएँ- शयनकक्ष 10'×12'
अटेच्ड लेट-बॉथ 10'×4' एवं कारपेट फ्लोरिंग
किराया एसी के साथ रुपये 6,000/-
(छह हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज 3 भक्तों के लिए)
किराया एसी के साथ रुपये 5,000/-
(पाँच हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज 2 भक्तों के लिए)
किराया कूलर के साथ रुपये 5,000/-
(पाँच हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज 3 भक्तों के लिए)
किराया कूलर के साथ रुपये 4,000/-
(चार हजार प्रतिदिन, प्रति कॉटेज 2 भक्तों के लिए)

डोरमेट्री कॉटेज

सुविधाएँ- कक्ष 20'×40'
कारपेट फ्लोरिंग कूलर के साथ
किराया रुपये 8,000/- (आठ हजार रुपये)
क्षमता कुल 14 भक्त 7 बंक बेड्स

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

राहु का सिंह राशि में प्रवेश

राजनेता होंगे परेशान

राहु

ज्योतिष में छाया ग्रह माने जाने वाला ग्रह राहु 29 जनवरी से अपना राशि परिवर्तन कर चुका है। राहु की विशेषता ही अचंभित करने वाले कार्य करवाना है। इस बार यह सिंह राशि में स्थित होकर नेतृत्व प्रदान करने वालों को अचंभित व चांडाल प्रदान करने वालों को अचंभित करेगा।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

ज्योतिष फलादेश में राहु का अहम् स्थान है। वस्तुतः ज्योतिष में राहु नवग्रहों से इतर एक छायाग्रह है लेकिन फलादेश में इसकी महत्ता इतनी अधिक है कि राहु अपनी स्थिति, दशा, अंतर-प्रत्यंतर में अनेक सुयोगों को भी ध्वस्त कर देता है। राहु आतंककारी एवं अवसादकारी है। जो स्थिति खीर में बूंद भर विष से बनती है, वही स्थितियां प्रतिकूलहोने पर राहु जातक के जन्मांग में बना देता है। इसे 'ड्रेगन्स हेड' यानि 'असुर का सिर' भी कहा जाता है। राहु ड्रेगन्स हेड है तो केतु 'टेल' यानि पूंछ है। कहते हैं राहु माया का धूर्त बेटा है एवं जिससे भी युति करता है वहाँ आष्चर्यजनक एवं अचंभित कार्यों को अंजाम देता है। आकस्मिकता प्रधान सभी घटनाऐं, नकारात्मक एवं सकारात्मक दोनों यथा दुर्घटनाऐं, दिवालिया होना, अप्रत्याषित धन की आकस्मिक प्राप्ति, कूटनीतिक षडयंत्र, सर्पदंश, जहरखुरानी एवं रसायन दुर्घटनाऐं तथा तेजी से विस्तार लेते इन्फेक्शन्स राहु के अधीन ही है। राहु अनेक बार छिपे रहस्यों का उद्घाटन कर जातक को हैरत में डाल देता है।

क्या है ज्योतिष में राहु की स्थिति

राहु किसी घर का अधिपति नहीं होता। शनि, बुध, शुक्र, केतु इसके मित्र हैं तो मंगल, वृहस्पति के साथ वह तटस्थ है, सूर्य-चंद्र इसके परम शत्रु है। वृष-मिथुन में इसे उच्च का एवं वृश्चिक-धनु में नीच का भी कहते है। आर्द्रा, स्वाति एवं शतभिषा नक्षत्रों का स्वामी भी राहु को ही कहा गया है। राहु स्थायी स्तर पर रेट्रोग्रेड यानि वक्री है एवं इससे संबंध कार्य भी ऐसे ही होते हैं। यह चाहे जिसे माला मालकर देता है एवं चाहे जिसका समूलनाष कर देता है। राहु का आतंक इतना है कि राहुकाल यानि दिन का वह भाग जो राहु के अधीन है, में अनेक लोग कार्य तक पर नहीं निकलते हैं। राहु 'अनवांटेड गेस्ट' की तरह कभी भी आ धमकता है। फलित ज्योतिष में राहु का महत्व एवं प्रभाव इतना अधिक है कि राहु अकेला अनेक दुर्योगों यथा कालसपर्योग, पितृदोषों आदि का सृजन कर देता है। तीसरे, छठे एवं ग्यारहवें होकर यह जातकों को निहालकर देता है। राहु बारहवें मोक्ष का कारक भी बनता है।

विश्व स्तर पर क्या होगा प्रभाव

गत 29 जनवरी 2016 राहु अपने परम शत्रु सूर्य की राशि सिंह में प्रवेश कर चुके हैं। जहां आगे वे इसी राशि में 18 माह तक रहेगे। देवगुरू बृहस्पति वहां पहले से विद्यमान है। गुरु-राहु युति 'चाण्डालयोग' का सृजन कर नकारात्मक, विध्वंसात्मक शक्तियों को परवान चढायेगी। इस समय विनाश मूल्य सृजन मूल्य से बलवती होंगे। आतंककारियों से इस समय विशेष सावधान रहने का समय है क्योकि वे अपनी रणनीति बदलकर विश्वभर के राजनेताओं को परेशान कर सकते हैं। विश्वभर में इस समय नकारात्मक, कूटनीतिक शक्तियां प्रखर होगी। उतर कोरिया के शासक ने हाइड्रोजन बम का परीक्षण कर इसका परिचय दे ही दिया है।

देश चुनौतियों को करेगा परास्त

भारत के जन्मांग में वृष लग्न एवं कर्क राशि है। भारत कर्क राशि में राहु दूसरे कोश एवं जनता स्थान में भ्रमण करने से कोश पर अनुत्पादक खर्चों का प्रभाव बढेगा एवं देश में अनेक मुद्दों को लेकर अन्तरकलह की स्थितियाँ भी बनेंगी। सातवें वेतन आयोग की अनुशंसाओं के अमल होते महंगाई ओर बढ़ेगी। अब तक ठण्डे बस्ते में पड़े राम मंदिर के मुद्दों को कोर्ट के आदेश तक हवा न दी जाये, तो देश के लिये हितप्रद होगा। गुरू-राहु युति बहुधा प्रखर राजनेताओं, कूटनीतिकारों को तनाव में रखती है एवं अनेक बार अघोषित युद्ध की ओर भी धकेल देती है। इसी परिप्रेक्ष्य में वार्ताओं के दौर जारी रहे तो हमारे देश के लिए ही नहीं, विश्वशांति के लिये भी अनुकूल स्थिति निर्मित होगी। राहु के सिंह में आने से शनि-राहु

दृष्टि संयोग भी बनेगा। ऐसे में पड़ौसी देश एवं उसके सहयोगी मित्र हमारे देश केा कमजोर करने का प्रयास कर सकते है, लेकिन शत्रु स्थान पर राहु की दृष्टि अंततः देश को शत्रुओं का मानमर्दन करेगी। अगस्त 16 में गुरू के कन्या में आने पर पुनः देश एवं जनता के लिए अनुकूल स्थितियां बनेगी। कन्या के बृहस्पति राष्ट्र को आर्थिक आयामों में नई ऊंचाइयां प्रदान करेंगे। विश्व हमारी नीतियों एवं देशज् प्रतिभा का लोहा मानेगा।

जन्मांग कुण्डली
15.08.1947 रात्रि 12 बजे दिल्ली

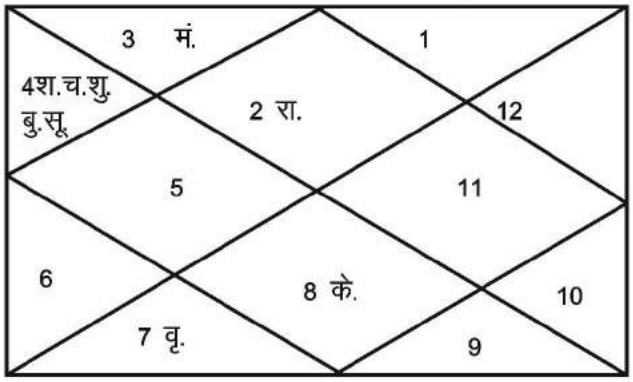

चन्द्रगोचर से
29.01.2016 ग्रहस्थिति

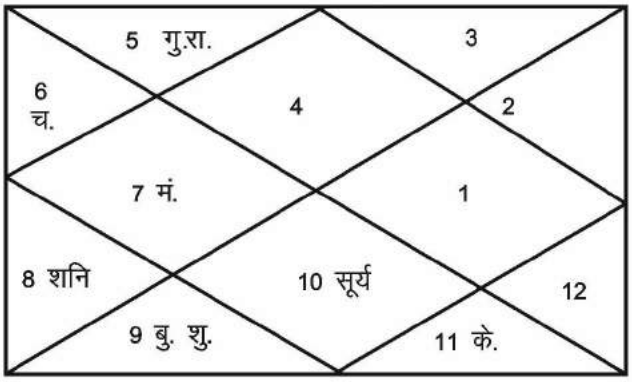

क्या होगा 12 राशियों पर फल

मेषः पंचम संतति घर में आने वाला राहु आय के स्त्रोत तो बढायेगा लेकिन संतति के केरियर में किंचित अवरोध पैदा करेगा। गलत संगति से सर्वथा बचें अन्यथा अपयश, प्रतिष्ठा की हानि होने की संभावना है। अगस्त 16 के बाद स्थिति अनुकूल बनेंगी। बड़े बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभः चतुर्थ घर में आने वाला राहु अवसाद, मन पर दबाव बनायेंगा। घर में अंतर्कलह से बचें। प्रोपर्टी के सौदे सावधानी से करें। जुलाई तक आकस्मिक धन प्राप्ति के योग भी बने है।

मिथुनः तृतीय घर मेंआने वाला राहु अनुज-अग्रजों एवं रिश्तेदारों से मतभेद बनायेगा। यकायक आय के स्त्रोत भी बढेंगे। कार्यक्षेत्र में स्टाफ एवं जीवन साथी से मधुर संबंध बनाये रखें।

कर्कः उच्च रक्तचाप, हृदयरोग का विशेष ध्यान रखें। नौकरी पेशा वालों के यकायक स्थानांतरण की संभावनाएं बलवती हैं। उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनाये रखें। घर में बंटवारे को लेकर समस्या आ सकती है। कड़वे वचन न बोले अन्यथा इसका मूल्य देना पड़ सकता है।

सिंहः निकटस्थ लोग, प्रतिद्वंदी षडयंत्र कर आपको अपयश दिला सकते है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतति के कैरियर पर भी नजर रखें। उच्चाधिकारियों से अकारण झगड़ा न करें। आप अभी शनि के ढैये के प्रभाव में भी हैं। अतः समयानुसार संयम, धैर्य रखें। अवसाद, खिन्नता से बचें।

कन्याः बारहवें राहु अवसादग्रस्त मन को धर्म की ओर उन्मुख करेगा। तीर्थाटन- विदेशयात्रा के योग बने है। घर में अंतर्कलह से बचें। मित्र-रिश्तेदारों से सहज सख्य भाव बनाये रखें। किसी से अकारण न उलझें अन्यथा आपकी प्रतिष्ठा प्रतिकूलरूप से प्रभावित हो सकती है।

तुलाः बड़े-बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें । उनसे रिश्ते मधुर रखें। आकस्मिक लाभ के योग हैं। पराक्रम में वृद्धि होगी, संतति-व्यापार में रुके काम अब गति पकड़ेंगे। घर में शुभ प्रसंग भी बनेंगे। उतरती साढ़े साती है।

वृश्चिकः कारोबार में अप्रत्याशित बदलाव होंगे। आपका संघर्ष फलदायी न होने से थोड़े खिन्न रहेंगे। संपत्ति बंटवारे में धन मिलेगा। माता-पिता की सेवा करें एवं उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पुराने रोगों के प्रति गंभीर रहें।

धनुः बड़े भाई, रिश्तेदारों का आदर करें एवं उन्हें महत्व दें अन्यथा आपको भारी हानि हो सकती है। अकारण क्रोध, कड़वे वचन न कहें अन्यथा कोई बदले पर उतारू होकर आपकी प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। संतति के कैरियर में रूचि लें एवं उन्हें लगातार प्रोत्साहित करते रहें।

मकरः अष्टम राहु धन व बंटवारे को लेकर आपको भ्रमण करवायेगा। अपनी व्यावसायिक, पारिवारिक प्रतिष्ठा के प्रति भी सावधान रहें। उच्च रक्तचाप, हृदयरोग अथवा पुराने रोग से भी सावधान रहें। माता-पिता का आदर करें।

कुंभः जीवनसाथी से विवाद, मत-मतांतर से बचें। उनके स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। कार्यालय में स्टाफ से भी न उलझें अन्यथा आप परेशानी में आ सकते हैं। आकस्मिक लाभ होगा। लोग अंततः आपकी रीति-नीतियों का लोहा मानेंगे। बुरी संगति, शराबखोरी आदि से बचें अन्यथा अपयश के योग है।

मीनः आकस्मिक लाभ के योग हैं। पुरानी बिमारी से भी राहत मिलेगी। विदेश भ्रमण के योग हैं। कारोबार में नया प्रॉडक्ट लांच कर सकते हैं। सरकार से भी लाभ मिलेगा। कुल मिलाकार षष्टस्थ राहु आपके लिये शुभ हैं।

कैसे पाऐं पीड़ा से मुक्ति

राहु पीड़ा के शमन हेतु विकलांगों की सेवा रामबाण है क्योंकि राहू स्वयं विकलांग है। चिंटियों, पक्षियों को दाना देने से भी राहु प्रमुदित होते हैं। राहु कष्ट निवारण हेतु- 'ॐ भ्रां भ्रीं भ्रों राहुवे नमः' मंत्र का जाप करें।

क्यों नहीं है पंजीबद्ध 108 साल पुरानी

अ.भा. माहेश्वरी महासभा

माहेश्वरी समाज का शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा देश का सबसे पुराना व सबसे सशक्त सामाजिक संगठन है। बहुत कम समाजजन ही जानते हैं कि इसके बावजूद अभी तक यह संगठन पंजीकृत नहीं है। चाहे इसके पीछे कोई भी कारण रहा हो लेकिन अब इससे कई परेशानियाँ खड़ी हो रही हैं।

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की वर्षों पूर्व स्थापना विशुद्ध रूप से सामाजिक संगठन के रूप में ही हुई। इसने देश की राजनीति में तो योगदान दिया लेकिन इसमें राजनीति को प्रवेश कभी नहीं दिया गया। आपसी सद्भावना से अपने निजी मामले के रूप में इसका स्वरूप बनाये रखने के लिए संगठन के संस्थापकों ने इसे पंजीबद्ध करवाने की आवश्यकता महसूस नहीं की। बाद में यही परम्परा चली और यही सोच कि इससे यह कानूनी पचड़ों में फंस कर स्वार्थ के रंग में रंग जाऐगा। इन निर्णयों का नतीजा कहें या समाज की सुलझी मानसिकता कि इतने वर्षों से संगठन पूर्ण सुचारु रूप से चल रहा है। इसके बावजूद अब इसमें कई समस्याऐं आने लगी हैं। अतः इस मुद्दे पर पुनः चिंतन करना अनिवार्य हो गया है।

पंजीबद्ध न होने पर भी कानूनी दायरा

पंजीबद्ध न करवाने के पीछे सोच यही थी कि यदि ऐसा किया गया तो विघ्नसंतोषी लोग जब-तब इसके मामले कोर्ट में ले जाएंगे। इससे इसकी छवि तो धूमिल होगी ही, साथ ही चुनाव आदि समस्त सुचारु प्रक्रियाओं में भी बाधा पहुंचेगी। लेकिन अब पंजीकृत न करवाने का यह लाभ नहीं बचा। वर्तमान नियमों के दायरे में तो गैर पंजीबद्ध संस्थाऐं भी आती हैं। इसी का परिणाम है कि गत वर्ष में संगठन के मामले कोर्ट में भी गये हैं। अतः यदि संगठन को पंजीबद्ध करवा लिया जाऐ तो कोई अतिरिक्त परेशानी नहीं होगी।

नहीं मिलता शासन की योजनाओं का लाभ

शासन की किसी भी योजना का लाभ या सम्पत्ति रखने का अधिकार सिर्फ पंजीबद्ध संस्थाओं को ही मिलता है। अतः महासभा के पंजीबद्ध न होने से यह सीधे रूप से शासन से समाज को किसी प्रकार का लाभ नहीं दिलवा पा रही है। इसी प्रकार माहेश्वरी विश्वविद्यालय की स्थापना जैसे मामले भी इसी लिये मूर्तरूप नहीं ले सके। महासभा को अपने भवन व छात्रावासों के संचालन के लिये प्रथक रूप से पंजीकृत संस्थाऐं गठित करनी पड़ रही हैं। महासभा के नाम से कोई संपत्ति ही नहीं हैं। इसमें फंड संग्रहण में भी भारी परेशानी आ रही है।

अब नाम खोने का खतरा भी बढ़ा

वर्तमान में महासभा के जैसे ही कई समनाम के संगठन बन चुके हैं। यहां तक कि प्राप्त जानकारी अनुसार "अ.भा. माहेश्वरी महासभा" नाम भी किसी अन्य संस्था ने पंजीबद्ध करवाने का प्रयास किया था। यदि ऐसे प्रयास सफल हो गये और हम समय पर नहीं जागे तो वह दिन दूर नहीं जब हम अपनी पहचान अपने शीर्ष संगठन के नाम को ही खो देंगे और इसके लिये दूसरा नाम तलाशते फिरेंगे।

क्या कहते हैं समाज के प्रबुद्धजन

पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो

"अभी तक महासभा रजिस्टर्ड नहीं हुई है, लेकिन अब प्रक्रिया आरंभ होनी चाहिये। हमने भी कर्नाटक प्रदेश सभा को तीन वर्ष पूर्व रजिस्टर्ड करवाया है। महासभा ने भी कार्य आरंभ कर दिया है। इसके लिये आर.एल. काबरा संयोजक बनाए गये हैं। इसमें आचार संहिता बनाई जाएगी जिससे मामले पंचों के माध्यम से सुलझाऐं जाऐं और कोर्ट में मामले न जाऐं। **-अरुण लोहिया**, प्रदेशाध्यक्ष, कर्नाटक

महासभा रजिस्टर्ड होनी ही चाहिए

"महासभा रजिस्टर्ड तो होनी ही चाहिये। इससे गत 15 वर्षों से कई कानूनी परेशानियाँ आ रही हैं। न्यायालयीन प्रक्रिया में संगठन न पड़े इसीलिये रजिस्टर्ड नहीं करवाया गया था और अधिकांश लोग अभी भी चाहते हैं कि रजिस्टर्ड न हो। रजिस्ट्रेशन का अपना महत्व है। बाधाओं को समझा जाऐगा और उसी के अनुसार कार्य करेंगे।

- ईश्वर बाहेती, पूर्व प्रदेश मानद मंत्री, इंदौर

महासभा नहीं केवल नाम रजिस्टर्ड हो

"महासभा को वर्तमान में रजिस्टर्ड नहीं होना चाहिये। इसके 'नाम' व 'लोगो' को रजिस्टर्ड करवाने की कार्यवाही चल रही है। महासभा में संघीय व्यवस्था है। इसके अंतर्गत प्रदेश व जिला सभाऐं आती हैं। यदि यह रजिस्टर्ड हुई तो निचले स्तर के संगठनों के खिलाफ दर्ज प्रकरणों में भी महासभा को परेशानी उठानी पड़ेगी। रजिस्टर्ड होने से कितनी परेशानी आती है, इनके उदाहरण हमारे दो रजिस्टर्ड रजिस्टर्ड प्रदेश संगठन हैं, जो लगातार कोर्ट कार्यवाही से जूझ रहे हैं। इसके साथ ही इसमें सबसे बड़ी परेशानी एक कार्यालय का नहीं होना भी है। यदि महासभा रजिस्टर्ड हुई तो कार्यालय के रखरखाव पर भी भारी भरकम खर्च होगा। वैसे महासभा अपने रजिस्टर्ड ट्रस्टों के माध्यम से सब कार्य कर रही है और शासन की योजनाओं का लाभ भी ले रही है।

- **श्याम सोनी**, पूर्व महामंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

भविष्य के लिये रजिस्ट्रेशन जरूरी

"अगर महासभा रजिस्टर्ड नहीं है तो तुरंत रजिस्ट्रेशन करवाना भविष्य के लिये आवश्यक है। कानूनी व शासकीय योजनाओं का लाभ समाज को दिलवाने के लिये यह जरूरी है।

-बाबूलाल जाजू,
कार्यकारी मंडल सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

रजिस्टर्ड होना जरूरी

"महासभा को रजिस्टर्ड तो होना ही चाहिये तभी शासकीय योजनाओं का लाभ समाज को मिल पाएगा। इससे फंड की भी समस्या आ रही है। प्रदेश भी समस्याओं से जुझ रहे हैं। इसमें यदि कोई तकनीकी परेशानी आ रही है, तो इसे समिति बनाकर दूर किया जाना चाहिए।

- **अशोक सोमानी**, प्रदेशाध्यक्ष, हरियाणा पंजाब माहेश्वरी सभा

वर्तमान दौर में रजिस्ट्रेशन जरूरी

"अ.भा. माहेश्वरी महासभा में यह मुद्दा कई बार चर्चा में आया था। स्व. श्री रामगोपाल माहेश्वरी के सामने भी आया था। उनका विचार था कि अनरजिस्टर्ड संस्था पर न्यायालयीन कार्यवाही नहीं हो सकती। लेकिन अब रजिस्टर्ड व अनरजिस्टर्ड दोनों पर कार्यवाही हो सकती है। अब समय बदल चुका है, ऐसे में रजिस्टर्ड करवाना जरूरी है।"

- **देवप्रकाश माहेश्वरी**, पूर्व उपसभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

मुश्किल के बावजूद रजिस्ट्रेशन जरूरी

"अ.भा. माहेश्वरी महासभा निश्चित रूप से रजिस्टर्ड होनी चाहिए लेकिन रजिस्ट्रेशन के बाद कई मुश्किलें भी बढ़ जाती हैं। इसके बाद कोई भी कोर्ट में जा सकता है। फिर भी यदि इसे आगे बढ़ाना है तो रजिस्ट्रेशन करवाना तो जरुरी है, तभी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। परेशानी से बचने के लिये एक आचार संहिता बनाना चाहिये। इसके लिये दो स्तर की समिति बने जिसके नियमों का सभी सख्ती से पालन करें।"

- **सज्जनकुमार मोहता**, प्रदेशाध्यक्ष महाराष्ट्र

व्यवहारिक पक्ष देख करेंगे निर्णय

"रजिस्ट्रेशन को लेकर अभी भी दो मत हैं। इसे लेकर चर्चा हुई है और इसके लिये समिति भी बनाई है। कुछ वरिष्ठजन इसे अनरजिस्टर्ड वैधानिक संगठन के रूप में ही रखना चाहते हैं। उनका मानना है कि महासभा का काम समाज को सिर्फ प्रेरणा देना है और यह इतने समय से इसे सफलतापूर्वक कर रही है। गत 112 वर्षों से पंजीकृत न होने पर भी कोई परेशानी नहीं आई है, तो अब कैसी परेशानी? वैसे इससे सम्बद्ध संगठन व ट्रस्ट सभी रजिस्टर्ड है। इनके माध्यम से करोड़ों रूपये की सेवा की जा रही है। मेरे विचार से महासभा का केवल नाम व "लोगो" ही पंजीबद्ध होना चाहिये। हर मामले के व्यवहारिक पक्ष को देखकर काम करना जरूरी है।

- **संदीप काबरा**, संगठन मंत्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

3,50,000 से अधिक
पाठकों का साथ

श्री माहेश्वरी
टाईम्स

एक प्रयास जो अब बना माहेश्वरी समाज की संस्कृति को सहेजने का एक अभियान

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका
श्री माहेश्वरी टाईम्स
90, Vidya Nagar, Sanwer Road,
UJJAIN (M.P.) 456001
Phone : 0734 - 2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com
sri_maheshwaritimes@yahoo.com

सदस्यता प्रपत्र

सदस्यता शुल्क
☐ वार्षिक सदस्य - 350/- रु.
☐ त्रैवार्षिक सदस्य - 800 /- रु.
☐ आजीवन सदस्य - 3100/- रु.

मनीआर्डर/नगद/ड्राफ्ट क्रमांक
बैंक दिनांक

कृपया ड्राफ्ट या मनीआर्डर 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के नाम से भेजें। चैक स्वीकार नहीं किए जाएंगे अथवा हमारे पंजाब नेशनल बैंक खाता क्रमांक 0459002100043471 अथवा ICICI बैंक खाता क्र. 030005001198 में अपने शहर में स्थित बैंक की किसी भी शाखा में सदस्यता शुल्क जमा कर सकते है। सीधे सदस्यता शुल्क जमा कर एवं कार्यालय में फार्म भेजकर सदस्यता प्राप्त कर सकते हैं।

नाम ______ गौत्र ______
जन्म दिनांक ______ व्यवसाय ______
पता ______
______ पिनकोड ______
दूरभाष ______ मो. ______
ई-मेल ______ हस्ताक्षर ______ दिनांक ______

ऋषिमुनि का विनम्र प्रयास

Free Registration For Matrimonial ⇨ www.srimaheshwarimelapak.com

सुख-समृद्धि की कामना पर्व है
बसंत पंचमी

बसंत पंचमी प्रकृति की सुन्दरता के चरमोत्कर्ष बसंत पंचमी ऋतु के आगमन का पर्व है। इसमें प्रकृति पूर्ण रूप से श्रृंगारित होकर हर्षोल्लास का वातावरण निर्मित कर देती है। लेकिन इस पर्व का महत्व यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि बसंत पंचमी सर्वकामना सिद्धि का पर्व भी है।

गीता घनश्याम चितलांग्या, उज्जैन

बसंत पंचमी उत्सव माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। शास्त्रों की मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण ने इसी अवसर पर रास लीला रचाई थी। यह तथ्य प्रकृति के सौंदर्य के चरम पक्ष को व्यक्त करता है। 'सत्य ही सुन्दर है' की कल्पना इससे साकार होती है कि इसी दिन विद्या-बुद्धि की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती का भी प्रादुर्भाव हुआ था। इस ऋतु में आम में मोर आते हैं। अतः इस पर्व पर भगवान को गुलाल लगाकर होली का शुभारंभ करते हुए मोर अर्पित किये जाते हैं।

किस कामना से क्या करें

- विद्या प्राप्ति हेतु 27 गुड़हल के फूलो की माला बना मां सरस्वती को पहनाएं तो उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। उत्तम बुद्धि हेतु इस दिन सरस्वती चालीसा का पाठ शुरू कर 40 दिन तक रोज करें। पीले फूलों की माला पहनावें।
- स्मरण शक्ति हेतु इस दिन से नित्य ही 41 दिनो तक निम्न मंत्र का जाप 10 माला या 1 माला स्फटिक से करें। "ऊँ ऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नमः"
- मीडिया के फिल्ड में सफलता के लिये बसंत पंचमी पर पीले कनेर की फूलों की माला मां सरस्वती को पहनाकर बूंदी के लड्डूओ का भोग लगावें। इस मंत्र का जाप करें। "ऊँ वद् वद् वाग्वादिनी नमः"।
- काम्पीटिशन में सफलता हेतु सफेद कनेर के फूलों की माला सरस्वती जी को पहनावें। रसगुल्ले का भोग लगाकर छात्र-छात्राओं को लेखन सामग्री का वितरण करें। सरस्वती चालीसा का 27 बार पाठ करें। जिस दिन प्रतियोगिता होवें, उस दिन सरस्वती चालीसा का पाठ करके प्रस्थान करें।
- मनोकामना पूर्ति हेतु इस दिन प्रातः काल स्नान ध्यान के बाद सूर्यदेव के सामने अपने दोनो हाथों को उपर उठाकर 24 मिनट तक गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए।
- दाम्पत्य सुख हेतु श्री दुर्गा सप्तशती में वर्णित श्री दुर्गा मानस पूजन का पाठ ध्यान कर मां को स्वर्ण कमलो की माला मन के द्वारा अर्पण करनी चाहिए।
- वैवाहिक सुख के लिए सात वर्ष से कम आयु की कन्याओ को शुभ वस्त्र का दान करें एंव सात सुहागिनों कों मेंहदी व सिन्दूर का दान श्रद्धा पूर्वक करें।
- विवाह बाधा निवारण हेतु इच्छुक कन्या या वर पंचमी सें पांच गुरुवार तक 1 कलगी (जो दूल्हे के सेहरे मे लगती है तथा पांच बेसन के लड्डू लक्ष्मी नारायण के मंदिर में अर्पित कर शीध्र शुभ विवाह की प्रार्थना करें ।
- कारोबार में सफलता हेतु लाल गुडहल के पाँच फूलों को दूध से धोकर मां दुर्गा को मनोकामना के साथ अर्पित करें। श्री दुर्गा सप्तशती में वर्णित छटे अध्याय का पाठ करें।
- ग्रह अनूकुलता हेतु सूर्य मंदिर मे रविवार को लाल कनेर के फूलों की माला सूर्य देव को इस मंत्र कें साथ पहनांए, "ऊँ ह्रीं सर्वेग्रहाः सूर्या सोम अंगारक बुध वृहस्पति शुक्र शनैश्चर राहू केतू सहिताः सानुग्रहा में भवंतु ऊँ ह्रीं आसि आउसा स्वाहा।" मालपुओ का भोग लगा वितरण करें। इसके नित्य जाप से सभी प्रतिकूल ग्रह भी अनुकूल हो जाते हैं।
- उच्च शिक्षा हेतु बसंत पंचमी पर या बुध वार को हरे धागे में 27 लौंग की माला पहना सरस्वती जी की विधिवत् पूजन कर सरस्वती मंत्र "ऊँ ऐं सरस्वत्यै नमः का 108 बार जप करें। प्रतिदिन 108 जप से विद्या बुद्धि प्राप्त होवे।
- "ऊँ ह्रीं सरस्वत्यै नमः। इस मंत्र का तीन दिन में 12 हजार जाप नवरात्री में कर लेने से यह सिद्ध हो जाता है। फिर 108 बार नित्य जाप करें तो उत्तम विद्यावान होकर कवित्व शक्ति प्राप्त होती है।
- बसंत पंचमी से 16 दिन तक लक्ष्मी पूजन के बाद कमल की माला पहना मंत्री "ऊँ पंकजम् पंचमुज्जम् पंचमुखिम् पंचदर्शनम् पंचशक्तिम् तुभ्यां नमामि" की 16 माला नित्य जपने से कुलदेवी की प्रसन्नता से लक्ष्मी प्राप्ति होती है।
- दाम्पत्य सुख प्राप्ति हेतु बंसत पंचमी के दिन शिव-पार्वती कों बेलपत्रों की माला पहना कर मौली की नौ बत्तियों वालें दीपक व कपूर सें आरती करें। फलों का प्रसाद वितरण करें।

वेलेंटाईन डे पाश्चात्य सभ्यता में प्रेम का एक अत्यंत पवित्र दिवस है, वह इसलिए क्योंकि इसी के साथ उन्हें मिली थी, विवाह जैसे पवित्र बंधन की सौगात। इसकी प्रेरणा इसके प्रणेता वेलेंटाईन को भारतीय संस्कृति से ही मिली थी, जिसे उसने संस्कारहीन समाज में मूर्तरूप दिया। आईये जानें ''वेलेंटाईन डे'' मनाने की क्या है, कहानी?

भारतीय संस्कृति ने ही दिखाई थी वेलेन्टाइन को राह

यूरोप और अमेरिका का समाज वो है, जो रखैलों में विश्वास करता है, पत्नियों में नहीं, यूरोप और अमेरिका में आपको शायद ही ऐसा कोई पुरुष या महिला मिले जिसकी एक शादी हुई हो, जिनका एक पुरुष से या एक स्त्री से संबंध रहा हो और ये एक दो नहीं हजारों साल की परंपरा है और अभिजात्य वर्ग में चल रही है। इसका मतलब होता है कि ''बिना शादी के पति-पत्नी की तरह से रहना''। तो उनके यहां, मतलब यूरोप और अमेरिका में ये परंपरा आज भी चलती है, खुद प्लूटो (एक यूरोपीय दार्शनिक) का एक स्त्री से संबंध नहीं रहा। प्लूटो ने लिखा है कि 'मेरा 20-22 स्त्रियों से संबंध रहा है। अरस्तु भी यही कहता है, देकार्ते भी यही कहता है और रूसो ने तो अपनी आत्मकथा में लिखा है कि 'एक स्त्री के साथ रहना, ये तो कभी संभव ही नहीं हो सकता है, It's Highly Impossible'। तो वहां एक पतिव्रता जैसे कुछ होता नहीं? और इन सभी महान दार्शनिकों का तो कहना है कि 'स्त्री में तो आत्मा ही नहीं होती' स्त्री तो मेज और कुर्सी के समान हैं, जब पुराने से मन भर गया तो पुराना हटा के नया ले आये।

भारतीय संस्कृति से प्रेरित थे वेलेंटाईन

बीच-बीच में यूरोप में कुछ-कुछ ऐसे लोग निकले, जिन्होंने इन बातों का विरोध किया और इस रहन-सहन की व्यवस्थाओं पर कड़ी टिप्पणी की। उन कुछ लोगों में से एक ऐसे ही यूरोपियन व्यक्ति थे, जो आज से लगभग 1500 साल पहले पैदा हुए, उनका नाम था वेलेंटाईन। ये कहानी 478 (ए.डी.) की, यानि ईसा की मृत्यु के बाद की है। उस वेलेंटाईन नाम के महापुरुष का कहना था कि हम लोग (यूरोप के लोग) जो शारीरिक संबंध रखते हैं, कुत्तों की तरह से, जानवरों की तरह से, ये अच्छा नहीं है। इससे सेक्स-जनित रोग होते हैं, इनको सुधारो, एक पति-एक पत्नी के साथ रहो, विवाह कर के रहो, शारीरिक संबंधों को उसके बाद ही शुरू करो। ऐसी-ऐसी बातें वो करते थे और वेलेंटाईन महाशय उन सभी लोगों को ये सब सिखाते थे, बताते थे, जो उनके पास आते थे। रोज उनका भाषण यही चलता था।' रोम में घूम-घूम कर। संयोग से वो चर्च के पादरी हो गए, तो चर्च में आने वाले हर व्यक्ति को यही बताते थे तो लोग उनसे पूछते थे कि यह वायरस आप में कहां से घुस गया, ये तो हमारे यूरोप में कहीं नहीं है। तो वो कहते थे कि आजकल मैं भारतीय सभ्यता और दर्शन का अध्ययन कर रहा हूं, और मुझे लगता है कि वो फरफेक्ट हैं, इसलिए मैं चाहता हूं कि आप लोग इसे मानो। तो कुछ लोग उनकी बात को मानते थे। जो लोग उनकी बात को मानते थे, उनकी शादियाँ वो चर्च में कराते थे और एक-दो नहीं उन्होंने सैकड़ों शादियाँ करवाई थीं।

14 फरवरी को वेलेंटाईन को हुई थी फांसी

जिस समय वेलेंटाईन हुए, उस समय रोम का राजा था, क्लॉडियस। आप उसे चक्रवर्ती सम्राट की श्रेणी में रख सकते हैं। क्लॉडियस ने कहा कि ये जो आदमी है वेलेंटाईन, ये हमारे यूरोप की परंपरा को बिगाड़ रहा है, हम बिना शादी के रहने वाले लोग हैं, मौज-मजे में डूबे रहने वाले लोग हैं और ये शादियाँ करवाता फिर रहा है। ये तो अपसंस्कृति फैला रहा है, हमारी संस्कृति को नष्ट कर रहा है। तो क्लॉडियस ने आदेश दिया कि जाओ वेलेंटाईन को पकड़ लाओ। तो उसके सैनिक वेलेंटाईन को पकड़ कर ले आए। क्लॉडियस ने वेलेंटाईन से कहा कि ये तुम क्या गलत काम कर रहे हो? तुम अधर्म फैला रहे हो, अपसंस्कृति ला रहे हो तो वेलेंटाईन ने कहा मुझे लगता है कि ये ठीक है। क्लॉडियस ने उसकी एक बात न सुनी और उसने वेलेंटाईन को फांसी की सजा दे दी थी। क्लॉडियस ने उन सभी को भी बुलाया, जिनकी शादी वेलेंटाईन ने करवाई थी और उन सभी के सामने वेलेंटाईन को 14 फरवरी 498 ईस्वी को फांसी दे दी गई। पता नहीं आप में से कितने लोगों को मालूम है कि यूरोप में 1950 ईस्वी तक खुले मैदान में सार्वजनिक तौर पर फांसी देने की परंपरा थी। जिन्होंने वेलेंटाईन के कहने पर शादी की थी, बहुत दुखी हुए और उन सबने उस वेलेंटाईन की दुखद याद में 14 फरवरी को वेलेंटाईन डे मनाना शुरू किया। उस दिन से यूरोप में वेलेंटाईन डे मनाया जाता है।

स्मार्ट सिटी री महिमा

स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

खम्मा घणी सा हुक्म आपा सब एक शब्द जो आजकलसबरी जुबान पर है 'स्मार्ट' हुक्म यों शब्द सुणते ही दिलरी धड़कन बढ़जावे । हुक्म अपाणे राज्य में टीचर पढ़ण में 'स्मार्ट' बच्चों पर ज्यादा ध्यान देवे । जिन युवाओं ने 'स्मार्ट' मानयो जावे लड़कियां वाने तव्वजो ज्यादा देवे । जिण शहरों ने 'स्मार्ट सिटी' घोषित करे उन पर सरकार ज्यादा धन खर्च करे । इण सबमें ' वे'लोग लारे रह जावे जो समझदार तो है पर 'स्मार्ट' नहीं ।

सही में हुक्म समझ नहीं आवे कि सरकार यों दुर्भाव क्यों करे ? प्रदेश में घणेई शहर हैं तो फिर चार सिटी ने ही 'स्मार्ट सिटी' घोषित क्यों कियो जावे । ये शहर तो पेला सुं ही उन्नत है । अब आपा राजस्थान ने ही लेलो । राजधानी 'जयपुर' पर करोड़ा रुपया लगा ने सड़का ने एड़ी चिकनी कर दी कि देशी हो या विदेशी वानी लक्ज़री गाड़ियां में बैठा मेहमान चलती कार में माथे पर पानी री ग्लास धरदे तो भी एक बूंद निचे नहीं गिरे । पर हुक्म अगर राजधानी रे चालीस पच्चास किलोमीटर दूर गांवा में देखा तो अहा ! गाँव री जिंदगी ! री जगह केवा 'हाय हाय गांवों री भी कांई जिंदगी ।

धूलउड़ाती सड़का । गलियो में जमा गंदो पाणी । न ढंग सुं बिजली न साफ़ पाणी । हुक्म म्हे तो मन्त्रीजी ने या हाथ जोड़ विनती करणी चाहवा कि आप 'स्मार्ट सिटी' रे साथै 'स्मार्ट गाँव' री योजना क्यों नहीं बणाओ ।

हुक्म अगर गाँव में सुविधा रह्वे तो लोग शहरों में क्यों आवे । म्हाणो तो मन करे कि पुरखा रा बनायोड़ा गाँव रे घर में जाने ने रेहवा पर वठे की दशा देखने वापस शहर आ जावा ।गाँव सुं शहर आने मजदूरी करण वाले ने अगर पूछो। तो वो या ही केहवे-"साहब, अगर गाँव में धंधा मिलजावे तो शहर में घर बार छोड़ ने क्यों आवा ।

सही कहूँ तो हुक्म इण सब किस्सा ने छोड़ पेली तो आपा खुद ने 'स्मार्ट' बणावा । गाँव-कस्बा तो धीरे धीरे आगे बढ़ी आपा तो शहर ने झमाझम बणावा । आदमी री फितरत है वह आईने में खुद रे मुखड़े ने ही ज्यादा निहारे । सर्दी में तेल, क्रीम भी चेहरे पर ही मले। पांवो री सुध तो जण आवे जण टांगा जकड़ जावे या जुड़ जावे । आप तो चेक करलो चमकीले चेहरे वालो री बिवाइयां अक्सर फटी रहवे पर पांवों रे सहारे ही वह खड़ो रह पावे । गाँव आपाणे देश रा पांव है और शहर चेहरा ।सरकार भी चेहरा चमकावण री जुगत करे पांव जाए भाड़ में । क्यों .. सही है न .....

सेवा पथ के अनमोल रत्न

श्रीमान् रतनलाल जी नौलखा

को

माहेश्वरी ऑफ द इयर 2015

से अलंकृत होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

G P DESIGNS PVT. LTD

SHREE JI TEXTILES PVT. LTD

BHILWARA (RAJ.) Mo-9414111899

शुभेच्छु

देबीलाल, ओमप्रकाश, राजेश (गोपाल), राहुल, गौरव,
विवेक गगरानी, देवपुरी (भीलवाड़ा)

ओमप्रकाश गगरानी

आपके हाथों में है स्लिप डिस्क से बचाव

स्लीप डिस्क एक अत्यंत गंभीर समस्या है। गम्भीर इसलिये कि इससे पीड़ित को लाचार होने में समय नहीं लगता। चलना-फिरना तो ठीक उसका उठना बैठना भी मुश्किल हो जाता है। आइये देखें कैसे बचें इस समस्या से।

स्पाइन कॉर्ड की हड्डियों के बीच कुशन जैसी एक मुलायम चीज होती है, जिसे डिस्क कहा जाता है। ये डिस्क एक-दूसरे से जुडी होती है और वर्टिब्रा के बिलकुलबीच में स्थित होती है। डिस्क स्पाइन के लिए शॉक एब्जॉर्बर का काम करती है। आगे-पीछे, दायें-बायें घूमने से डिस्क का फैलाव होता है। गलत तरीके से काम करने, पढने, उठने-बैठने या झुकने से डिस्क पर लगातार जोर पडता है। इससे स्पाइन के नर्व्स पर दबाव आ जाता है जो कमर में लगातार होने वाले दर्द का कारण बनता है। स्लिप्ड डिस्क कोई बीमारी नहीं, शरीर की मशीनरी में तकनीकी खराबी है। वास्तव में डिस्क सिप नहीं होती, बल्कि इसमें स्पाइनलकॉर्ड से कुछ बाहर को आ जाती है। डिस्क का बाहरी हिस्सा एक मजबूत झिल्ली से बना होता है और बीच में तरलजैलीनुमा पदार्थ होता है। डिस्क में मौजूद जैली या कुशन जैसा हिस्सा कनेक्टिव टिश्यूज के सर्कलसे बाहर की ओर निकलआता है और आगे बढा हुआ हिस्सा स्पाइन कॉर्ड पर दबाव बनाता है। कई बार उम्र के साथ-साथ यह तरलपदार्थ सूखने लगता है या फिर अचानक झटके या दबाव से झिल्ली फट जाती है या कमजोर हो जाती है तो जैलीनुमा पदार्थ निकलकर नसों पर दबाव बनाने लगता है, जिसकी वजह से पैरों में दर्द या सुन्न होने की समस्या होती है।

कैसे पहचानें

- नसों पर दबाव के कारण कमर दर्द, पैरों में दर्द या पैरों, एडी या पैर की अंगुलियों का सुन्न होना
- पैर के अंगूठे या पंजे में कमजोरी
- स्पाइनलकॉर्ड के बीच में दबाव पडने से कई बार हिप या थाईज के आसपास सुन्न महसूस करना
- समस्या बढने पर यूरिन-स्टूलपास करने में परेशानी
- रीढ़ के निचले हिस्से में असहनीय दर्द
- चलने-फिरने, झुकने या सामान्य काम करने में भी दर्द का अनुभव। झुकने या खांसने पर शरीर में करंट सा अनुभव होना।

क्या हैं इसके आम कारण

- गलत पोश्चर इसका आम कारण है। लेट कर या झुक कर पढना या काम करना, कंप्यूटर के आगे बैठे रहना इसका कारण है।
- अनियमित दिनचर्या, अचानक झुकने, वजन उठाने, झटका लगने, गलत तरीके से उठने-बैठने की वजह से दर्द हो सकता है।
- सुस्त जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियां कम होने, व्यायाम या पैदलन चलने से भी मसल्स कमजोर हो जाती है। अत्यधिक थकान से भी स्पाइन पर जोर पडता है और एक सीमा के बाद समस्या शुरू हो जाती है।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

- अत्यधिक शारीरिक श्रम, गिरने, फिसलने, दुर्घटना में चोट लगने, देर तक ड्राइविंग करने से भी डिस्क पर प्रभाव पड सकता है।
- उम्र बढने के साथ-साथ हड्डियां कमजोर होने लगती है और इससे डिस्क पर जोर पडने लगता है।

खास कारण

- जॉइंट्स के डिजेनरेशन के कारण
- कमर की हड्डियों या रीढकी हड्डी में जन्मजात विकृति या संक्रमण
- पैरों में कोई जन्मजात खराबी या बाद में कोई विकार पैदा होना।

जीवन शैली बदलें समस्या से बचें

- नियमित तीन से छह किलोमीटर प्रतिदिन पैदलचलें। यह सर्वोत्तम व्यायाम है हर व्यक्ति के लिए।
- देर तक स्टूल या कुर्सी पर झुक कर न बैठें। अगर डेस्क जॉब करते हैं तो ध्यान रखें कि कुर्सी आरामदेह हो और इसमें कमर को पूरा सपोर्ट मिले।
- शारीरिक श्रम मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। लेकिन इतना भी परिश्रम न करें कि शरीर को आघात पहुंचे।
- देर तक न तो एक ही पोश्चर में खडे रहें और न एक स्थिति में बैठे रहें।
- किसी भी सामान को उठाने या रखने में जल्दबाजी न करें। पानी से भरी बाल्टी उठाने, आलमारियां-मेज खिसकाने, भारी सूटकेस उठाते समय सावधानी बरतें। ये सारे कार्य इत्मीनान से करें और हडबडी न बरतें।
- अगर भारी सामान उठाना पडे तो उसे उठाने के बजाय धकेलकर दूसरे स्थान पर ले जाने की कोशिश करें।
- हाई हील्स और फ्लैट चप्पलों से बचें। अध्ययन बताते हैं कि हाई हील्स से कमर पर दबाव पडता है। साथ ही पूरी तरह फ्लैट चप्पलें भी पैरों के आर्च को नुकसान पहुंचाती है, जिससे शरीर का संतुलन बिगड सकता है।

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष - यह माह व्यापारिक दृष्टि से उत्तम लाभ प्रदान करने वाला होगा। आय में वृद्धि होगी पारिवारिक सुख के साथ आय के नवीन अवसर प्राप्त होंगे। परिश्रम का लाभ मिलेगा। अपनो से वैचारिक मतांतर होंगे, प्रियजनों से मुलाकात होगी मित्रों से स्नेह प्राप्त होगा, विवाह संबंध के अवसर मिलेंगे एवं कुछ हद तक सफलता भी प्राप्त होगी। विवाद से बचें जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। राजकीय पक्ष से परेशानी आ सकती है, परंतु आप अपने कार्य कौशल से सफल होंगे। विद्यार्थी वर्ग को परिश्रम करना होगा। तीर्थ यात्रा के अवसर रहेंगे, विवाह समारोह में भाग लेंगे।

वृष - यह माह आपको कार्य व्यवसाय में परिवर्तन देने वाला होगा। आय बढ़ेगी उसी अनुपात में व्यय भी बढ़ेगा। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे, खान-पान में ध्यान देवें। स्वास्थ्य की चिंता रहेगी, पुराना रुका काम होंगा एवं पत्नी पक्ष से लाभ, अटका हुआ रूपया मिलेगा, माता-पिता की चिंता रहेगी। स्थायी सम्पत्ति एवं वाहन संबंधी प्रकरण में सफलता मिलेगी, दूर देश की यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे, भौतिक सुख-सुविधा, मनोरंजन पर व्यय करेंगे। प्रियजनों से भेंट होगी।

मिथुन - यह माह आपको लंबी यात्रा एवं व्यय की अधिकता प्रदान करेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे, सफलता मिलेगी। परिवार में शुभ प्रसंग आयेगे, मांगलिक धार्मिक कार्य होगा। विवाह संबंध तय होंगे, विद्यार्थी को सफलता मिलेगी। पाचन तंत्र से कष्ट होगा। विरोधी परास्त होंगे, फिर भी सावधानी बरतना आवश्यक होगा। राजकीय पक्ष से रुका कार्य पूर्ण होगा। व्यर्थ का समय नष्ट होता रहेगा। अनावश्यक विवादों से बचें, चुनौती पूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी, अचानक धन लाभ के योग रहेंगे।

कर्क - यह माह आपके लिये सम्पत्ति में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा, किंतु मानसिक तनाव व अज्ञात भय भी बना रहेगा। व्यापार एवं कार्य व्यवसाय में वृद्धि होगी। पद-पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। पिता को शरीर कष्ट रहेगा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, शत्रु परास्त होंगे। अचानक धन लाभ होगा, मित्रों से भेंट होगी।,शुभ समाचार मिलेंगे। भौतिक सुख सुविधाओं पर व्यय करें, लंबी यात्रा होगी। मांगलिक एवं विवाह कार्यों में भाग लेंगे, तीर्थ यात्रा के योग रहेंगे, परिवारजनों से मेलमिलाप होगा।

सिंह - यह माह आपको शिक्षा एवं कैरियर में लाभ प्रदान करायेगा। प्रियजनों एवं गुरुजनों से भेंट होगी। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। नवीन कार्य व्यवसाय की योजना बनायेंगे एवं सफलता भी मिलेगी। शासन में रुके कार्य पूर्ण होंगे, आय के स्थायी स्त्रोत प्राप्त होंगे। विवाह, सगाई संबंधी प्रकरणों में सफलता मिलेगी। लंबी यात्रा होगी, संतान प्राप्ति के योग रहेंगे। धार्मिक कार्यों-तीर्थाटन आदि में भाग लेंगे। जमानत देना, ग्यारंटी देना अथवा साझेदारी में कोई कार्य नहीं करें।

कन्या -यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायी रहेगा, आपके कार्य की प्रशंसा होगी। राजनीतिक संपर्क का लाभ मिलेगा। विवाह समारोह में भाग लेंगे किंतु स्वास्थ्य संबंधी परेशानी रहेगी। राजकीय कार्य पूर्ण होंगे, भौतिक सुख सुविधाओं पर व्यय करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे, नई-नई कार्य योजनाओं को क्रियान्वित करेंगे। नौकरी में पदोन्नति होगी, प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी, यश की प्राप्ति होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला - यह माह आपके लिये उत्साह वर्धक रहेगा। पुराने रुके कार्य पूर्ण होंगे, मन प्रसन्न रहेगा, आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। आय के स्त्रोत में वृद्धि होगी, नौकरी में पदोन्नति एवं इच्छित स्थानांतरण होगा। स्वजनों से भेंट होगी, सहयोग मिलेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। धन संबंधी प्रकरणों में सावधानी रखें, धोखा हो सकता है। विवाह संबंध होगा, प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष से सम्मान प्राप्त होगा।

वृश्चिक - यह माह आपको आर्थिक समस्या प्रदान करने वाला रहेगा। फिर भी समय पर कार्य होंगे। मानसिक तनाव एवं धोखा मिल सकता है सावधानी बरते। नई योजना से कार्यों में सफलता मिलेगी, शरीर कष्ट एवं पुरानी बीमारी में सुधार होगा। जीवन साथी से अपेक्षित सहयोग मिलेगा। शासकीय पक्ष एवं न्यायालयीन कार्यों में सफलता मिलेगी। खर्च की अधिकता रहेगी। शत्रुओं से सावधानी रखें। गुप्त शत्रु से परेशानी रहेगी, संतान से संबंधित कार्य पूर्ण होगा, स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी।

धनु - यह माह आपको मानसिक कष्ट देने वाला रहेगा। फिर भी कार्य समय पर पूर्ण होंगे। रुके कार्य एवं आर्थिक प्रकरणों में सफलता मिलेगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा, शरीर कष्ट रहेगा। लंबी यात्रा होगी, विद्यार्थी वर्ग को कड़ी मेहनत करने पर इच्छित सफलता मिलेगी। नगद लेने -देन बड़ी उधारी में सावधानी आवश्यक है। राजकीय कार्य में सहयोग मिलेगा। जीवन साथी को शरीर कष्ट रहेगा। कर्ज के माध्यम से सम्पत्ति बनेगी, शौक, मौज, मस्ती पर व्यय करेंगे। नवीन समाचार प्राप्त होंगे।

मकर - यह माह आपको मिश्रित फलदायी रहेगा, लंबी यात्रा होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, बड़े लेन-देन सावधानी पूर्वक करें। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। आय एवं आय के नवीन साधन प्राप्त होंगे। विवाह संबंध होगा। पाचन तंत्र से कष्ट होगा, धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। लॉटरी, सट्टा एवं शेयर बाजार से बड़ी हानि होगी, अतः दूर रहे। मानसिक तनाव अज्ञात भय बना रहेगा। स्वभाव में चिड़-चिड़ाहट बनी रहेगी। राजनैतिक सम्पर्क का लाभ मिलेगा। हड्डी एवं दांतों से कष्ट होगा।

कुंभ - माह में नवीन योजनाओं पर कार्य शीघ्रता से करेंगे एवं सफलता दिखने लगेगी, आर्थिक पक्ष एवं राजकीय पक्ष मजबूत होगा, लाभ होगा। पाचन तंत्र से कष्ट होगा। दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा। प्रेम प्रसंग बढ़ेंगे, गुढ़ ज्ञान में दक्षता मिलेगी। शिक्षा में सफलता प्राप्त होगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। नौकरी में पदोन्नति होगी, किंतु अज्ञात भय बना रहेगा। हाजिर जवाबी से लाभ होगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। मित्रों सहयोग मिलेगा, भौतिक सुख सुविधाओं-मनोरंजन पर व्यय होगा।

मीन - यह माह आपके लिये यात्रा कारक रहेगा। लंबी यात्रा होगी। भाग्योदय होगा, नये संबंधों का लाभ उठाएंगे। इच्छित कार्यों में सफलता मिलेगी, मनोरंजन पर खर्च करेंगे। अंधा विश्वास करना हानिकारक होगा। शेयर, लॉटरी, सट्टे से धन हानि हो सकती है। हठ करना हानिकारक रहेगा। नये कार्य व्यवसाय में लाभ, नौकरी में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी। शिक्षा में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। विवाह संबंध तय होंगे। शुभ एवं धार्मिक कार्यों में भाग लेंगे। प्रियमित्रों एवं कुटुम्बजनों से भेंट होगी।

श्रीमती कांतादेवी बाहेती

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व उप सभापति आरडी बाहेती की धर्मपत्नी श्रीमती कांतादेवी बाहेती का 75 वर्ष की अवस्था में गत 3 जनवरी को जयपुर में स्वर्गवास हो गया। श्रीमती बाहेती जीवन पर्यन्त धार्मिक व सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहीं। आपने बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से जयपुर आगरा हाईवे पर स्थित बद्रीकाश्रम परिसर में 51 फीट की शिवजी व 51 फीट की हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की, जो संपूर्ण राजस्थान में आकर्षण का केन्द्र बनी। उत्तर भारत में पहली बार सामूहिक विवाह का जयपुर में आयोजन भी आपकी प्रेरणा से ही पूर्ण हुआ। आपका 25 वर्षों तक अभा माहेश्वरी महिला संगठन से भी जुड़ाव रहा।

श्रीमती लीलादेवी कलंत्री

हैदराबाद। ख्यात व्यवसायी रहे स्व.श्री धनराज कलंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती लीलादेवी कलंत्री का स्वर्गवास गत दिनों हो गया। आप अपने पीछे पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र,आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

श्री शंकरलाल कचौलिया

भीलवाड़ा। राधेश्याम, विनोद कुमार, सुरेश कुमार, गोविन्द कुमार, राजेन्द्र कुमार, दिनेश कुमार कचौलिया के पिता श्री शंकरलाल कचौलिया कालियास वाले का स्वर्गवास गत 4 जनवरी को हो गया। अनेक सामाजिक संस्थाओं एवं स्नेहीजनों ने शोक प्रकट किया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

शिवप्रकाश मालू

रतलाम। एस.पी. के नाम से पूरे क्षेत्र में ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रतिष्ठित सीमेंट व्यावसायी शिवप्रकाश मालू का मुंबई में हृदयाघात से देहावसान हो गया। माहेश्वरी समाज तथा विभिन्न संगठनों के साथ व्यापारी प्रतिनिधिगणों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मालू अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

दिवंगत आत्माओं को 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...।

श्रीमती सरलादेवी लोहिया

अमरावती। स्थानीय ब्रिजलाल बियानी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्यनारायण लोहिया की धर्मपत्नी श्रीमती सरलादेवी लोहिया का गत दिनों हृदयाघात से निधन हो गया।

आप पिछले 40 वर्ष से सामाजिक-सामूहिक आयोजनों के क्रियान्वयन में सक्रिय योगदानदेती रही हैं। आप अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की सचिव, अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर की राष्ट्रीय प्रभारी, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व संगठन मंत्री, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की सलाहकार, महिला चेंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी सदस्य, कैंसर बाधित महिलाओं के स्वमदद संगठन 'जागृति' की संस्थापिका, 'शरणम्' ग्रुप की संस्थापिका, महिला संगठन अमरावती की पूर्व अध्यक्ष, आसरा विद्या निकेतन संस्था की पूर्व सचिव, वनबंधु परिषद् महिला विभाग की संयोजिका, गार्डन क्लब ऑफ सरस्वती की सदस्य, अ.भा.माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा प्रकाशित कविता संग्रह 'काव्यधारा' की संपादिका तथा मालिनी बचत गुट की संयोजिका थीं। आपके निधन पर महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती गीता मूँदड़ा एवं वर्तमान अध्यक्ष सुशीला काबरा ने गहरा शोक व्यक्त किया है एवं श्रद्धांजलि अर्पित की है। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

Net Protector
NP AV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus .com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call : 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

सिंहस्थ
कुंभ महापर्व 2016
विक्रम संवत् 2073

आस्था और भक्ति का अद्भुत समागम

श्रद्धालुओं के स्वागत को तैयार हो रहा उज्जैन

सिंहस्थ का आयोजन
देश में ही नहीं
विश्व में एक मिसाल बने।
भगवान महाकाल की कृपा और
आपके सहयोग से
हम यह कर सकेंगे।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

- सिंहस्थ को सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए ₹ 2515 करोड़ के 430 निर्माण कार्य प्रगति पर।
- 3061 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र।
- 100 नयी सड़कें, 4 रेलवे ओवर ब्रिज, 8 रिवर ब्रिज, 15 किलोमीटर का उज्जैन बायपास, क्षिप्रा के दोनों तट पर 8 किलोमीटर लंबे पक्के घाट।
- शुद्ध जल की व्यवस्था के लिए 6 मिलियन गैलन क्षमता का जलशोधन संयंत्र।
- स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 450 बिस्तर का महिला और शिशु अस्पताल, 4 जोन में 20-20 बिस्तर के अस्पताल, 16 सेक्टर में 6-6 बिस्तर के अस्पताल।
- हरित सिंहस्थ की तैयारी-पॉलीथीन प्रयोग प्रतिबंधित, एलईडी लाइट्स का प्रयोग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का पूर्ण इंतज़ाम, 34,000 शौचालय का निर्माण।

www.simhasthujjain.in

D77833

क्षिप्रा के तट पर अमृत का मेला - 22 अप्रैल से 21 मई, 2016

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

द्वारा

देवी अहिल्या की नगरी इंदौर में

समाज के ऐतिहासिक गरिमामय आयोजन

माहेश्वरी महिला महाकुंभ

'सृजन सैतु'

के सफलतम आयोजन पर

समस्त अतिथियों व सहयोगियों

तथा समाजजनों का

हार्दिक आभार

एवं

नववर्ष की मंगलकामनाएँ

श्रीमती सुशीला काबरा

अध्यक्ष

सृजन सैतु

श्रीमती कल्पना गगड़ानी

महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 February, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com